रांची, बुधवार
29.07.2026
वर्ष : 11, अंक : 237, पृष्ठ : 12
मूल्य : दो रुपए

बिहान भारत

रांची से प्रकाशित हिन्दी दैनिक
खबरें हमारी, विश्वास आपका

website : www.bihanbharat.org | bihanbharat@gmail.com | @bihan_bharat | Bihan Bharat | @bihanbharat | RNI NO - JHAHIN/2015/73988

संक्षिप्त खबरें

दिल्ली में महिलाओं को रक्षा बंधन से हर महीने मिलेंगे 2500 रुपये

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने महिलाओं के आर्थिक सशक्तीकरण और सामाजिक सुरक्षा की दिशा में मंगलवार को ऐतिहासिक कदम उठाते हुए दिल्ली लक्ष्मी योजना (डीएलवाई) को स्वीकृति दे दी। इस योजना के लिए आवेदन की प्रक्रिया ह्यदिल्ली लक्ष्मी योजना पोर्टलह्न के माध्यम से ऑनलाइन होगी। इसके लिए ऑनलाइन पोर्टल की शुरूआत एक अगस्त से की जाएगी, जिसके माध्यम से पात्र महिलाएं आवेदन कर सकेंगी। रक्षाबंधन 28 अगस्त को है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अध्यक्षता में मंगलवार को सचिवालय में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में योजना के दिशा-निर्देशों को स्वीकृति प्रदान की गई। इस महत्वाकांक्षी योजना का उद्देश्य महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने के साथ-साथ उन्हें सामाजिक रूप से सशक्त करना है। इसके तहत पात्र महिलाओं को हर महीने 2,500 रुपये की वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। वित्त वर्ष 2026-27 के बजट में इसके लिए 5,110 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है और इससे दिल्ली की 17 लाख से अधिक महिलाओं को लाभ मिलने की उम्मीद है।

भारत में अवैध रूप से रह रहा चीनी नागरिक गिरफ्तार

नोएडा। उत्तर प्रदेश के नोयडा में थाना बीटा- दो पुलिस ने बीती रात को एक सूचना के आधार पर एक चीनी नागरिक को गिरफ्तार किया है। यह भारत में अवैध रूप से रह रहा था। गिरफ्तार आरोपी से गुप्तचर एजेंसिया गहनता से पूछताछ कर रही है। थाना बीटा-दो के प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार ने बताया कि बीती रात एक सूचना के आधार पर थाना पुलिस ने एनआरआई सिटी के पास से एक चीनी नागरिक सॉन्ग जियाओमी को गिरफ्तार किया है। उसकी उम्र करीब 38 वर्ष है। उन्होंने बताया कि यह ग्रेटर नोएडा के जेपी ग्रीन सोसाइटी में रह रहा था। उन्होंने बताया कि जांच की गई तो पता चला कि वह एक वर्ष के लिए 26 जून वर्ष 2019 से 25 जून वर्ष 2020 तक के वैध वीजा पर भारत आया था। वीजा की अवधि खत्म होने के बाद वह अवैध रूप से भारत में रहने लगा। उसने धोखाधड़ी करके वीजा एक्सपायर होने के बाद भारत गणराज्य में फर्जी आधार कार्ड बनवाया। आधार कार्ड के आधार पर उसने पैन कार्ड और अन्य दस्तावेज बनवा लिया, तथा वह जेपी ग्रीन सोसायटी ग्रेटर नोएडा में रहने लगा।

लोक परीक्षाओं में नकल पर शिकंजा और कसेगा, संशोधन विधेयक लोकसभा में पेश

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने लोक परीक्षाओं में पेपर लीक और अन्य अनुचित साधनों पर प्रभावी अंकुश लगाने के उद्देश्य से मंगलवार को लोकसभा में लोक परीक्षा (अनुचित साधन निवारण) संशोधन विधेयक, 2026 पेश किया। प्रधानमंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने विधेयक पर विचार करने का प्रस्ताव रखते हुए कहा कि इसका उद्देश्य वर्ष 2024 में लागू कानून को और अधिक प्रभावी एवं कठोर बनाना है, ताकि विद्यार्थियों और युवाओं के भविष्य की रक्षा सुनिश्चित की जा सके। डॉ. सिंह ने कहा कि पेपर लीक और परीक्षा में अनियमितताओं की घटनाएं किसी एक राज्य या सरकार तक सीमित नहीं रही हैं। उन्होंने रेलवे भर्ती बोर्ड, अखिल भारतीय इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा, एम्स, तमिलनाडु लोक सेवा आयोग, उत्तर प्रदेश बीएड प्रवेश परीक्षा तथा पश्चिम बंगाल संयुक्त प्रवेश परीक्षा सहित कई मामलों का उल्लेख करते हुए कहा कि इन्हीं अनुभवों के आधार पर वर्ष 2024 में व्यापक कानून बनाया गया था।

उन्होंने बताया कि वर्ष 2024 का कानून संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी), कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी), रेलवे भर्ती बोर्ड, बैंकिंग कार्मिक चयन संस्थान (आईबीपीएस) तथा राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) जैसी संस्थाओं की परीक्षाओं पर लागू किया गया था। इसके तहत परीक्षा संबंधी अपराधों को संज्ञेय, गैर-जमानती और गैर-समझौता योग्य बनाया गया था।

मंत्री ने कहा कि संशोधन विधेयक के तहत परीक्षा में अनुचित साधनों का उपयोग करने वालों के लिए न्यूनतम सजा तीन वर्ष से बढ़ाकर पांच वर्ष तथा अधिकतम सजा दस वर्ष तक करने का प्रस्ताव है। जुमार्ने की अधिकतम राशि भी 10 लाख रुपये से बढ़ाकर 50 लाख रुपये करने का प्रावधान किया गया है।

उन्होंने कहा कि संशोधन में सेवा प्रदाताओं की परिभाषा का विस्तार करते हुए परीक्षा आयोजन से जुड़े संस्थानों, कंपनियों, साझेदारी फर्मों, ठेकेदारों और तकनीकी सेवा प्रदाताओं को भी कानून के दायरे में लाया गया है। दोषी पाए जाने पर ऐसे सेवा प्रदाताओं पर अधिकतम 5 करोड़ रुपये का जुमार्ना लगाया जा सकेगा तथा परीक्षा संचालन से प्रतिबंध की अवधि चार वर्ष से बढ़ाकर आठ वर्ष करने का प्रस्ताव है। परीक्षा आयोजन पर हुए खर्च की वसूली भी संबंधित संस्था से की जाएगी।

डॉ. सिंह ने कहा कि केवल निचले स्तर के कर्मचारियों को दंडित करना पर्याप्त नहीं है इसलिए कंपनियों और संस्थाओं के निदेशकों तथा वरिष्ठ प्रबंधन को भी जवाबदेह बनाया गया है। उनके लिए भी पांच से दस वर्ष तक के कारावास और 5 करोड़ रुपये तक के जुमार्ने का प्रावधान किया गया है। यदि किसी संगठित अपराध गिरोह या माफिया की संलिप्तता पाई जाती है तो जुमार्ना बढ़ाकर 10 करोड़ रुपये तक किया जा सकेगा।

उन्होंने बताया कि मामलों के त्वरित निपटारे के लिए विशेष फास्ट ट्रैक अदालतों का प्रावधान किया गया है। जांच दो महीने के भीतर पूरी करनी होगी और उसके बाद तीन महीने के भीतर मुकदमे का निस्तारण करने का लक्ष्य रखा गया है। अपील केवल उच्च न्यायालय की द्वैधपीठ के समक्ष निर्धारित समय सीमा के भीतर ही की जा सकेगी।

मंत्री ने कहा कि परीक्षा प्रणाली को पूरी तरह सुरक्षित और लीक-प्रूफ बनाने के लिए सरकार ने एक उच्चस्तरीय कार्यबल का गठन किया है, जिसमें नंदन नीलेकणि, इसरो के पूर्व अध्यक्ष एस. सोमनाथ, डीआईबी के पूर्व प्रमुख तपन डेका तथा आईआईटी मद्रास के निदेशक वी. कामकोटी सहित शिक्षा और प्रौद्योगिकी क्षेत्र के विशेषज्ञ शामिल हैं। उन्होंने कहा कि राधाकृष्णन समिति की 46 प्रमुख सिफारिशों में से लगभग 35 पर अमल किया जा चुका है। उन्होंने सभी राजनीतिक दलों से विद्यार्थियों के हित में इस महत्वपूर्ण संशोधन विधेयक का समर्थन करने की अपील की।

परिवहन विभाग और टाटा मोटर्स के बीच समझौता ज्ञापन पर हुआ हस्ताक्षर

युवाओं को मिलेगा आधुनिक तकनीक आधारित ड्राइविंग प्रशिक्षण :हेमंत सोरेन

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड सरकार ने सड़क सुरक्षा को बेहतर बनाने और कुशल ड्राइवर तैयार करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। मंगलवार को प्रोजेक्ट भवन में परिवहन विभाग और टाटा मोटर्स के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि यह पहल राज्य के युवाओं को आधुनिक तकनीक आधारित ड्राइविंग प्रशिक्षण प्रदान करेगी और सड़क दुर्घटनाओं को कम करने में मदद करेगी। वर्षों की तैयारी के बाद यह योजना साकार हुई है। मुख्यमंत्री ने बताया कि इस परियोजना को शुरू करने के लिए पिछले कई वर्षों से प्रयास किए जा रहे थे। झारखंड में आधुनिक ड्राइविंग प्रशिक्षण केंद्र की कमी लंबे समय से महसूस की जा रही थी,

लेकिन अब टाटा मोटर्स के सहयोग से यह कमी दूर होगी।

नया प्रशिक्षण केंद्र आधुनिक तकनीक से लैस होगा और यहां प्रशिक्षुओं को नए जमाने के वाहनों की तकनीकी जानकारी, सुरक्षित ड्राइविंग और सड़क नियमों का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह केंद्र केवल ड्राइविंग सिखाने तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि सड़क सुरक्षा और आधुनिक वाहन तकनीक का उत्कृष्ट प्रशिक्षण केंद्र बनाया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने बताया कि एमओयू से पहले ही 10 हजार से अधिक लर्निंग और ड्राइविंग लाइसेंस जारी किए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि विभाग को पहले ही निर्देश दिया गया था कि लंबित सभी आवेदन जल्द निपटाए जाएं। उनका कहना था कि लाइसेंस बनवाने की प्रक्रिया आम लोगों के लिए आसान और पारदर्शी होनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि हल्के वाहनों की तुलना में भारी वाहनों का लाइसेंस प्राप्त करना अब भी चुनौतीपूर्ण है। उन्होंने परिवहन विभाग को निर्देश दिया कि भारी वाहन चालकों के प्रशिक्षण और लाइसेंस प्रक्रिया को प्राथमिकता दी जाए।

मुख्यमंत्री ने स्वीडन की वाहन निमार्ता कंपनी वोल्वो के प्रशिक्षण केंद्र का अनुभव साझा करते हुए कहा कि विकसित देशों में सड़क सुरक्षा तकनीक काफी उन्नत है। उन्होंने कहा कि वहां वाहन सेंसर आधारित सुरक्षा प्रणाली से लैस होते हैं, जबकि भारत में अभी इस दिशा में काफी काम किया जाना बाकी है। उन्होंने आधुनिक तकनीक को ड्राइविंग प्रशिक्षण का हिस्सा बनाने पर जोर दिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में बेहतर सड़क नेटवर्क विकसित हो रहा है, लेकिन इसके साथ सड़क दुर्घटनाओं की संख्या भी चिंता का विषय बनी हुई है। उनका मानना है कि प्रशिक्षित चालक और वैज्ञानिक तरीके से दिया गया प्रशिक्षण दुर्घटनाओं को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। कार्यक्रम के अंत में मुख्यमंत्री ने कहा कि परिवहन विभाग की जिम्मेदारी बेहद व्यापक है। उन्होंने उम्मीद जताई कि टाटा मोटर्स के साथ यह साझेदारी राज्य के युवाओं को रोजगार के नए अवसर देगी, कुशल चालक तैयार करेगी और झारखंड में सड़क सुरक्षा व्यवस्था को नई दिशा देगी।

इस अवसर पर मंत्री दीपक बिरुआ, विकास आयुक्त अजय कुमार सिंह, सचिव राजीव रंजन, परिवहन आयुक्त संजीव कुमार बेसरा, टाटा मोटर्स के प्लांट हेड अनुराग छारिया, टाटा मोटर्स के जनरल मैनेजर गोलम मंडल सहित अन्य पदाधिकारीगण उपस्थित थे।

जेपीएससी मामले में पूर्व अध्यक्ष एल ख्यांगते का पासपोर्ट जब्त

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) की भर्ती में कथित अनियमितताओं की जांच कर रही सीआईडी ने मामले में कार्रवाई हुए आयोग के पूर्व अध्यक्ष एल ख्यांगते से लगातार आठ घंटे से अधिक समय तक गहन पूछताछ की। जांच की गंभीरता को देखते हुए सीआईडी ने उनका पासपोर्ट जब्त कर लिया है, ताकि वे जांच पूरी होने से पहले बिना अनुमति देश से बाहर नहीं जा सकें। सूत्रों के अनुसार, पूछताछ के दौरान सीआईडी ने उनके कार्यकाल में हुई भर्ती प्रक्रियाओं, प्रशासनिक निर्णयों और अन्य महत्वपूर्ण पहलुओं पर विस्तार से सवाल किए। सीआईडी अब उनके अध्यक्ष रहते हुए की गई विदेश यात्राओं की भी पड़ताल कर रही है।

जांच में यह जानकारी सामने आई है कि जेपीएससी अध्यक्ष रहते हुए एल ख्यांगते ने कई बार विदेश दौरे किए थे। अब सीआईडी इन यात्राओं के वित्तीय स्रोत, यात्रा का उद्देश्य, समय-सारणी और संबंधित दस्तावेजों का मिलान कर रही है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि इन दौरों का भर्ती प्रक्रिया या अन्य निर्णयों से कोई संबंध तो नहीं था। सीआईडी ने इससे पहले एल. ख्यांगते को नोटिस जारी कर 28 जुलाई को पूछताछ के लिए उपस्थित होने का निर्देश दिया था। नोटिस के अनुपालन में वह निर्धारित समय पर सीआईडी कार्यालय पहुंचे। इसके बाद जांच अधिकारियों ने उनसे भर्ती प्रक्रियाओं और कथित अनियमितताओं से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर पूछताछ शुरू की।

उल्लेखनीय है कि जेपीएससी की विभिन्न नियुक्तियों में कथित गड़बड़ियों और अनियमितताओं की जांच सीआईडी कर रही है। जांच के दौरान एजेंसी कई अभ्यर्थियों, अधिकारियों और अन्य संबंधित लोगों से भी पूछताछ कर चुकी है तथा दस्तावेजों और अन्य साक्ष्यों की जांच जारी है।

सीआईडी इस मामले में अब तक कथित नियुक्ति घोटाले के मुख्य आरोपित अभय तिवारी सहित 10 लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है। जांच एजेंसी का कहना है कि मामले से जुड़े सभी तथ्यों की गहनता से पड़ताल की जा रही है और साक्ष्यों के आधार पर आगे भी आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

मुख्य सचिव अविनाश कुमार ने सपरिवार बाबा बैद्यनाथ का पूजन किया

बिभा संवाददाता

देवघर। विश्व प्रसिद्ध राजकीय श्रावणी मेला 2026 के शुभारंभ से झारखंड के मुख्य सचिव अविनाश कुमार एक दिवसीय दौरे पर मंगलवार को बाबा नगरी देवघर पहुंचे। इस दौरान उन्होंने सपरिवार बाबा बैद्यनाथ मंदिर में विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर श्रावणी मेले के सफल आयोजन, राज्य की सुख-समृद्धि तथा विश्व कल्याण की कामना की।

मुख्य सचिव ने जिले में श्रावणी मेले को लेकर श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा, यातायात, स्वास्थ्य सहित अन्य व्यवस्थाओं की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को

आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए कहा कि मेले में आने वाले लाखों श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो और सभी व्यवस्थाएं सुचारु रूप से संचालित हों। पूजा-अर्चना के बाद जिला प्रशासन की ओर से मुख्य सचिव को बाबा बैद्यनाथ का प्रसाद और स्मृति-चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया। श्रावणी मेले के शुभारंभ के साथ ही देवघर में लाखों कांवरियों के आगमन का सिलसिला शुरू होगा, जिसे लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह सतर्क और तैयार है।

धनबाद में कोयला माफिया पर ईडी का 25 ठिकानों पर छापा, 100 करोड़ से अधिक का खुलासा

बिभा संवाददाता

रांची। धनबाद में अवैध कोयला खनन, परिवहन और भंडारण से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग के एक बड़े मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने अब तक की सबसे सख्त और बड़ी कार्रवाई की है।

अधिकारिक सूत्रों के अनुसार ईडी की 25 अलग-अलग टीमों ने मंगलवार तड़के 5 बजे से कोयला माफिया एलबी सिंह और उनके सहयोगियों से जुड़े 25 ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की। यह कार्रवाई देर रात तक जारी रही।

अब तक की जांच में ईडी को आरोपितों के ठिकानों से नकदी, बैंक बैलेंस और म्यूचुअल फंड निवेश के रूप में करीब 100

करोड़ रुपये की संपत्ति का पता चला है, जिन्हें फ्रीज कर दिया गया है।

इसके अलावा, मौके से 100 से अधिक प्रॉपर्टी के दस्तावेज, सेल डीड और कई डिजिटल साक्ष्य बरामद किए गए हैं। ईडी के अधिकारी फिलहाल जब्त किए गए सभी कागजातों और निवेश संबंधी दस्तावेजों का सत्यापन कर रहे हैं। इडी की यह कार्रवाई कोयला कारोबार से जुड़े प्रमुख सिंडिकेट पर हुई है। मुख्य आरोपित एलबी सिंह, अनिल गोयल, गणेश यादव, पप्पू मंडल, अनूप चौहान, हरेंद्र चौहान और पूर्व विधानसभा प्रत्याशी रोहित यादव के ठिकानों पर छापेमारी की गई।

उल्लेखनीय है कि धनबाद में अवैध कोयला खनन और तस्करी के इस नेटवर्क को ध्वस्त करने के लिए ईडी ने चार अलग-अलग एनफोर्समेंट केस इंफर्मेशन रिपोर्ट (ईसीआइआर) दर्ज की हैं।

जांच एजेंसी को पुख्ता जानकारी मिली थी कि एलबी सिंह और उनके सहयोगियों ने अवैध कोयला खनन, परिवहन और भंडारण के जरिए काले धन का विशाल साम्राज्य खड़ा किया है।

गत 21 नवंबर 2025 को भी ईडी ने एलबी सिंह और उनके सहयोगियों के धनबाद व दुमका स्थित लगभग 20 ठिकानों पर छापेमारी की थी। उस दौरान ईडी को 2.20 करोड़ रुपये नकद और 150 से अधिक जमीन के दस्तावेज मिले थे। उसी जांच और मिले साक्ष्यों के सत्यापन के आधार पर ईडी ने इस बार यह दूसरी बड़ी कार्रवाई की है।

ऑपरेशन 'नवजीवन-2' में झारखंड पुलिस को बड़ी सफलता

16 सक्रिय माओवादियों ने किया आत्मसमर्पण

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड पुलिस को माओवादियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में बड़ी सफलता मिली है। ऑपरेशन 'नवजीवन-क्क' के तहत प्रतिबंधित भाकपा (माओवादी) संगठन के 16 सक्रिय नक्सलियों ने मंगलवार को झारखंड पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया। आत्मसमर्पण करने वालों में संगठन के विभिन्न स्तरों के कमांडर और दस्ता सदस्य शामिल हैं। उन्होंने पुलिस को 11 आधुनिक हथियार, 38 मैगजीन और 1,562 जिंदा कारतूस भी सौंपे।

पुलिस मुख्यालय में आयोजित कार्यक्रम में राज्य की पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) तदाशा मिश्रा ने बताया कि झारखंड पुलिस, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ), कोबरा बटालियन और झारखंड जगुआर द्वारा संयुक्त रूप से चलाए जा रहे अभियानों से माओवादी संगठन पर लगातार दबाव बढ़ रहा है। साथ ही राज्य सरकार की आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति से प्रभावित होकर बड़ी संख्या में नक्सली हिंसा का रास्ता छोड़ मुख्यधारा में लौट रहे हैं।

डीजीपी के अनुसार, आत्मसमर्पण करने वाले 16 नक्सलियों में 11 पुरुष और पांच महिलाएं शामिल हैं। इनमें एक रीजनल कमेटी सदस्य (आरसीएम), तीन जोनल कमेटी सदस्य (जेडसीएम), तीन सब-जोनल कमेटी सदस्य (एसजेडसीएम), छह एरिया कमेटी सदस्य (एसीएम) तथा तीन

दस्ता सदस्य हैं। ये सभी कोल्हान और सारंडा के दुर्गम जंगल-पहाड़ी क्षेत्रों में सक्रिय थे तथा संगठन के शीर्ष नेताओं मिसिर बेसरा उर्फ सागर जी और असीम मंडल के दस्ते से जुड़े बताए जाते हैं।

डीजीपी ने कहा कि लगातार सुरक्षा अभियान, संगठन के भीतर बढ़ता असंतोष और सरकार की पुनर्वास नीति के कारण माओवादी संगठन लगातार कमजोर हो रहा है। विशेष रूप से पश्चिमी सिंहभूम (चाईबासा) और आसपास के क्षेत्रों में नक्सली गतिविधियां तेजी से सिमट रही हैं। डीजीपी ने शेष सक्रिय नक्सलियों से भी अपील की कि वे हिंसा का रास्ता छोड़कर आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति का लाभ उठाएं और समाज की मुख्यधारा से जुड़कर सम्मानजनक जीवन की शुरूआत करें।

सीआरपीएफ के महानिरीक्षक (आईजी) साकेत सिंह ने इस मौके पर बताया कि इसी नेटवर्क से जुड़े आठ अन्य कमांडर और सदस्य हाल ही में छत्तीसगढ़ में भी आत्मसमर्पण कर चुके हैं। झारखंड में आत्मसमर्पण करने वाले 16 नक्सलियों में से 15 पश्चिमी सिंहभूम (चाईबासा), लातेहार, लोहरदगा, हजारीबाग, खूंटी, बोकारो, रांची, सरायकेला-खरसावां और गिरिडीह जिलों के निवासी हैं, जबकि एक सदस्य ओडिशा के सुंदरगढ़ जिले का रहने वाला है।

आईजी साकेत सिंह ने बताया कि झारखंड में सक्रिय रहे आठ अन्य माओवादियों ने छत्तीसगढ़ में भी आत्मसमर्पण किया है। इनमें जोनल कमेटी सदस्य अश्विन उर्फ लच्छू कोरसा, एरिया कमेटी सदस्य सोहन पुनेम, रीता उर्फ मंगली कुंजाम, अनुषा कुंजाम, रजनी मुडकेम तथा सदस्य राहत मांडवी, सुबनी और जेलानी शामिल हैं।

आत्मसमर्पण करने वालों में 15 लाख रुपये का इनामी रीजनल कमेटी सदस्य संतोष उर्फ बासुदेव दा उर्फ गांधी उर्फ दिलीप उर्फ संजय महतो उर्फ बासुकू उर्फ श्याम भी शामिल है। इसके अलावा 10 लाख रुपये का इनामी चंदन लोहरा तथा पांच-पांच लाख रुपये के इनामी अनिल तुरी उर्फ उज्ज्वल और सुखलाल बिरजिया उर्फ अकेला समेत कई जोनल, सब-जोनल और एरिया कमेटी सदस्य भी मुख्यधारा में लौटे हैं।

राज्यसभा में एमएसएमई संशोधन विधेयक 2026 पेश

एजेंसी

नई दिल्ली। विपक्ष के लगातार हंगामे के बीच मंगलवार को राज्यसभा में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) विकास (संशोधन) विधेयक, 2026 पेश किया गया। इसके बाद सदन में शोर-शराबा जारी रहने पर उपसभापति हरिवंश ने कार्यवाही बुधवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी।

दोपहर बाद भोजनावकाश के बाद जैसे ही सदन की कार्यवाही शुरू हुई, उपसभापति हरिवंश ने सरकारी विधायी कार्य शुरू करते हुए केंद्रीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री जीतन राम मांझी को सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विकास (संशोधन) विधेयक, 2026 प्रस्तुत करने की अनुमति दी। विधेयक पेश करते हुए मांझी ने कहा कि वर्ष 2006 में बने एमएसएमई विकास अधिनियम में समय के साथ संशोधन की आवश्यकता महसूस की गई है। उन्होंने कहा कि संशोधन का उद्देश्य एमएसएमई इकाइयों को समयबद्ध भुगतान सुनिश्चित करने के प्रावधानों को और प्रभावी बनाना, नियमों के उल्लंघन पर दंड को अधिक कठोर करना तथा जुमार्ने के प्रावधानों को सशक्त बनाना है। उन्होंने कहा कि संशोधन के माध्यम से व्यापार से संबंधित कुछ प्रक्रियाओं को अनिवार्य बनाया जा रहा है, जिससे सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों को अपने बकाया का भुगतान प्राप्त करने में सुविधा होगी और कारोबारी लेन-देन में अधिक पारदर्शिता आएगी।

रांची की सड़कों की बदलेगी तस्वीर, रोड ग्रेडिंग सिस्टम लागू, मॉडल कॉरिडोर पर शुरू हुआ काम

बिभा संवाददाता

रांची: राजधानी रांची की सड़क व्यवस्था को अधिक व्यवस्थित, सुरक्षित और टिकाऊ बनाने के लिए रांची नगर निगम ने रोड ग्रेडिंग सिस्टम लागू कर दिया है। नई व्यवस्था के तहत निगम क्षेत्र की सभी प्रमुख और आंतरिक सड़कों का गुणवत्ता के आधार पर सर्वे कर उन्हें चार श्रेणियों में वर्गीकृत किया जा रहा है। साथ ही शहर के प्रमुख मार्गों को मॉडल कॉरिडोर के रूप में विकसित करने की योजना पर भी काम शुरू हो गया है।

नगर निगम के अनुसार, सभी 53 वार्डों में जूनियर इंजीनियर, सहायक अभियंता एवं संबंधित टीमों द्वारा सड़क सर्वेक्षण किया जा रहा है। निरीक्षण के बाद सड़कों को गुड, एवरेज, पुअर और वेरी पुअर श्रेणियों में बांटा जाएगा। गुड श्रेणी की सड़कों पर नियमित रखरखाव, एवरेज श्रेणी में पैचवर्क व हल्की मरम्मत, पुअर श्रेणी की सड़कों की प्राथमिकता के आधार पर मरम्मत तथा वेरी पुअर श्रेणी की सड़कों का पुनर्निर्माण किया जाएगा। नगर निगम का कहना है कि इस ग्रेडिंग सिस्टम से यह तय करना आसान होगा कि किन क्षेत्रों में तत्काल मरम्मत या पुनर्निर्माण की आवश्यकता है। इससे सड़क निर्माण और रखरखाव कार्यों में पारदर्शिता आएगी तथा उपलब्ध बजट का बेहतर उपयोग सुनिश्चित होगा।

नगर निगम का लक्ष्य केवल गड्ढों की मरम्मत करना नहीं, बल्कि पूरे शहर के सड़क नेटवर्क को भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप आधुनिक और व्यवस्थित बनाना है। रोड ग्रेडिंग सिस्टम और मॉडल कॉरिडोर परियोजना पूरी होने के बाद राजधानी रांची में सड़क और यातायात व्यवस्था में व्यापक सुधार देखने को मिलेगा।

मॉडल कॉरिडोर के रूप में विकसित होंगे प्रमुख मार्ग

शहर के प्रमुख मार्गों को मॉडल कॉरिडोर बनाने की योजना के तहत कांके रोड, राम मंदिर से रातू रोड चौक, हरमू बाइपास, सिरमटोली सहित कई महत्वपूर्ण सड़कों का चयन किया गया है। इन मार्गों पर अतिक्रमण हटाने, फुटपाथ निर्माण, आधुनिक स्ट्रीट लाइट, हरियाली, ड्रेनेज सुधार, ट्रैफिक प्रबंधन और सौंदर्यीकरण जैसे कार्य चरणबद्ध तरीके से किए जाएंगे।

मानसून प्रभावित क्षेत्रों पर विशेष फोकस

नगर आयुक्त सुशांत गौरव ने बताया कि नगर निगम और रोड कंस्ट्रक्शन विभाग मिलकर शहर के आधारभूत ढांचे को मजबूत करने की दिशा में लगातार काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कई महत्वपूर्ण सड़कों की ग्रेडिंग का कार्य शुरू हो चुका है और उसी के आधार पर मरम्मत, पुनर्निर्माण एवं विकास कार्यों की प्राथमिकता तय की जाएगी।
उन्होंने बताया कि मानसून के दौरान जलजमाव और खराब सड़कों वाले क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। बारिश समाप्त होने के बाद इन इलाकों में सड़क और ड्रेनेज की स्थायी व्यवस्था विकसित की जाएगी।

आरकेडीएफ विवि के छात्रों ने पार्ले-जी फैक्ट्री में सीखी आधुनिक उत्पादन प्रणाली

बिभा संवाददाता

रांची। आरकेडीएफ विश्वविद्यालय (विवि), रांची के स्कूल ऑफ कॉमर्स एंड मैनेजमेंट के छात्रों ने व्यवहारिक शिक्षा को बढ़ावा देने की बात पर मंगलवार को तुपूदाना स्थित पार्ले-जी फैक्ट्री का औद्योगिक भ्रमण किया। क्लासरूम से इंडस्ट्री तक, ज्ञान से अनुभव तक थीम पर आयोजित इस भ्रमण में छात्रों ने आधुनिक औद्योगिकी कार्यप्रणाली, गुणवत्ता प्रबंधन और उत्पादन प्रक्रिया का प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त किया।
भ्रमण के दौरान छात्रों ने कच्चे माल की गुणवत्ता जांच, स्वचालित उत्पादन प्रणाली, आधुनिक बेकिंग तकनीक, गुणवत्ता नियंत्रण, पैकेजिंग, वेयरहाउसिंग, सप्लाई चेन और वितरण व्यवस्था का अवलोकन किया।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ एस चटर्जी ने कहा कि नई शिक्षा नीति के अनुरूप अनुभवात्मक शिक्षा समय की आवश्यकता है। ऐसे औद्योगिक भ्रमण विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, विश्लेषणात्मक सोच तथा व्यावसायिक दृष्टिकोण विकसित करते हैं।
कार्यक्रम में ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट प्रमुख अंकित प्रकाश, स्कूल ऑफ कॉमर्स एंड मैनेजमेंट की प्रमुख पूजा गुप्ता, डॉ रंजीत कुमार, स्मिता सिन्हा, अनिमा, स्मृति सहित शिक्षक मौजूद थे।

संक्षिप्त खबरें

डीपीएस कक्षा सात के छात्र रुद्र ने राज्य स्तरीय तैराकी प्रतियोगिता में चार पदक जीतकर स्टेट चैम्पियन बना

जमशेदपुर(बिभा) । झारखंड राज्य स्तरीय जूनियर और सब जूनियर तैराकी प्रतियोगिता 2026 में डीपीएस कक्षा सात के छात्र रुद्र आदित्य आनंद ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चार पदक अपने नाम किया । ग्रुप 4 वर्ग में 100 मीटर, 200 मी, 400 मी,फ्री स्टाइल में 3 स्वर्ण पदक जीत कर राज्य चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया है तथा 4 में 50 मीटर रिले फ्री स्टाइल में रजत पदक (सिल्वर मेडल)प्राप्त किया है । रुद्र आदित्य आनंद के इस उपलब्धि से उनके परिवार प्रशंसक और शुभचिंतकों में बहुत खुशी है । साथ में उनके अंकल मिस्टर सच्चिदानंद कुमार ने तहे दिल से रुद्र आदित्य आनंद को बधाई दी है जो की फ्लोरेंस नाइटेंगल स्कूल के डायरेक्टर भी हैं । रुद्र आदित्य आनंद को झारखंड राज्य तैराकी प्रतियोगिता में स्टेट चैम्पियन बनने पर उनके परिजन, स्कूल प्रबंधन , गुरुजन तथा इस जीत की खुशी में उनके चाहने वाले सभी लोग बहुत बहुत बधाइयां और शुभकामनाएं दे रहे हैं, ताकि वे अपने जीवन के हर बुलंदियों को छू सकें और तैराकी के साथ साथ शिक्षा दीक्षा में भी उत्कृष्ठ प्रदर्शन कर सकें ।

श्मशान काली मंदिर को मिला शव वाहन ट्रॉली, मुक्ति सेवा संस्था को सौंपा गया

सिल्ली(बिभा): श्मशान काली मंदिर परिसर में मंगलवार को एक सराहनीय पहल के तहत शव वाहन ट्रॉली जनमानस के हित में समर्पित की गई। यह ट्रॉली स्वर्गीय अरुण कुमार साहू के सुपुत्र रमण साहू एवं सुमन साहू के सौजन्य से मुक्ति सेवा संस्था को सौंपी गई। कार्यक्रम की शुरूआत गणमान्य लोगों द्वारा फीता काटकर की गई। इसके बाद ट्रॉली को विधिवत रूप से संस्था के पदाधिकारियों को सौंपा गया। इस अवसर पर मुक्ति सेवा संस्था के संरक्षक राजा पुष्पेन्द्र नाथ सिंह देव, निर्मल साहू, राधेश्याम साहू, राजेश साहू, दीपक साहू, प्रताप भगत, विनय चक्रवर्ती, मनोज रजक, भागवत सोनार, भरत विश्वकर्मा, सुरेश मुंडा, भादुड़ी गोराई, रमेश जालान, प्रकाश अग्रवाल, प्रदीप सिंह, माणिक आश और कमल किशोर कुशवाहा सहित कई सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित थे। रमण साहू ने कहा कि उनके पिता हमेशा जरूरतमंदों की मदद के लिए तत्पर रहते थे। उनकी स्मृति में यह ट्रॉली दी गई है ताकि असहाय परिवारों को अंतिम यात्रा के समय किसी प्रकार की परेशानी न हो। उन्होंने कहा कि यह सेवा कार्य आगे भी जारी रहेगा। मुक्ति सेवा संस्था के संरक्षक राजा पुष्पेन्द्र नाथ सिंह देव ने दानदाताओं के प्रति आभार जताया।

बेड़ो व नरकोपी थाना में जन शिकायत समाधान शिविर का आयोजन आज

बेड़ो(बिभा): बेड़ो थाना एवं नरकोपी थाना परिसर में आज बुधवार, 29 जुलाई 2026 को जन शिकायत समाधान शिविर का आयोजन किया जाएगा। बेड़ो थाना में शिविर की अध्यक्षता थाना प्रभारी मो. कफिल अहमद तथा नरकोपी थाना में थाना प्रभारी शैलेंद्र कुमार टुडू करेंगे। शिविर का आयोजन सुबह 10:00 बजे से दोपहर 1:00 बजे तक किया जाएगा। इस दौरान जमीन विवाद, आपसी मारपीट, चोरी, गुमशुदगी, पारिवारिक विवाद, महिला उत्पीड़न सहित पुलिस से संबंधित अन्य शिकायतों की सुनवाई की जाएगी। कई मामलों का मौके पर ही निस्तारण करने का प्रयास किया जाएगा, जबकि अन्य मामलों में आवश्यक कानूनी प्रक्रिया के तहत कार्रवाई की जाएगी। बेड़ो थाना प्रभारी मो. कफिल अहमद एवं नरकोपी थाना प्रभारी शैलेंद्र कुमार टुडू ने क्षेत्र के लोगों से अधिक से अधिक संख्या में शिविर में शामिल होने की अपील की है। उन्होंने कहा कि शिकायतकर्ता अपने आवेदन के साथ आवश्यक दस्तावेज भी लेकर आएं, ताकि शिकायतों का त्वरित एवं प्रभावी समाधान सुनिश्चित किया जा सके। उन्होंने कहा कि पुलिस आमजन की सेवा और उनकी समस्याओं के समाधान के लिए सदैव तत्पर है तथा शिविर में प्राप्त प्रत्येक शिकायत पर गंभीरतापूर्वक कार्रवाई की जाएगी।

मेयर सुधा गुप्ता पर आपत्तिजनक टिप्पणी का विरोध: विधायक सरयू राय को सद्बुद्धि के लिए विशेष प्रार्थना सभा का आयोजन

जमशेदपुर(बिभा) : मानगो नगर निगम की महापौर सुधा गुप्ता के विरुद्ध विधायक सरयू राय द्वारा दिए गए अशोभनीय एवं आपत्तिजनक बयान के विरोध में आज कदमा उलियान स्थित नेताजी सुभाष चंद्र बोस पार्क के समीप एक विशेष प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया। सभा में उपस्थित लोगों ने विधायक सरयू राय को सद्बुद्धि प्रदान करने तथा सार्वजनिक जीवन की गरिमा, महिलाओं के सम्मान और लोकतांत्रिक मयार्दाओं का पालन करने की ईश्वर से प्रार्थना की। लोकतंत्र में वैचारिक मतभेद स्वाभाविक हैं, लेकिन किसी भी महिला जनप्रतिनिधि के प्रति अमर्यादित एवं अशोभनीय भाषा का प्रयोग न केवल उस व्यक्ति का, बल्कि समस्त महिला समाज का अपमान है। सभा के दौरान उपस्थित लोगों ने कहा कि जनप्रतिनिधियों को अपने शब्दों और आचरण से समाज के सामने सकारात्मक उदाहरण प्रस्तुत करना चाहिए। राजनीतिक विरोध अपनी जगह है, लेकिन व्यक्तिगत टिप्पणी और महिलाओं के सम्मान को ठेस पहुंचाने वाली भाषा किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं हो सकती।

सावन में जगमगाएगा पहाड़ी मंदिर क्षेत्र, प्लास्टिक मुक्त रहेगा शिवालय

बिभा संवाददाता

रांची। भगवान भोलेनाथ का पावन महीना सावन 30 जुलाई से शुरू हो होगा। सावन का महीना सनातन-धर्मियों के लिए भगवान शिव को समर्पित होता है। सावन में शिवभक्तों की भीड़ शिवालयों में उमड़ती है। इसे लेकर रांची नगर निगम ने सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। नगर निगम ने शहर के पहाड़ी मंदिर, स्वर्णरेखा नदी स्थित कांवड़ जल उठाव स्थल, सुरेश्वर धाम चुटिया सहित प्रमुख शिवालयों में सफाई, पेयजल, लाइटों की व्यवस्था, शौचालय और सुरक्षा संबंधी व्यवस्थाएं की हैं। नगर निगम ने बताया कि पहाड़ी मंदिर परिसर और मार्ग पर 100 सफाई मित्रों की तैनाती की गई है। वहीं स्वर्णरेखा घाट पर 40 और शहर के विभिन्न मंदिरों के आसपास करीब

1200 सफाई कर्मी लगाए गए हैं। सावन में तीन पालियों में सफाई अभियान चलेगा। रविवार और सोमवार को अतिरिक्त टीमों की तैनाती की जाएगी। वहीं, मंदिर मार्गों पर झाड़ू, कचरा उठाव, झाड़ियों की कटाई, ब्लीचिंग पाउडर और एंटी-लार्वा दवा का नियमित छिड़काव किया जाएगा।
पहाड़ी मंदिर मार्ग और स्वर्णरेखा घाट के आसपास के गड्ढों को करीब 12 हाईवा स्टोन डस्ट डालकर समतल किया गया है। इसके अलावा किसी भी आपात स्थिति या जलजमाव से निपटने के लिए क्विक रिस्पांस टीम (क्यूआरटी) को अलर्ट मोड पर रखा गया है।
सावन के दौरान भक्तों की सुरक्षित आवाजाही के लिए नगर निगम ने पांच विशेष टीमों से पहाड़ी मंदिर, स्वर्णरेखा घाट और आसपास के क्षेत्रों में 364 स्ट्रीट लाइट की जांच-परखकर रोशनी की व्यवस्था की है। इनमें से 189 खराब स्ट्रीट लाइटों को दुरुस्त किया गया है। पहाड़ी मंदिर, शनि मंदिर से अपर बाजार, शहीद चौक से बहु बाजार, चर्च रोड, प्रगति पथ और सुरेश्वर धाम मार्ग पर अतिरिक्त रोशनी की व्यवस्था भी की गई है।
श्रद्धालुओं के लिए प्रत्येक रविवार और सोमवार को पहाड़ी मंदिर मार्ग पर 08 वाटर टैंकर, स्वर्णरेखा कांवड़ जल उठाव स्थल और सुरेश्वर धाम समेत चुटिया में 04 वाटर टैंकर लगाए जाएंगे। सभी मॉड्यूलर और सुलभ शौचालयों की विशेष सफाई और नियमित रखरखाव के निर्देश दिए गए हैं।
बरसात और तेज हवा के दौरान दुर्घटनाओं की आशंका कम करने के लिए पहाड़ी मंदिर मार्ग पर करीब 40 पेड़ों के डालियों की छंटाई कराई गई है। वहीं पहाड़ी मंदिर और शहर के प्रमुख शिवालयों के आसपास ह्यनो प्लास्टिक जोनह्ण घोषित किया गया है। नगर निगम ने दुकानदारों और श्रद्धालुओं से सिंगल यूज प्लास्टिक और प्लास्टिक कैरी बैग का उपयोग नहीं करने की अपील की है।

एयरपोर्ट पार्किंग से ऑटो संचालन का ऑटो चालकों ने किया विरोध

बिभा संवाददाता

रांची। बिरसा मुंडा एयरपोर्ट से ऑटो संचालन करने वाले ऑटो चालकों ने मंगलवार को एयरपोर्ट मैदान में बैठक कर पार्किंग से ऑटो परिचालन पर रोक लगाए जाने का विरोध किया।
इसके साथ ही सर्वसम्मपति से निर्णय लिया गया कि 29 जुलाई को एयरपोर्ट निदेशक और संबंधित अधिकारियों से मुलाकात कर लिखित आवेदन सौंपा जाएगा। ऑटो चालक और ऑटो मालिकों ने कहा कि वे पार्किंग और परिचालन से जुड़ी समस्याओं के समाधान के लिए प्रबंधन से सकारात्मक वार्ता करेंगे।
बैठक की अध्यक्षता ऑटो चालक-मालिक महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष दिनेश सोनी ने की।
बैठक में चालकों ने आरोप लगाया कि करीब 30 वर्षों से वे एयरपोर्ट से यात्रियों को सेवा दे रहे हैं, लेकिन हाल के दिनों में एयरपोर्ट सुरक्षा कर्मियों की ओर से उन्हें पार्किंग में प्रवेश नहीं करने दिया जा रहा है।
बैठक की जानकारी देते हुए प्रदेश कोषाध्यक्ष भोला सिंह ने कहा कि पार्किंग से ऑटो हटाए जाने के बावजूद निजी (व्हाइट नंबर) वाहनों से यात्रियों का परिवहन किया जा रहा है। इससे लंबे समय से एयरपोर्ट से जुड़े ऑटो चालकों की आजीविका प्रभावित हो रही है और उनके परिवार के भरण-पोषण पर संकट खड़ा हो गया है।
बैठक में महासंघ के प्रदेश कोषाध्यक्ष भोला सिंह, सलाहकार मंत्री अमर मुंडा, महेश सिंह सहित अन्य मौजूद थे।

जंगल में सीआईएसएफ की बड़ी दबिश, छिपाकर रखा 1.3 टन अवैध कोयला जब्त

बिभा संवाददाता

खलारी। सीसीएल एनके एवं पिपरवार कोलफील्ड में कोयला माफियाओं के खिलाफ सीआईएसएफ का अभियान लगातार और तेज होता जा रहा है ।मंगलवार को गुप्त सूचना के आधार पर सीआईएसएफ ने जंगल में छिपाकर रखा गया 1.300 टन अवैध कोयला बरामद कर तस्करों के मंसूबों पर पानी फेर दिया। कार्रवाई के बाद अवैध कोयला कारोबार से जुड़े गिरोहों में हड़कंप मच गया है ।जानकारी के अनुसार, सीआईएसएफ को सूचना मिली थी कि पिपरवार एरिया की 'डी' कंपनी के अंतर्गत कांटा संख्या-09 से सीएचपी जाने वाले मार्ग के समीप जंगल में दो अलग-अलग स्थानों पर चोरी का कोयला छिपाकर रखा गया है ।सूचना मिलते ही सहायक कमांडेंट हर्ष लवानिया के नेतृत्व में निरीक्षक सरोज कुमार साह, निरीक्षक विजय कुमार सांगा, उप निरीक्षक किशन दास,

सीआईडब्ल्यू, क्यूआरटी तथा अन्य जवानों की संयुक्त टीम ने पूरे क्षेत्र की घेराबंदी कर सघन तलाशी अभियान चलाया ।छापेमारी के दौरान दोनों स्थानों से कुल 1.300 टन अवैध कोयला बरामद किया गया। जब्त कोयले को आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद सीसीएल प्रबंधन को सौंप दिया गया। सीसीएल ने बरामद कोयले का मूल्य ?965 प्रति टन की दर से कुल ?1,254.50 निर्धारित किया है।
पूरी कार्रवाई सीआईएसएफ यूनिट सीसीएल एनके एवं पिपरवार के कमांडेंट अमित कुमार के दिशा-निर्देशन में संपन्न हुई ।कमांडेंट ने कहा कि कोयला चोरी, अवैध खनन एवं अवैध परिवहन के विरुद्ध सीआईएसएफ पूरी मुस्तैदी के साथ अभियान चला रही है ।गुप्त सूचनाओं के आधार पर लगातार छापेमारी कर राष्ट्रीय संपदा की चोरी रोकने की दिशा में प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि वनाच्छादित और दुर्गम क्षेत्रों में अभियान चुनौतीपूर्ण होने के बावजूद सीआईएसएफ के जवान लगातार गश्त और योजनाबद्ध कार्रवाई कर कोयला माफियाओं पर शिकंजा कस रहे हैं ।लगातार हो रही इन कार्रवाइयों से क्षेत्र में सक्रिय कोयला माफियाओं की गतिविधियों पर असर पड़ने लगा है। सीआईएसएफ ने स्पष्ट किया है कि राष्ट्रीय संपदा की सुरक्षा के लिए भविष्य में भी अवैध खनन, कोयला चोरी और तस्करी में शामिल लोगों के खिलाफ इसी तरह सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

90 दिवसीय विधिक जागरूकता अभियान के तहत डालसा ने प्रदर्शनी का किया आयोजन

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर । राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा) एवं झारखण्ड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण (झालसा) के निदेर्शानुसार तथा डालसा अध्यक्ष सह प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश अरविंद कुमार पांडेय के मार्गदर्शन में पूरे जिले में संचालित ₹90 दिवसीय विधिक जागरूकता अभियान के अंतर्गत मंगलवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकार जमशेदपुर द्वारा सिविल कोर्ट परिसर स्थित न्याय सदन में एक आकर्षक विधिक जागरूकता प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी का मुख्य उद्देश्य आम नागरिकों को निःशुल्क विधिक सहायता, विधिक अधिकारों तथा राष्ट्रीय एवं राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं एवं गतिविधियों से अवगत कराना था। प्रदर्शनी में नालसा एवं झालसा की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं, निःशुल्क विधिक सहायता,

मध्यस्थता, लोक अदालत, पीड़ित प्रतिकर योजना, पारा विधिक स्वयंसेवक (अधिकार मित्र) की भूमिका, विधिक जागरूकता कार्यक्रमों तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, पूर्वी सिंहभूम द्वारा संचालित विभिन्न गतिविधियों एवं उपलब्धियों का प्रभावी प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शनी में न्यायालय आने वाले वादकारियों, अधिवक्ताओं, विद्यार्थियों तथा आम नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। बड़ी संख्या में लोगों ने प्रदर्शनी का अवलोकन कर निःशुल्क विधिक सहायता, विधिक अधिकारों एवं विभिन्न विधिक सेवा योजनाओं की जानकारी प्राप्त की। प्रदर्शनी के दौरान उपस्थित लोगों को विभिन्न विधिक योजनाओं से संबंधित पुस्तिकाएँ एवं जागरूकता सामग्री भी उपलब्ध कराई गई।
जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव कुमार सौरभ त्रिपाठी ने बताया कि इस प्रदर्शनी में मध्यस्थ अधिवक्ता गण, लीगल एड डिफेंस कौंसिल के सदस्यों, अधिकारियों एवं पारा विधिक स्वयंसेवकों ने आगंतुकों को विधिक सेवाओं की उपलब्धता, पात्रता, लोक अदालत, मध्यस्थता तथा अन्य कल्याणकारी योजनाओं के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की। उन्होंने कहा कि यह प्रदर्शनी आमजन में विधिक जागरूकता बढ़ाने तथा समाज के कमजोर एवं वंचित वर्गों तक न्याय की सहज एवं प्रभावी पहुँच सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल सिद्ध हुई है ।

संयुक्त किसान मोर्चा की राष्ट्रीय अधिवेशन दिल्ली में सम्पन्न, 10 अगस्त को देशव्यापी जेलभरो आन्दोलन का आव्हान

बिभा संवाददाता

सिल्ली : संयुक्त किसान मोर्चा का राष्ट्रीय अधिवेशन शिविक सेंटर नयी दिल्ली में सम्पन्न हुई,10 अगस्त को देशव्यापी जेलभरो आन्दोलन का आव्हान किया गया ।राष्ट्रीय अधिवेशन के लिए आधार पत्र अखिल भारतीय किसान सभा के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष कामरेड कृष्ण प्रसाद ने करते हुए कहा आज हम देश भर के किसान नेता इस लिए जुटे हैं कि 13 माह चली किसान आन्दोलन के पश्चात तीनों कृषि कानून रद्द करते हुए मोदी सरकार ने 10 दिसम्बर 2021 को किसान आन्दोलन के साथ लिखित समझौता किया था कि तीन माह में एम् एस पी की कानूनी गारंटी, किसान आन्दोलन के मुकदमे वापस लेने, शहीद किसानों को मुआवजा देने, कर्ज माफी करने आदि शामिल थे। 6 वर्ष के पश्चात

लागू नहीं किया गया तथा नये किसान विरोधी कानून ,भारत - अमेरिका व्यापार समझौता,बीज और बिजली विधेयक, मनरेगा को समाप्त कर दिया गया है। भारत - व्यापार समझौता भारतीय किसानों के लिए मौत की घंटी होगी, भारतीय किसानों की बबार्दी होगी। अमेरिकी उत्पादों के लिए मुक्त भारतीय बाजार एवं भारतीय किसानों पर 18 प्रतिशत टेरिफ भारतीय संप्रभुता को अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प के सामने आत्म समर्पण है। राष्ट्रीय अधिवेशन में देश भर के 500 से ज्यादा किसान संगठन के प्रतिनिधि शामिल थे ।राष्ट्रीय अधिवेशन को अखिल भारतीय किसान सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष कामरेड अशोक ढावले, महासचिव बीजू कृष्णन,बी,के,यूं नेता राकेश टिकैत,डा,सुनीलम, गुरमीत सिंह, छात्र नेता आशुतोष राणा,दिपक, सरनाम सिंह, पुरूषोत्तम,बिमल तृवेदी, रामेंद्र पटियाला, योगेन्द्र सिंह उगराहा ,आमराराय,मंजित सिंह,आदि ने संबोधित किया। झारखंड राज्य किसान सभा के महासचिव सुफल महतो, अध्यक्ष असिम सरकार, उपाध्यक्ष सुरजीत सिन्हा, संयुक्त सचिव मदुवा कच्छप, कोषाध्यक्ष प्रदीप गुड़िया,शंकर उरांव , बिहार राज्य किसान सभा पूर्व महासचिव अवधेश कुमार,महासचिव विनोद, उपाध्यक्ष प्रभु नारायण,आदि उपस्थित थे। राष्ट्रीय अधिवेशन में निर्णय लिया गया कि भारत - अमेरिका व्यापार समझौता, किसान विरोधी कानूनों,बीज और बिजली विधेयक, सहित किसान मुद्दों पर 10 अगस्त को देशव्यापी जेलभरो आन्दोलन एक हजार जगहों में करने,17 अगस्त को प्रधानमंत्री/विपक्ष के नेता, मंत्री, सांसदों को ज्ञापन सौंपने,3 अक्टूबर लखिन खिरी शहादत दिवस पर हर गांवों में किसान पंचायत करने ,26 नवंबर को किसान आंदोलन के 6 वे वरषी पर देश भर में बड़े बड़े आन्दोलन करने का निर्णय लिया गया।

खलारी थाना में आज लगेगा जन शिकायत समाधान शिविर, मौके पर सुनी जाएंगी लोगों की समस्याएं

बिभा संवाददाता

खलारी। आम नागरिकों की समस्याओं का त्वरित एवं प्रभावी समाधान सुनिश्चित करने के उद्देश्य से खलारी पुलिस की ओर से बुधवार, 29 जुलाई को खलारी थाना परिसर में जन शिकायत समाधान कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। यह विशेष शिविर दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक आयोजित होगा, जिसमें क्षेत्र के लोगों की विभिन्न समस्याओं एवं शिकायतों को सुनकर उनके निष्पादन का प्रयास किया जाएगा ।खलारी पुलिस द्वारा आयोजित इस जन शिकायत समाधान शिविर में मुख्य रूप से जमीन संबंधी विवाद, पारिवारिक विवाद, घरेलू हिंसा, आपराधिक मामलों से जुड़ी शिकायतों सहित अन्य जनसमस्याओं पर सुनवाई की जाएगी। संबंधित मामलों में आवश्यक दस्तावेजों की जांच कर यथासंभव मौके पर ही समाधान निकालने का प्रयास किया

जाएगा ।जिन मामलों का तत्काल निस्तारण संभव नहीं होगा, उन्हें विधि सम्मत प्रक्रिया के तहत संबंधित विभागों एवं अधिकारियों को अग्रसारित कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी ।खलारी इंस्पेक्टर सह थाना प्रभारी रामकुमार वर्मा ने क्षेत्र के सभी नागरिकों से अपील की है कि वे इस विशेष शिविर का लाभ उठाएं और अपनी समस्याओं एवं शिकायतों के समाधान के लिए निर्धारित समय पर खलारी थाना पहुंचें। उन्होंने कहा कि पुलिस आम जनता की समस्याओं के समाधान के लिए प्रतिबद्ध है तथा ऐसे कार्यक्रमों के माध्यम से पुलिस और आम लोगों के बीच विश्वास एवं संवाद को और मजबूत करने का प्रयास किया जा रहा है।

डीएफसी के प्रतिनिधिमंडल ने झारखंड में खनिज और औद्योगिक क्षेत्र में निवेश की संभावनाओं पर की चर्चा

बिभा संवाददाता

रांची। यूएस इंटरनेशनल डेवलपमेंट फाइनेंस कॉरपोरेशन (डीएफसी) के क्षेत्रीय प्रबंध निदेशक (दक्षिण एशिया) जतिन बत्रा और बिजनेस डेवलपमेंट स्पेशलिस्ट करिश्मा रोहरा ने मंगलवार को रांची में झारखंड सरकार के खान विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक कर राज्य में खनिज एवं औद्योगिक क्षेत्र में निवेश की संभावनाओं पर विस्तृत विचार-विमर्श किया।

प्रतिनिधिमंडल का यह भ्रमण राज्य में विशेष रूप से क्रिटिकल मिनरल्स, खनिज अन्वेषण, खनिज प्रसंस्करण और खनिज आधारित उद्योगों में निवेश के अवसरों का आकलन करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया।

प्रतिनिधिमंडल ने खान एवं भूतत्व विभाग तथा उद्योग विभाग के सचिव अरवा राजकमल से शिष्टाचार भेंट कर राज्य के खानिज क्षेत्र में उपलब्ध निवेश अवसरों, नीतिगत सुधारों एवं निवेश-अनुकूल वातावरण पर विस्तृत चर्चा की। इस अवसर पर खान एवं भूतत्व विभाग के निदेशक राहुल कुमार सिन्हा और उद्योग निदेशक विशाल सागर भी उपस्थित थे।

बैठक के दौरान झारखंड की समृद्ध खनिज संपदा, क्रिटिकल मिनरल्स के विकास की संभावनाओं, खनिज अन्वेषण, वैज्ञानिक और सतत खनन, खनिज प्रसंस्करण, मूल्य संवर्धन एवं खनिज आधारित उद्योगों के विस्तार से संबंधित विषयों पर विस्तारपूर्वक विचार-विमर्श किया गया।

इज ऑफ डूइंग बिजनेस में किए गए सुधारों की दी गई जानकारी

प्रतिनिधिमंडल को राज्य सरकार की औद्योगिक और निवेश संवर्धन नीति, निवेशकों के लिए उपलब्ध सुविधाओं, इज ऑफ डूइंग बिजनेस के अंतर्गत किए गए सुधारों एवं उद्योग स्थापना के लिए विकसित की गई निवेश-अनुकूल व्यवस्था की भी जानकारी दी गई। साथ ही, खनिज संसाधनों के मूल्य संवर्धन (वैल्यू एडीशन), डाउनस्ट्रीम उद्योगों के विकास और निजी निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए राज्य सरकार की ओर से किए जा रहे प्रयासों से भी अवगत कराया गया।

प्रतिनिधिमंडल ने झारखंड में उपलब्ध निवेश अवसरों, प्रचुर खनिज संसाधनों एवं राज्य सरकार की निवेशोन्मुखी नीतियों की सराहना करते हुए खनिज और औद्योगिक क्षेत्रों में सहयोग की संभावनाओं में रुचि व्यक्त की। दोनों पक्षों ने पारस्परिक हित के विभिन्न विषयों पर विचार-विमर्श किया और प्रचलित नीतियों एवं विधिक प्रावधानों के अनुरूप भविष्य में सहयोग एवं निवेश की संभावनाओं का अन्वेषण करने पर सहमति व्यक्त की।

अशोक नगर चोरी केस में एक और आरोपित गिरफ्तार, 65 लाख के आभूषण बरामद

बिभा संवाददाता

रांची। राजधानी के अशोकनगर में हुई हाई प्रोफाइल चोरी के मामले का लगातार खुलासा हो रहा है। इससे पहले रांची पुलिस ने जहां दो महिला आरोपितों को गिरफ्तार किया, वहीं मंगलवार को एक और आरोपित को गिरफ्तार किया है। इसके पास से पुलिस ने 65 लाख मूल्य के 400 ग्राम चोरी के सोने के आभूषण बरामद किए हैं।

रांची सिटी एसपी पारस राणा ने मंगलवार को बताया कि 09 जुलाई को अरगोड़ा थाना क्षेत्र के अशोक नगर निवासी निशित केसरी और अभिषेक पांडेय के घर में चोरी की घटना हुई थी। इस संबंध में अरगोड़ा थाना में मामला दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू की। जांच के दौरान गठित एसआईटी ने तकनीकी साक्ष्यों और गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए समीर खान उर्फ कबीर खान (निवासी- शुक्ला रोड, थाना नगर, मुजफ्फरपुर, बिहार) को गिरफ्तार किया। आरोपित के पास से चोरी के 400 ग्राम सोने के आभूषण बरामद किए गए, जिनकी बाजार कीमत लगभग 65 लाख रुपये बताई जा रही है।

पुलिस के अनुसार, आरोपित ने चोरी के जेवरात को मुजफ्फरपुर (बिहार) में एक सोना व्यवसायी के यहां बेचने की तैयारी कर रखी थी। मामले की जांच में अब तक एक करोड़ रुपये से अधिक मूल्य के जेवरात रिकवर कर लिया गया है। फिलहाल पुलिस अन्य आरोपितों की तलाश में छापेमारी कर रही है।

इससे पहले 23 जुलाई को मुख्य आरोपितों की पत्नियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार महिलाओं की पहचान गुलशन परवीन और शकीला उर्फ लाडली के रूप में हुई है। वहीं इस मामले में पुलिस ने कुख्यात अंतरराज्यीय चोर इरफान उर्फ उजाले उर्फ बाबा उर्फ आर्यन, अफरोज उर्फ समीर उर्फ समीम और नवीन शर्मा की संलिप्तता सामने आई है। जो अभी भी फरार हैं, पुलिस सभी की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है।

संक्षिप्त खबरें

रिनपास और टीआईएसएस मुंबई के संयुक्त तत्वाधान में चार दिवसीय विशेष प्रशिक्षण आज से

रांची(बिभा) : रॉंची तंत्रिका मनोचिकित्सा एवं संबद्ध विज्ञान संस्थान (रिनपास), कांके, रॉंची द्वारा मनोचिकित्सीय सामाजिक कार्य विभाग एवं टाटा सामाजिक विज्ञान संस्थान (टीआईएसएस), मुंबई के संयुक्त सहयोग से 29 जुलाई से 1 अगस्त 2026 तक चार दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं को क्वियर एवं ट्रांस समुदायों के प्रति संवेदनशील, समावेशी और अधिकार-आधारित बनाना है। कार्यक्रम का उद्घाटन किरण कुमारी पासी, निदेशक, सामाजिक कल्याण विभाग द्वारा मुख्य अतिथि के रूप में किया जाएगा। यह आयोजन विभागाध्यक्ष, डॉ. मनीषा किरण के तत्वाधान में आयोजित हो रहा है। रिनपास की निदेशक डॉ. जयति सिमलाई ने इस महत्वपूर्ण आयोजन की सफलता के लिए पूरी टीम को अपनी शुभकामनाएं दी हैं।

सावन मास के सफल आयोजन को लेकर श्री महावीर मंडल की बैठक संपन्न

रांची(बिभा) : श्री महावीर मंडल रॉंची (बड़ा तालाब) के संग्रक्षक राजीव रंजन मिश्रा के नेतृत्व में सावन मास के सफल आयोजन के लिए महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई । बैठक में मुख्यरूप से श्री महावीर मंडल बरियातू के राज किशोर प्रसाद , प्रकाश चंद्र सिन्हा , सुनील शर्मा , श्री महावीर मंडल चुटिया से कैलाश केसरी , सुनील सहाय, राहुल सिन्हा चंकी , श्री राम बानर सेना के लंकेश सिंह ,श्री चैती दुगार्पूजा महासमिति के गोपाल पारीक उपस्थित थे । बैठक में निर्णय लिया गया सभी कावड़ियों का भव्य स्वागत किया जाएगा। बैठक में निर्णय लिया गया कि पवित्र सावन महापर्व के उपलक्ष्य में राज्य सरकार , जिला प्रशासन एवं नगर निगम प्रशासन को सभी मंदिरों एवं मंदिरो से जुड़ने वाले सभी मार्गो पर विशेष सफाई एवं प्रयाप्त स्ट्रीट लाइट की व्यवस्था की जाए । श्री मिश्रा ने कहा कि जिला प्रशासन राजधानी रॉंची के सभी मंदिरों एवं मंदिर से जुड़े सभी मार्गो में सुरक्षा के पुख्ता इंतेजाम की जाए एवं नामकुम से पहाड़ी मंदिर तक कांवर यात्रा को ध्यान में रखते हुए सुरक्षा व्यवस्था की जाए । श्री मिश्रा ने कहा कि नगर निगम प्रशासन राजधानी रॉंची के सभी मंदिरों एवं मंदिर से जुड़े सभी मार्गो के स्ट्रीट लाइट को अभिलंब ठीक कराया जाए ।

पश्चिम बंगाल में पार्टी को मजबूत बनाने की रणनीति में शामिल हुईं अंबा प्रसाद

रांची(बिभा) : पूर्व विधायक सह अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) की राष्ट्रीय सचिव अंबा प्रसाद ने नई दिल्ली स्थित इंदिरा भवन में पश्चिम बंगाल कांग्रेस संगठन को लेकर आयोजित महत्वपूर्ण उच्चस्तरीय बैठक में भाग लिया। बैठक की अध्यक्षता एआईसीसी के संगठन महासचिव के.सी. वेणुगोपाल ने की। इस दौरान पश्चिम बंगाल के प्रभारी प्रकाश जोशी, पश्चिम बंगाल प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष श्री शुभंकर सरकार तथा अन्य वरिष्ठ नेताओं के साथ राज्य के मौजूदा राजनीतिक हालातों एवं कांग्रेस संगठन को बूथ स्तर तक और अधिक सशक्त एवं सक्रिय बनाने की रणनीति पर विस्तृत चर्चा हुई। बैठक में पूर्व विधायक सह राष्ट्रीय सचिव अंबा प्रसाद ने भी अपने विचार रखते हुए संगठन को जन-जन तक मजबूत करने, कार्यकताओं की भागीदारी बढ़ाने तथा आगामी राजनीतिक चुनौतियों का मजबूती से सामना करने पर जोर दिया। इस अवसर पर संगठन विभाग के प्रभारी चल्ला वंशी चंद रेड्डी, संगठन सचिव नेट्टा डिसूजा, संगठन सचिव नवीन शर्मा, कर्नाटक के सांसद सशिकांत सेंथिल सहित कई वरिष्ठ नेता उपस्थित रहे। अंबा प्रसाद ने कहा कि कांग्रेस हमेशा जनता की आवाज को बुलंद करने और पश्चिम बंगाल के लोगों के अधिकारों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध रही है। संगठन की मजबूती ही जनता के विश्वास को और सशक्त बनाएगी तथा पार्टी को नई ऊर्जा प्रदान

हेपेटाइटिस उन्मूलन लक्ष्य हासिल करने के लिए सरकार प्रतिबद्ध : अभियान निदेशक

बिभा संवाददाता

रांची। विश्व हेपेटाइटिस दिवस के अवसर पर मंगलवार को होटल चाणक्या बीएनआर में हेपेटाइटिस के लक्षण, बचाव और रोकथाम विषय पर जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के अभियान निदेशक शशि प्रकाश झा ने कहा कि वर्ष 2030 तक हेपेटाइटिस उन्मूलन के लक्ष्य को हासिल करने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है।

उन्होंने कहा कि बीमारी की रोकथाम के लिए ब्लॉक स्तर तक जागरूकता, समय पर स्क्रीनिंग और अर्ली डायग्नोसिस सुनिश्चित करना आवश्यक है।

मौके पर राज्य नोडल पदाधिकारी डॉ कमलेश कुमार ने बताया कि हेपेटाइटिस लीवर से जुड़ी वायरल बीमारी है, जिसके पांच प्रकार हैं। इनमें हेपेटाइटिस-बी और सी सबसे गंभीर हैं। उन्होंने जानकारी दी कि वायरल लोड जांच के लिए ट्रूनेट मशीनें राज्य के सभी पांच प्रमंडलों में उपलब्ध कराई जा रही हैं। राज्य महामारी विशेषज्ञ डॉ प्रवीण कर्ण ने बताया कि हेपेटाइटिस-ए और ई दूषित भोजन और पानी से, जबकि बी और सी संक्रमित रक्त, असुरक्षित सुई, असुरक्षित यौन संबंध एवं संक्रमित मां से शिशु में फैलते हैं। वहीं रिम्स के प्रोफेसर डॉ अजित डुंगडुंग ने कहा कि हेपेटाइटिस-सी के लगभग 99 प्रतिशत मामलों का सफल उपचार संभव है, जबकि हेपेटाइटिस-बी को आधुनिक दवाओं से प्रभावी ढंग से नियंत्रित किया जा सकता है। सिविल सर्जन डॉ प्रभात कुमार ने गर्भवती महिलाओं सहित जोखिम वाले लोगों की नियमित जांच कराने की अपील की। कार्यक्रम में हेपेटाइटिस को मात देकर स्वस्थ जीवन जी रहे पवन पहनु, योगेश्वर बेदिया, रूबी देवी और मधु देवी सहित कई चिकित्सकों और स्वास्थ्यकर्मियों को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में सीएस डॉ प्रभात कुमार, डॉ बिमलेश सिंह, राज्य नोडल पदाधिकारी डॉ कमलेश कुमार, डॉ राहुल किशोर, डॉ अजीत डुंगडुंग, प्रोफेसर डिपार्टमेंट ऑफ मेडिसिन, रिम्स, डॉ मनोज कुमार, एचओडी डिपार्टमेंट ऑफ माइक्रोबायोलॉजी रिम्स राज्य महामारी रोग विशेषज्ञ डॉ प्रवीण कर्ण सहित विभिन्न कार्यक्रम के राज्य स्तरीय नोडल पदाधिकारी सहित अन्य चिकित्सक मौजूद थे।

जेपीएससी-जेएसएससी भर्ती विवाद : आज निकलेगा संविधान मार्च

बिभा संवाददाता

रांची। छात्रों की ओर से मोरहाबादी में जेपीएससी-जेएसएससी भ्रष्टाचार मुक्त भर्ती अभियान के तहत भर्ती परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं और भ्रष्टाचार के विरोध में चल रहे अनिश्चितकालीन सत्याग्रह के पांचवें दिन 29 जुलाई को भी संविधान मार्च निकाला जाएगा।

आंदोलनकारियों के अनुसार मार्च शाम तीन बजे जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम से अल्बर्ट एक्का चौक तक आयोजित होगा। इससे पहले सत्याग्रह के चौथे दिन आंदोलन स्थल को बापू वाटिका, मोरहाबादी से जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम स्थानांतरित किया गया। इस संबंध में जानकारी देते हुए सत्याग्रही दीनबंधु मंडल और राम अवतार महतो ने झारखंड के छात्र-छात्राओं, प्रतियोगी परीक्षा अभ्यर्थियों, युवाओं और जागरूक नागरिकों से संविधान मार्च में बड़ी संख्या में शामिल होकर पारदर्शी और भ्रष्टाचार मुक्त भर्ती व्यवस्था की मांग को समर्थन देने की अपील की है। मौके पर आंदोलन के सूत्रधार देवेंद्र नाथ महतो ने आरोप लगाया कि पिछले 26 वर्षों में जेपीएससी और जेएसएससी की भर्ती परीक्षाएं लगातार विवादों और अनियमितताओं के आरोपों से घिरी रही हैं। उन्होंने कहा कि केवल जांच की घोषणा पर्याप्त नहीं है, बल्कि समयबद्ध और निष्पक्ष कार्रवाई, संस्थागत सुधार, जवाबदेही तय करने और दोषी अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई आवश्यक है।

सीसीएल की बैठक में खदान सुरक्षा-श्रमिक कल्याण पर मंथन

बिभा संवाददाता

रांची। सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल) में मंगलवार को 37 वीं कॉर्पोरेट स्तरीय त्रिपक्षीय सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित की गई। इस दौरान खास तौर पर खदान सुरक्षा और श्रमिक कल्याण पर मंथन किया गया। कार्यक्रम में डीजीएमएस अधिकारियों और सेफ्टी बोर्ड के सदस्यों को शॉल एवं पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया गया।

बैठक में सुरक्षा बोर्ड के सदस्यों ने खदान सुरक्षा से जुड़े अपने अनुभव साझा करते हुए कई महत्वपूर्ण सुझाव दिए।

इस अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि सीसीएल के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक (सीएमडी) निलेंदु कुमार सिंह की अध्यक्षता में हुई बैठक में डीजीएमएस, सीसीएल प्रबंधन और सेफ्टी बोर्ड के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। बैठक में खदानों में सुरक्षा मानकों, वैधानिक अनुपालन, व्यावसायिक स्वास्थ्य और श्रमिकों के कल्याण से जुड़े विभिन्न मुद्दों की समीक्षा की गई।

साथ ही पिछली बैठक में दिए गए सुझावों के अनुपालन की प्रगति पर भी विस्तार से चर्चा हुई।

डीडीजी (एसईजेड) एसएस प्रसाद ने खदानों में कार्यरत महिलाओं के लिए बेहतर आधारभूत सुविधाएं, अलग सुरक्षा व्यवस्था और वार्षिक मेडिकल परीक्षण (पीएमई) की संरचना को सुदृढ़ करने पर बल दिया।

वहीं आरटी मंडेकर ने महिला कर्मचारियों के लिए अलग शौचालय, आधुनिक व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्र और व्यावसायिक सुरक्षा एवं स्वास्थ्य (ओएसएच) के तहत विशेष टास्क फोर्स गठित करने का सुझाव दिया। सीएमडी निलेंदु कुमार सिंह ने सभी सुझावों को लागू करने का आश्वासन देते हुए कहा कि श्रमिकों की सुरक्षा सीसीएल की सर्वोच्च प्राथमिकता है। सुरक्षित कार्य वातावरण के साथ उत्पादन लक्ष्य हासिल करने की दिशा में सभी मिलकर कार्य करेंगे।

बकाया भुगतान नहीं करने वाली कंपनियों से व्यापार न करें व्यवसायी : चेंबर

बिभा संवाददाता

रांची। फेडरेशन ऑफ झारखंड चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज की कंज्यूमर ड्युरेबल्स एवं इलेक्ट्रॉनिक्स उप समिति की बैठक मंगलवार को चेंबर भवन में हुई।

बैठक में चर्चा की गई कि कई कंपनियां वर्तमान डिस्ट्रीब्यूटर का बकाया भुगतान और सेटलमेंट किए बिना ही नये डिस्ट्रीब्यूटर की नियुक्ति कर रही हैं। इससे पुराने डिस्ट्रीब्यूटर की पूंजी फंस जाती है और उन्हें आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है। व्यापारियों की वास्तविक चिंता को देखते हुए उपाध्यक्ष प्रवीण लोहिया ने कहा कि जब तक किसी डिस्ट्रीब्यूटर का सेटलमेंट नहीं हो जाता, तब तक ऐसी कंपनियों के साथ व्यापार नहीं किया जाय। आवश्यकता पड़ने पर संबंधित कंपनियों की डीलरशिप का भी सामूहिक रूप से हतोत्साहित किया जाएगा।

वर्तमान में ऑनलाइन व्यापार के बढ़ते प्रभाव से स्थानीय रिटेल कारोबारियों के सामने उत्पन्न चुनौतियों पर भी बैठक में चर्चा हुई।

सदस्यों ने कहा कि ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के कारण स्थानीय दुकानदार लगातार प्रतिस्पर्धा और घटते व्यापार का सामना कर रहे हैं।

वहीं उप समिति के अध्यक्ष श्रीकृष्ण अग्रवाल ने व्यापारियों से सोशल मीडिया प्रमोशन कर अपने प्रतिष्ठानों का प्रचार-प्रसार करने की अपील की।

उन्होंने कहा कि ग्राहकों को बेहतर सेवा और विश्वास देकर ही स्थानीय बाजार को मजबूत बनाया जा सकता है।

बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि यदि कोई खुदरा व्यापारी रांची बाजार के डिस्ट्रीब्यूटरों का भुगतान रोककर अन्य बाजारों से व्यापार करता है, तो राज्यभर के सभी डिस्ट्रीब्यूटरों को एक मंच पर लाकर ऐसे मामलों की सूची साझा की जाएगी ताकि व्यापारिक अनुशासन बना रहे।

उप समिति के अध्यरक्ष श्रीकृष्ण अग्रवाल ने कहा कि कंपनियों को अपने व्यावसायिक दायित्वों का पालन करते हुए पुराने डिस्ट्रीब्यूटर का सेटलमेंट करने के बाद ही नए डिस्ट्रीब्यूटर की नियुक्ति करनी चाहिए। यदि कंपनियां व्यापारिक नैतिकता का पालन नहीं करती हैं, तो व्यापारी समाज एकजुट होकर अपने हितों की रक्षा के लिए आवश्यक कदम उठाएगा।

बैठक में चेंबर उपाध्यक्ष प्रवीण लोहिया, उप समिति चेयरमैन श्रीकृष्ण अग्रवाल, सदस्य रमेश अग्रवाल, मनोज गुप्ता, प्रकाश कमालिया उपस्थित थे।

लोकतंत्र बचाओ : वोट चोरी और सीट चोरी के विरोध में आरजीपीआरएस का सत्याग्रह

बिभा संवाददाता

रांची। कांग्रेस का संगठन राजीव गांधी पंचायती राज संगठन (आरजीपीआरएस) की ओर से मंगलवार को रांची के कचहरी चौक स्थित नागा बाबा खटाल के पास लोकतंत्र बचाओ, वोट चोरी एवं सीट चोरी के विरोध में सत्याग्रह किया गया।

सत्याग्रह का उद्देश्य महात्मा गांधी के सत्य, अहिंसा एवं लोकतांत्रिक मूल्यों के मार्ग पर चलते हुए लोकतंत्र को सशक्त बनाना और जनहित के मुद्दों पर शांतिपूर्ण अपनी आवाज बुलंद करना था।

ार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने देश में लोकतांत्रिक संस्थाओं पर बढ़ते दबाव, चुनावी प्रक्रिया की निष्पक्षता पर उठ रहे सवालों और छात्रों के समक्ष उत्पन्न चुनौतियों पर गंभीर चिंता व्यक्त की।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथियों में डॉ सुनील पंवार (राष्ट्रीय अध्यक्ष, (आरजीपीआरएस), कुणाल बनर्जी (राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, आरजीपीआरएस) और आशिका कुजूर (प्रभारी, आरजीपीआरएस, झारखंड) शामिल हुए।

मौके पर वक्ताओं ने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती जनभागीदारी, पारदर्शिता और संवैधानिक मूल्यों के संरक्षण से ही संभव है। उन्होंने वर्तमान परिस्थितियों पर अपने विचार रखते हुए लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा के लिए जनजागरण की आवश्यकता पर बल दिया।

इस अवसर पर सभी उपस्थित लोगों ने महात्मा गांधी के बताए सत्य, अहिंसा और जनसेवा के मार्ग पर चलकर लोकतंत्र की रक्षा करने की शपथ ली।

सत्याग्रह के दौरान संगठन ने कांग्रेस नेता मीनाक्षी नटराजन के प्रति समर्थन व्यक्त करते हुए उनकी राज्यसभा उम्मीदवारी को निरस्त किए जाने के निर्णय का विरोध किया गया।

कार्यक्रम में संगठन के नेताओं ने संकल्प लिया कि लोकतंत्र, सामाजिक न्याय और जनहित के मुद्दों को लेकर यह सत्याग्रह अभियान आने वाले दिनों में झारखंड के प्रत्येक जिला, प्रखंड एवं पंचायत स्तर तक विस्तारित किया जाएगा। ताकि आम जनता की आवाज को और अधिक मजबूती दी जा सके। कार्यक्रम में सुनीत शर्मा, दयामणि बारला, बॉबी भगत, डॉ अमित झा, अभिजीत राज, शांतनु मिश्रा, पवन कुमार बबलू, सहित कांग्रेस और राजीव गांधी पंचायती राज संगठन के कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल हुए।

पूर्व रेलवे

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, पूर्व रेलवे, आसनसोल मंडल, आसनसोल स्टेशन रोड, पिन-713301 द्वारा दुमका एवं मधुपुर स्टेशनों में बहुउद्देशीय स्टॉल एवं दुमका स्टेशन में मोबाइल फूड वैन के प्रावधान के लिए वेबसाइट **www.ireps.gov.in** के तहत आईआरईपीएस पोर्टल के जरिए निम्नानुसार खुली ई-नीलामी आमंत्रित की जाती है : **(1) नीलामी सूचीपत्र सं.: एएसएन-एमपीएस-26-9, सिक्वेंस सं., लॉट सं./श्रेणी, कार्य का विवरण, ई-नीलामी की तारीख/समय** निम्नानुसार हैं: (एए/1), एमपीएस-एएसएन-डीयूएमके-एमपीएस-29-25-1, दुमका रेलवे स्टेशन में प्लेटफॉर्म सं. 1 पर सीट सं. 15 एवं 16 के बीच 5 वर्षों की अवधि के लिए बहु उद्देशीय स्टॉल (एमपीएस) (6 फीट x 10 फीट) का आवंटन, अनुसूचित जाति (महिला) के लिए चिन्हित, 05.08.2026 को 12.00 बजे। (एए/2), एमपीएस-एएसएन-डीयूएमके-एमपीएस-28-25-1, दुमका रेलवे स्टेशन में मुख्य प्रवेश द्वार के सामने एवं ओआरएच चाहरदीवारी के संलग्न 5 वर्षों की अवधि के लिए बहु उद्देशीय स्टॉल (एमपीएस) (6 फीट x 10 फीट) का आवंटन, अनारक्षित (महिला) के लिए चिन्हित, 05.08.2026 को 12.00 बजे। (एए/3), एमपीएस-एएसएन-एमडीपी-एमपीएस-1-24-1, मधुपुर रेलवे स्टेशन में प्लेटफॉर्म सं. 1-2 पर खंभा सं. 293/1ए के निकट 5 वर्षों की अवधि के लिए बहु उद्देशीय स्टॉल (एमपीएस) (6 फीट x 10 फीट) का आवंटन, 05.08.2026 को 12.00 बजे। **(2) नीलामी सूचीपत्र सं.: एएसएन-एमएसएस-एसटीजीईएन18, सिक्वेंस सं., लॉट सं./श्रेणी, कार्य का विवरण, ई-नीलामी की तारीख/समय** निम्नानुसार हैं: (एए/1), एमएसएस-एएसएन-डीयूएमके-एसटीजीएन-174-26-1, दुमका रेलवे स्टेशन की पुरानी स्टेशन बिल्डिंग के सामने, मुख्य प्रवेश/निकासी द्वार के बगल में स्थित मनोनित 240 वर्ग फीट परिमाप क्षेत्रफल (जैसा कि स्केच प्लान में उल्लेखित है) के भीतर 5 वर्षों की अवधि के लिए एक मोबाइल फूड वैन/ट्रक का संचालन एवं रखरखाव, 06.08.2026 को 12.00 बजे।

(ASN-197/2026-27) वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, आसनसोल

निविदा सूचनाएं वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें अनुसरण करें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

उड़ान के लिए तैयार हो रहा बोकारो एयरपोर्ट, डीसी ने किया संयुक्त निरीक्षण

बिभा संवाददाता

बोकारो। मंगलवार को उपायुक्त अजय नाथ झा ने एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एएआई) एवं बीएसएल के अधिकारियों के साथ बोकारो एयरपोर्ट का संयुक्त निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान प्रबंध निदेशक, झारखंड सिविल एविएशन कैप्टन एस. पी. सिन्हा, प्रशिक्षु आईएएस अरविंद राधाकृष्णन, अपर समाहर्ता सुनील चन्द्र, एएआई के मनोज कुमार, सेल एविएशन के मुख्य महाप्रबंधक (सीजीएम) सहित जिला स्तरीय पदाधिकारी उपस्थित थे।

निरीक्षण के क्रम में अधिकारियों ने एयरपोर्ट परिसर, रनवे, बोर्डिंग एरिया सहित विभिन्न आधारभूत सुविधाओं एवं व्यवस्थाओं का क्रमवार जायजा लिया तथा आवश्यक बिंदुओं की समीक्षा की।

निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने एयरपोर्ट परिसर में नियमित साफ-सफाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) के प्रस्तावित निरीक्षण से पूर्व परिसर में उगी घास, छोटे-छोटे पेड़-पौधों सहित अन्य अवांछित वनस्पतियों की समुचित सफाई एवं रखरखाव सुनिश्चित किया जाए, ताकि एयरपोर्ट परिसर व्यवस्थित एवं मानकों के अनुरूप दिखाई दे।

उपायुक्त ने एयरपोर्ट के ऑपरेशन एवं मेंटेनेंस से संबंधित विषयों की भी समीक्षा की। उन्होंने इस संबंध में एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया एवं सेल के वरीय स्तर पर आवश्यक पत्राचार कर शीघ्र उचित कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

इस दौरान एयरपोर्ट के विकास, संचालन एवं रखरखाव से जुड़े विभिन्न अन्य बिंदुओं पर भी विस्तृत चर्चा की गई तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

होमगार्ड व चौकीदार भर्ती की मांग—अभ्यर्थियों का डीसी कार्यालय पर महा धरना, प्रशासन ने 45 दिनों में प्रक्रिया शुरू का आश्वासन

बिभा संवाददाता

बोकारो : लंबे समय से लंबित होमगार्ड व चौकीदार भर्ती की अधिसूचना की मांग को लेकर मंगलवार को जिले में छात्रों व अभ्यर्थियों ने कुलर्जनक आक्रोश प्रदर्शन किया। छात्र संघ व विभिन्न उम्मीदवारों के संयुक्त नेतृत्व में अमृत पार्क से निकली पैदल यात्रा के बाद सैकड़ों की संख्या में अभ्यर्थी उपायुक्त कार्यालय के मुख्य द्वार पर इकट्ठा होकर अनिश्चितकालीन धरनाझ्रप्रदर्शन पर बैठ गए। प्रदर्शनकारियों ने प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की तथा अपनी मांगों पर अड़े रहे।

प्रदर्शन की गंभीरता को देखते हुए जिला प्रशासन ने छात्र नेताओं व प्रदर्शनकारियों के प्रतिनिधिमंडल को वार्ता के लिए बुलाया। लगातार चली बातचीत के बाद उपायुक्त कार्यालय ने लिखित/मौखिक आश्वासन देते हुए कहा कि अगले 45 दिनों के भीतर होमगार्ड व चौकीदारों की नियुक्ति प्रक्रिया (विज्ञापन/अधिसूचना) अनिवार्य रूप से शुरू कर दी जाएगी। प्रशासन की इस घोषणा के बाद प्रदर्शन स्थगित कर दिया गया।

धरना स्थल पर मौजूद छात्र नेता युगदेव माहथा ने कहा कि वे प्रशासन के 45 दिन के आश्वासन का सम्मान करते हुए धरना स्थगित कर रहे हैं, लेकिन यदि निर्धारित समयावधि में भर्ती प्रक्रिया आरंभ नहीं की गई तो वे और भी उग्र व निर्णायक आंदोलन करेंगे। उन्होंने कहा, स्यदि 45 दिनों के भीतर भर्ती प्रक्रिया शुरू नहीं की गई, तो इसकी पूरी जिम्मेदारी शासनझ्रप्रशासन की होगी।

प्रदर्शन के दौरान भारी संख्या में युवाओं के एकत्रित होने के साथ ही यातायात बाधित रहा। प्रशासन ने शांति बनाए रखने के लिए सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी थी। जिले के राजनीतिक व सामाजिक संगठनों ने भी घटना पर नजर बनाए रखी। विभिन्न छात्र व उम्मीदवारों ने कहा कि वे सरकारी भर्ती में दीर्घकालिक देरी के कारण आर्थिक व मानसिक परेशानी झेल रहे हैं, इसलिए शीघ्र घोषणा आवश्यक है। अधिकारियों ने बताया कि विज्ञापन प्रक्रिया की रूपरेखा और आवश्यक औपचारिकताएँ जल्द पूरी कर ली जाएँगी और संबंधित विभागों को नियत समय में कार्रवाई का निर्देश दे दिया गया है। प्रशासन की ओर से दिए गए आश्वासन के बाद अभ्यर्थी फिलहाल शांतिपूर्ण तरीके से अपनेझ्रअपने घर लौट गए, परन्तु 45 दिनों के भीतर कार्रवाई न होने की स्थिति में फिर से सड़कों पर उतरने की चेतावनी उन्होंने दोहराई है।

संक्षिप्त खबरें

सीबीएसई आर्यभट्ट गणित चैलेंज में एमजीएम स्कूल के विद्यार्थियों का शानदार प्रदर्शन

बोकारो(बिभा)। एमजीएम हायर सेकेंड्री स्कूल सेक्टर चार बोकारो के विद्यार्थियों ने सीबीएसई आर्यभट्ट गणित चैलेंज में शानदार प्रदर्शन कर विद्यालय व नगर का मान बढ़ाया है। प्राचार्य डा.जोशी वर्गीस ने कहा कि इस परीक्षा में विद्यालय के कक्षा ग्यारहवीं के छात्र यशवर्द्धन सिंह, अर्णव द्विवेदी एवं उज्ज्वल कुमार ने अपनी असाधारण गणितीय प्रतिभा, तार्किक क्षमता एवं समस्या-समाधान कौशल का बेहतरीन प्रदर्शन किया। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की ओर से सीबीएसई आर्यभट्ट गणित चैलेंज विद्यार्थियों में गणित के प्रति रुचि विकसित करने, तार्किक चिंतन को बढ़ावा देने एवं वास्तविक जीवन की समस्याओं के समाधान में गणितीय अवधारणाओं के प्रभावी उपयोग को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आयोजित किया जाता है। इस प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करना विद्यार्थियों की उच्च बौद्धिक क्षमता, कठिन परिश्रम व समर्पण का परिचायक है। उन्होंने कहा कि विद्यालय में विद्यार्थियों को चुनौतियों से निबटने के लिए तैयार किया जाता है। साथ ही उन्हें विविध प्रतियोगिता परीक्षा में सफलता का गुर बताया जाता है। शिक्षकों के कुशल मार्गदर्शन में विद्यार्थी सफलता की राह पर आगे बढ़ रहे हैं। विद्यार्थियों की सफलता पूरे विद्यालय परिवार के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने विद्यार्थियों के अभिभावकों व शिक्षकों के योगदान की भी सराहना करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि सफल छात्र भविष्य में भी विद्यालय एवं देश का नाम रोशन करेंगे। उन्होंने यशवर्द्धन सिंह, अर्णव द्विवेदी व उज्ज्वल कुमार के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

तुपकाडीह के किसानों ने धान रोपाई शुरू की

बोकारो(बिभा)। तुपकाडीह के पांच पंचायत व उत्तर विस्थापित क्षेत्र के किसान अपने खेत को जोत कोड़ कर तैयार करने के बाद धान रोपाई का काम शुरू कर दिये हैं। गत वर्ष की तरह इसबार भी अच्छी फसल होगी , किसानों ने ईश्वर से आस लगाए हैं। किसान धनीलाल मांझी , अन्दू महतो , फेकन मिश्रा , अम्बिका केवट , दिलीप महली , वकील सिंह आदि ने बताया कि खेती करना अब महंगा हो गया है। बीज , खाद्य सामग्री , हल , बैल , ट्रेक्टर के साथ साथ रोपाई के मजदूर काफी पैसे लेते हैं। बड़े बुजुर्ग कहते थे कि वंश रहते खेत खाली नहीं रखना चाहिए क्योंकि इससे पाप लगता है। किसानों का कहना है कि अब के युवा वर्ग खेती करने में रुचि नहीं लेते हैं।कोई पढ़ लिखकर शहर चला गया तो कोई प्लांट में जाकर मजदूरी करने में मशगूल है। खेती करने का आनंद जो किसान ले लिया है वह अपने जीवन के अंतिम समय तक करता रहेगा।

सांसद से मुलाकात कर बाल विवाह मुक्त भारत की दिशा सक्रीय भागीदारी की पहल

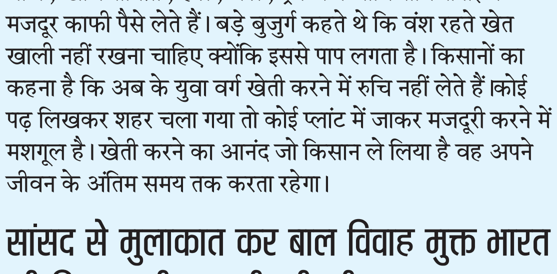

बोकारो(बिभा)। नई दिल्ली में सांसद ढुलू महतो, सी. पी. चौधरी एवं मनोज तिग्गा से शिष्टाचार भेंट कर बाल विवाह मुक्त भारत के निर्माण तथा बच्चों के संरक्षण एवं उनके अधिकारों को सशक्त बनाने के विषय पर सार्थक चर्चा हुई। इस दौरान तीनो सांसदों ने बाल विवाह उन्मूलन, बच्चों की सुरक्षा तथा उनके सर्वांगीण विकास के लिए हरसंभव सहयोग एवं सकारात्मक पहल का आश्वासन दिया। इस दौरान सहयोगिनी के गौतम सागर, झारखंड ग्रामीण विकास ट्रस्ट के शंकर रवानी, बाल अधिकार कार्यकर्ता वैजनाथ ने कहा कि हम सभी का सामूहिक संकल्प है कि प्रत्येक बच्चा सुरक्षित, शिक्षित और सम्मानजनक वातावरण में अपना भविष्य बना सके। उन्होंने कहा कि बाल अधिकार तथा बाल हिंसा के खिलाफ पूरे झारखंड सहित पूरे भारतवर्ष में जस्ट राइट फॉर चिल्ड्रन के आह्वान पर अभियान चलाया जा रहा है।

बोकारो का आयुर्वेद मॉडल बना देश के लिए मिसाल, एनएचएम निदेशक बोले- हर जिले में विकसित होंगे औषधीय उद्यान

बिभा संवाददाता

बोकारो। बोकारो अब आयुर्वेद और प्राकृतिक चिकित्सा के राष्ट्रीय मॉडल के रूप में उभर रहा है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के निदेशक शशि प्रकाश झा ने सोमवार को पंचकर्म सह सेवा केंद्र का निरीक्षण करते हुए यहां विकसित किए जा रहे आयुर्वेदिक औषधीय उद्यान और जोंक चिकित्सा आधारित नवाचार की खुलकर सराहना की। उन्होंने कहा कि ऐसे औषधीय उद्यान आयुर्वेदिक एवं औषधीय पौधों के संरक्षण के साथ-साथ आम लोगों को उनके औषधीय गुणों और उपयोग की जानकारी देने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उन्होंने आधुनिक चिकित्सा के साथ आयुर्वेद एवं प्राकृतिक उपचार पद्धति को समान रूप से आवश्यक बताते हुए कहा कि हमारे आसपास उपलब्ध कई औषधीय पौधे गंभीर बीमारियों के उपचार में उपयोगी साबित हो सकते हैं। निरीक्षण के दौरान निदेशक ने परिसर के पीछे स्थित गड्ढे का भी जायजा लिया, जहां आयुष पदाधिकारी डॉ. विक्रम ने जोंक चिकित्सा (लीच थेरेपी) और मछली पालन की संयुक्त योजना की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जोंक आयुर्वेदिक उपचार में उपयोगी है, जबकि मछलियां मच्छरों के लार्वा को नष्ट कर रोग नियंत्रण में मदद करेंगी। इस अभिनव पहल की भी निदेशक ने सराहना की।शशि प्रकाश झा ने बताया कि बोकारो जिले में अब तक 10 आयुष अस्पताल स्थापित किए जा चुके हैं तथा 28 नए आयुष अस्पतालों के निर्माण का प्रस्ताव तैयार है। उन्होंने कहा कि इससे ग्रामीण क्षेत्रों तक आयुष सेवाओं का व्यापक विस्तार होगा। इस दौरान स्वदेशी कृषि प्रकोष्ठ झारखंड के प्रमुख ए.के. सिन्हा, जिला आयुष पदाधिकारी डॉ. शिव शंकर पांडेय, डॉ. विक्रम, डीपीएम मयंक मंजुल, पवन श्रीवास्तव, मनीष कुमार श्रीवास्तव, राजेंद्र तिवारी, आकर्ष पांडेय, आरती सिन्हा, सरिता श्रीवास्तव, धीरेन प्रसाद रजवार, सुदर्शन, अभय कुमार, संत कुमार, बिमल कुमार मिश्रा, दयानंद परमार, गौरी शंकर सिंह सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे।

दक्षिण पूर्व रेलवे मेंस कांग्रेस ने नवनियुक्त यांत्रिक अभियंता से की शिष्टाचार भेंट

बिभा संवाददाता

बोकारो। झारखंड के जिला बोकारो के दक्षिण पूर्व रेलवे मेंस कांग्रेस , बोकारो शाखा के प्रतिनिधिमंडल ने आज अपने नवनियुक्त वरिष्ठ मंडल यांत्रिक अभियंता (वरिष्ठ डीएमई/ईएलआईएन) अनुराग कुमार सिंह से उनके कार्यालय कक्ष में शिष्टाचार भेंट की। प्रतिनिधिमंडल ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत किया और उन्हें शुभकामनाएँ दीं।

बैठक के दौरान रेलवे कर्मचारियों से संबंधित विविध महत्वपूर्ण और जनहित के मुद्दों पर सौहार्दपूर्ण माहौल में विस्तृत चर्चा हुई। श्री सिंह ने कर्मचारियों की वास्तविक तथा न्यायोचित समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए हरसंभव प्रयास करने का आश्वासन दिया और कहा कि उनका शीघ्र निराकरण सुनिश्चित करने का प्रयास किया जाएगा।

दक्षिण पूर्व रेलवे मेंस कांग्रेस, बोकारो के शाखा सचिव राजन कुमार उपाध्याय, बोकारो रेलवे इंस्टिट्यूट के सचिव सुब्रत शाह तथा अन्य कर्मचारीगण– अविनाश कुमार, प्रदीप कुमार भौमिक, जितेन गोरीई, सुभाष कुमार महतो, संदीप कुमार और अभिषेक कुमार–भी बैठक में उपस्थित थे। श्री उपाध्याय ने अनुराग कुमार सिंह के सफल व गौरवशाली कार्यकाल की कामना करते हुए कहा कि उनके कुशल नेतृत्व, मार्गदर्शन एवं सहयोग से कर्मचारियों से जुड़े मामलों का सकारात्मक समाधान होगा।

सीबीएसई : बोकारो में दो केंद्रों पर 1306 अभ्यर्थियों ने दी 12वीं बोर्ड की सप्लीमेंट्री परीक्षा

बिभा संवाददाता

बोकारो। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की ओर से 12वीं कक्षा की सप्लीमेंट्री परीक्षा मंगलवार को देशभर में आयोजित की गई। एक-दिवसीय इस परीक्षा के लिए बोकारो जिले में कुल दो परीक्षा केन्द्र बनाए गए थे- एक सेक्टर-4 स्थित दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस) बोकारो और दूसरा सेक्टर-5 स्थित चिन्मय विद्यालय, बोकारो। इन दोनों परीक्षा केंद्रों पर कुल 1306 विद्यार्थियों ने परीक्षा दी। सीबीएसई के सिटी को-ऑर्डिनेटर एवं डीपीएस बोकारो के प्राचार्य डॉ. ए. एस. गंगवार ने उक्त आशय की जानकारी देते हुए बताया कि परीक्षा पूर्णतया शांतिपूर्ण एवं कदाचारमुक्त रही। प्रशासनिक सहयोग के साथ-साथ केन्द्राधीक्षकों, पर्यवेक्षकों एवं समस्त वीक्षकों के सम्मिलित प्रयास से दोनों केंद्रों पर परीक्षा सफलतापूर्वक अच्छे से संपन्न करा ली गई। कहीं से भी किसी

गड़बड़ी की कोई सूचना नहीं है। उन्होंने परीक्षा के सफल संचालन में लगे समस्त सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

डॉ. गंगवार ने बताया कि डीपीएस बोकारो में कुल पंजीकृत 843 में से 804 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल हुए, जबकि 39 अनुपस्थित रहे। इसी प्रकार, चिन्मय विद्यालय में कुल 502 परीक्षार्थी शामिल हुए। पंजीकृत कुल 535 विद्यार्थियों में 33 अनुपस्थित रहे।

भाजपा मनाएगी गुरु रविदास जी के 650वें प्राकट्योत्सव को 'सामाजिक समरसता एवं राष्ट्रीय एकता का महापर्व'

बिभा संवाददाता

बोकारो : भाजपा ने संत शिरोमणि गुरु रविदास जी के 650वें प्राकट्योत्सव को 'सामाजिक समरसता एवं राष्ट्रीय एकता महापर्व' के रूप में 29 जुलाई 2026 (गुरु पूर्णिमा) से 20 फरवरी 2027 (गुरु रविदास जयंती) तक पूरे देश में मनाने की घोषणा की है। भाजपा झारखंड प्रदेश द्वारा घोषित कार्यक्रम के तहत भाजपा बोकारो जिला में आज बोकारो परिसदन में आयोजित प्रेस वार्ता में पूर्व विधायक बिरंची नारायण ने अभियान की रूपरेखा प्रस्तुत की।

बिरंची नारायण ने बताया कि 'समरसता संकल्प अभियान' का उद्देश्य गुरु रविदास जी के समानता, सामाजिक समरसता, भाईचारे और मानवता के संदेश को जन-जन तक पहुँचाना है। अभियान की शुरूआत गुरु रविदास जी की जन्मस्थली सीर गोवर्धनपुर (वाराणसी) से होगी और देशभर में व्यापक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। प्रमुख कार्यक्रम इस प्रकार हैः

समरसता दीप महोत्सव 29 जुलाई को बोकारो जिले के लगभग 200 स्थानों पर दीप प्रज्ज्वलन व प्रसाद वितरण।

कलश वंदन अभियान 29 जुलाई से 10 सितंबर 2026 तक सीर गोवर्धनपुर की पवित्र मिट्टी से भरे 131 कलशों के माध्यम से कुल 21,000 कलश देशभर के प्रदेश, जिला, मंडल और गांवों तक पहुंचाए जाएंगे।

संत संपर्क अभियान 29 जुलाई से 31 अगस्त 2026 तक भाजपा पदाधिकारी संतों से मिलकर उनका अभिनंदन करेंगे और सामाजिक समरसता का संदेश देंगे।

गुरु रविदास समरसता यात्रा 5 अक्टूबर से 5 नवंबर 2026 तक डेरा सचखंड बल्लां (जालंधर) से सीर गोवर्धनपुर (वाराणसी) तक राष्ट्रीय समरसता यात्रा; यात्रा के दौरान संत सम्मेलन और समरसता गोष्ठियाँ आयोजित की जाएँगी।

छात्रावास संपर्क अभियानः 26 नवंबर 2026 से 15 जनवरी 2027 तक सभी छात्रावासों में 'समरसता संवाद' कार्यक्रम आयोजित होंगे।

बिरंची नारायण ने कहा कि गुरु रविदास महाराज केवल एक समाज के संत नहीं, बल्कि संपूर्ण मानवता के पथप्रदर्शक थे। उनका जीवन जातिवाद समाप्त करने और छुआछूत मिटाने के लिए समर्पित रहा। इस अभियान का लक्ष्य जातिगत भेदभाव खत्म कर सामाजिक समरसता और राष्ट्रीय एकता को मजबूती से स्थापित करना है। उन्होंने सभी संतों, सामाजिक संगठनों, जनप्रतिनिधियों और समाज के सभी वर्गों से सक्रिय भागीदारी की अपील की। प्रेस वार्ता में भाजपा बोकारो जिला अध्यक्ष डॉ. सुरेन्द्र राज, जिला उपाध्यक्ष संजय त्यागी, महामंत्री रामलाल सोरेन, मंत्री एंजेला सिंह, ए. के. वर्मा, अशोक दास, बालेश्वर मुर्मू, अभय कुमार गोलू और प्रकाश कुमार उपस्थित रहे।

चिन्मय विद्यालय बोकारो में एक दिवसीय इन - हाउस ट्रेनिंग कार्यशाला का आयोजन

एआई का सदुपयोग शिक्षा के लिए बहुत लाभकारी : सूरज शर्मा

बिभा संवाददाता

बोकारो। चिन्मय विद्यालय बोकारो में मंगलवार, 28 जुलाई को 'व्यावसायिक नैतिकता के साथ कंप्यूटेशनल थिंकिंग एवं एआई' विषय पर एक दिवसीय इन - हाउस ट्रेनिंग कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में विद्यालय के शिक्षकों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। कार्यशाला के दौरान विद्यालय के सचिव श्री महेश त्रिपाठी, प्राचार्य श्री सूरज शर्मा, वरीय उप प्राचार्य श्री नरमेंद्र कुमार एवं उप प्राचार्य डॉ. रोशन शर्मा उपस्थित रहे। कार्यशाला में मुख्य संसाधन व्यक्ति के रूप में विद्यालय के एआई विभाग के अंकित सेन, मिस अंजु, मिस सोना लिसा एवं शुभेंदु शामिल हुए। साथ ही, 'व्यावसायिक नैतिकता और सीपीआर' विषय पर विद्यालय के मानसिक स्वास्थ्य सलाहकार मनीष

कुमार एवं चिकित्सा विभाग की रागिनी ने संयुक्त कार्यशाला आयोजित की।

कार्यशाला की शुरूआत में कंप्यूटेशनल थिंकिंग एवं एआई के विषय से शिक्षकों को परिचित किया गया। उन्हें इन दोनों पहलुओं को शिक्षा व्यवस्था के साथ जोड़ने के बारे में जानकारी दी गई। साथ ही, सीबीएसई द्वारा जारी नए सर्कुलर के अनुसार इन विषयों की उपयोगिता के बारे में बताया गया। संसाधन व्यक्ति के रूप में मौजूद शिक्षकों ने कई उदाहरण एवं गतिविधियों के माध्यम से एआई एवं कंप्यूटेशनल थिंकिंग की बारीकियों के बारे में बताया। उन्होंने संवादात्मक सत्र के दौरान एआई के व्यावसायिक नैतिकता के साथ उपयोग के पहलुओं पर प्रकाश डाला और शिक्षकों को उनकी लेसन प्लानिंग के साथ जोड़ने के तरीकों पर जोर डाला।

संयुक्त कार्यशाला आयोजित कर मनीष कुमार एवं रागिनी ने शिक्षकों को व्यावसायिक नैतिकता और सीपीआर के विषय में विस्तार से जानकारी दी। मनीष कुमार ने शिक्षकों के साथ सदाचार, मानसिक स्वास्थ्य की जरूरत एवं भावनात्मक नियंत्रण से जुड़े विषयों पर विस्तार से चर्चा की। विद्यालय चिकित्सा विभाग की रागिनी ने शिक्षकों को सीपीआर एवं फर्स्ट एड के बारे में व्यावहारिक उदाहरण के साथ समझाया।

प्राचार्य श्री सूरज शर्मा ने सबसे पहले सभी संसाधन व्यक्तियों का धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि आधुनिक पीढ़ी के साथ कदम मिलाकर चलने एवं उन्हें बेहतर शिक्षा देने के लिए कंप्यूटेशनल थिंकिंग एवं एआई का शिक्षा में समावेश बहुत जरूरी है। उन्होंने सीबीएसई को इन दोनों विषयों को करिकुलम में शामिल करने के लिए धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि एआई का व्यावसायिक नैतिकता के साथ सदुपयोग शिक्षा के लिए बहुत लाभकारी साबित हो सकता है। इससे विद्यार्थियों के लिए शिक्षा का व्यापक आयाम खुल सकता है।

जीजीएसईएसटीसी के दो छात्रों को आकर्षक प्लेसमेंट ऑफर मिले

बिभा संवाददाता

बोकारो। गुरु गोबिंद सिंह एजुकेशनल सोसायटी टेक्निकल कैंपस, चास बोकारो में आयोजित यूओलो एडटेक प्राइवेट लिमिटेड के कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव में एमबीए सत्र 2024-26 के दो विद्यार्थियों का चयन फ्र 3.20 लाख वार्षिक पैकेज पर हुआ। संस्थान ने छात्रों के बेहतर करियर अवसरों के लिए उद्योग जगत से सहयोग बढ़ाने पर जोर दिया।

नियुक्ति अभियान के सफल आयोजन में प्रशासनिक अधिकारी (एओ) एडवोकेट पल्लवी प्रसाद और प्रशिक्षण एवं नियुक्ति अधिकारी (टीपीओ) प्रोफेसर सलीम अहमद का सहयोग रहा। उन्होंने चयन प्रक्रिया के समन्वय और सुचारू रूप से संपन्न होने को सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

संस्थान उद्योग-अकादमिक साझेदारी पर ध्यान केंद्रित करता है। छात्रों को बधाई देते हुए कॉलेज के निदेशक डॉ प्रियदर्शी जारुहर ने चयनित छात्रों की उज्ज्वल पेशेवर भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि जीजीएसईएसटीसी छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और बेहतर रोजगार के अवसर प्रदान करने के लिए उद्योग जगत से मजबूत संबंध बनाने की दिशा में लगातार काम कर रहा है। उन्होंने आगे कहा कि नियमित प्लेसमेंट अभियान छात्रों को कॉर्पोरेट आवश्यकताओं का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करने और सफल करियर के लिए तैयार होने में मदद करते हैं।

आदित्यपुर में ड्रग्स सिंडिकेट पर पुलिस का बड़ा प्रहार, छापेमारी में भारी नकदी बरामद

बिभा संवाददाता

सरायकेला। आदित्यपुर में नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ पुलिस ने अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई करते हुए ड्रग्स तस्करों के नेटवर्क पर बड़ा प्रहार किया है। एसपी मनोज स्वर्गियारी के निर्देश पर चलाए जा रहे विशेष अभियान के दूसरे दिन मंगलवार को पुलिस की संयुक्त टीमों ने राम मड़ैया बस्ती, मुस्लिम बस्ती और इमली चौक समेत कई संवेदनशील इलाकों में एक साथ सघन छापेमारी की। अचानक हुई इस कार्रवाई से ड्रग्स माफियाओं और तस्करों में हड़कंप मच गया।

छापेमारी के दौरान पुलिस ने कई संदिग्ध ठिकानों की तलाशी लेकर भारी मात्रा में नकदी बरामद की। बरामद रकम की आधिकारिक गिनती समाचार लिखे जाने तक जारी थी। प्रारंभिक जांच में आशंका जताई जा रही है कि यह राशि नशे के अवैध कारोबार से जुड़ी हो सकती है।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, इस अभियान का मुख्य लक्ष्य आदित्यपुर के ड्रग्स नेटवर्क का कथित सरगना 'लालटू' है। उसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस की अलग-अलग टीमें संभावित ठिकानों पर लगातार दबिश दे रही हैं। अधिकारियों का मानना है कि उसकी गिरफ्तारी से पूरे ड्रग्स सिंडिकेट और उससे जुड़े फाइनेंसरों का खुलासा हो सकता है।

कार्रवाई के दौरान एक संदिग्ध युवक को हिरासत में लिया गया है, जिससे पूछताछ की जा रही है। पुलिस सप्लाई चेन, अंतरराज्यीय नेटवर्क और अवैध कारोबार में शामिल अन्य लोगों के संबंध में जानकारी जुटाने में लगी है। सूत्रों के अनुसार, शहर के कई संदिग्ध और प्रभावशाली लोग भी पुलिस के रडार पर हैं।

अभियान के तहत पुलिस ने केवल छापेमारी ही नहीं की, बल्कि पूरे इलाके में सुरक्षा व्यवस्था भी कड़ी कर दी। पार्कों, चौक-चौराहों, सुनसान गलियों तथा शराब दुकानों के आसपास विशेष बाइक पेट्रोलिंग की गई। संदिग्ध गतिविधियों में शामिल लोगों की जांच की गई। पुलिस की इस व्यापक कार्रवाई से अपराधियों में दहशत का माहौल है, जबकि स्थानीय लोगों ने सुरक्षा व्यवस्था मजबूत होने पर संतोष जताया है।

स्वतंत्रता दिवस के आयोजन को लेकर डीसी ने की बैठक, दिए कई निर्देश

बिभा संवाददाता

रामगढ़। जिले में आगामी स्वतंत्रता दिवस के आयोजन को लेकर मंगलवार को डीसी ऋतुराज की अध्यक्षता में और एसपी मुकेश कुमार लुनायत की उपस्थिति में जिला समाहरणालय के सभागार में बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में डीसी ने स्वतंत्रता दिवस के आयोजन के लिए की जा रही तैयारियों की समीक्षा की। डीसी ने जिला स्तरीय कार्यक्रम के लिए सिदो कान्हू मैदान को तैयार करने और मैदान में सभी तरह की मूलभूत सुविधाएं यथा परेड, मंच, अतिथियों के बैठने आदि की व्यवस्था करने के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए।

डीसी ने परेड एवं बैंड प्रस्तुति में भाग लेने वाले सभी पुलिस बल, एनसीसी व छात्र-छात्राओं के लिए पूर्व अभ्यास के दौरान मैदान में मूलभूत सुविधाएं, चिकित्सा सेवाएं व अल्पहार की व्यवस्था करने का निर्देश दिया।

बैठक के दौरान डीसी ने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर सभी शराब की दुकान और वधशालाओं को 14 अगस्त की रात्रि 12 से 15 अगस्त की रात्रि 12 बजे तक बंद रखने के लिए आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश सहायक आयुक्त उत्पाद एवं कार्यपालक पदाधिकारी नगर परिषद को दिया।

डीसी ने परेड पूर्वाभ्यास और मुख्य कार्यक्रम के आयोजन के दिन चिकित्सा दल और एंबुलेंस की व्यवस्था कर किसी भी तरह की आकस्मिक परिस्थिति के लिए तैयार रहने का निर्देश दिया।

इस दौरान शहर में स्वतंत्रता दिवस के दिन शहर में बड़े वाहनों का प्रवेश सुबह 08 बजे से दोपहर 12 बजे तक वर्जित रहेगा। इसका अनुपालन सुनिश्चित कराने का निर्देश डीसी ने अनुमंडल पदाधिकारी को दिया।

बैठक के दौरान डीसी ने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर सभी प्रखंड विकास पदाधिकारियों को उनके उनके क्षेत्रों में स्थित महापुरुषों, स्वतंत्रता सेनानियों की प्रतिमा कि साफ-सफाई कराने और उन पर माल्यार्पण सुनिश्चित करने को कहा।

डीसी ने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर रामगढ़ जिले में बेहतरीन कार्य करने वाले अधिकारियों, कर्मियों सहित अन्य जिले वासियों को सम्मानित करने को लेकर समिति गठित कर कार्य करने के संबंध में कई दिशा निर्देश दिए।

उल्लेखनीय है कि स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर डीसी के गोपनीय शाखा में प्रातः 8:15, सिदो कान्हू स्टेडियम में राजकीय समारोह प्रातः 9:05, डीसी कार्यालय ब्लॉक ए में 10 बजे, पुलिस अधीक्षक कार्यालय ब्लॉक सी में 10:05, उप विकास आयुक्त कार्यालय ब्लॉक बी में 10:10 बजे, अनुमंडल कार्यालय में 10:50 बजे, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी कार्यालय में 10:55 बजे एवं पुलिस लाइन रामगढ़ में 11:10 बजे झंडा फहराया जाएगा।

बैठक में उप विकास आयुक्त, अपर समाहर्ता, अनुमंडल पदाधिकारी, भूमि सुधार उप समाहर्ता, प्रभारी पदाधिकारी गोपनीय शाखा, जिला परिवहन पदाधिकारी, जिला आपूर्ति पदाधिकारी, जिला एवं प्रखंड स्तरीय अधिकारियों सहित अन्य उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

रविदास महासभा का चुनाव संविधान के अनुरूप ही होगा : बिनोद कुमार

हजारीबाग(बिभा)। रविदास महासभा, हजारीबाग के जिला अध्यक्ष बिनोद कुमार ने कहा कि महासभा की चुनाव प्रक्रिया संविधान के अनुरूप जारी है और जल्द ही विधिवत चुनाव कराया जाएगा। उन्होंने 26 जुलाई 2026 को ≈रविदास महासभा पुनर्गठन समिति≈ द्वारा कराए गए कथित चुनाव को असंवैधानिक, अवैध और संगठन के संविधान के विपरीत बताया। उन्होंने कहा कि उक्त चुनाव से समाज के कई लोग भ्रमवश जुड़ गए थे। महासभा की वैधानिक जिला कमेटी इस चुनाव और इसके आधार पर घोषित किसी भी पदाधिकारी को मान्यता नहीं देती। समाज के लोगों से केवल महासभा द्वारा जारी आधिकारिक सूचना पर ही विश्वास करने की अपील की गई। बिनोद कुमार ने बताया कि 2 अगस्त 2026 को प्रखंड अध्यक्षों, जिला कार्यकारिणी एवं समाज के प्रबुद्धजनों की बैठक में चुनाव की तिथि तय की जाएगी, जिसके बाद संविधान सम्मत चुनाव कर नई जिला कमेटी का गठन किया जाएगा।

अखिल भारतीय कायस्थ महासभा का सावन महोत्सव 09 अगस्त को

हजारीबाग(बिभा): सावन के पावन अवसर पर अखिल भारतीय कायस्थ महासभा, झारखंड के महिला प्रकोष्ठ की जिला इकाई द्वारा 09 अगस्त (रविवार) को सावन महोत्सव 2026 का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम का आयोजन सुबह 11:00 बजे से प्रधान कैफेटेरिया हॉल, हजारीबाग में होगा। आयोजन का उद्देश्य सावन पर्व की पारंपरिक संस्कृति को बढ़ावा देना और महिलाओं को एक साझा मंच उपलब्ध कराना है ।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला समाज कल्याण पदाधिकारी शिप्रा सिन्हा तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में अखिल भारतीय कायस्थ महासभा, झारखंड की प्रदेश महिला अध्यक्ष सुधा प्रधान उपस्थित रहेंगी ।आयोजन के दौरान महिलाओं के लिए मनोरंजक एवं रोचक खेल, नृत्य-संगीत, मिस सावन प्रतियोगिता, हाउजी तथा विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां आकर्षण का केंद्र रहेंगी। आयोजकों ने बताया कि जिले की सभी महिला इकाइयों के सहयोग से कार्यक्रम को भव्य एवं यादगार बनाने की तैयारी की जा रही है ।जिला महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष सुधा वर्मा ने जिले की महिलाओं एवं परिवारों से अधिक से अधिक संख्या में कार्यक्रम में शामिल होकर सावन उत्सव को सफल बनाने की अपील की है। आयोजन समिति का कहना है कि यह कार्यक्रम पारंपरिक संस्कृति, आपसी सौहार्द और उत्साह का संगम होगा।

हजारीबाग डेंटल कॉलेज ने सलगावां में लगाया निशुल्क दंत जांच शिविर

हजारीबाग(बिभा): हजारीबाग कॉलेज ऑफ डेंटल साइंसेस एंड हॉस्पिटल द्वारा कटकमदाग के सलगावां स्थित सरकारी विद्यालय में मंगलवार को निशुल्क दंत जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 120 से अधिक स्कूली बच्चों के दांतों की निशुल्क जांच की गई तथा उन्हें मुख एवं दंत स्वास्थ्य से संबंधित आवश्यक परामर्श भी दिया गया। इस अवसर पर हजारीबाग कॉलेज ऑफ डेंटल साइंसेस एंड हॉस्पिटल के सचिव डॉ. प्रवीण श्रीनिवास ने कहा कि स्वस्थ जीवन के लिए दांतों की नियमित देखभाल और समय-समय पर जांच अत्यंत आवश्यक है। निशुल्क स्वास्थ्य शिविर समाज के लोगों में जागरूकता बढ़ाने के साथ-साथ समय पर उपचार सुनिश्चित करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि भविष्य में भी संस्थान सामाजिक सरोकारों के तहत इस प्रकार के जनहितकारी निशुल्क शिविर आयोजित करता रहेगा।

हजारीबाग में आईजी की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक, अपराध नियंत्रण और विधि-व्यवस्था पर सख्त निर्देश

थाना में आने वाले फरियादियों के साथ संवेदनशील, सम्मानजनक एवं सकारात्मक व्यवहार करें:आईजी

बिभा संवाददाता

हजारीबाग : बोकारो प्रक्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) शैलेंद्र किशोर सिन्हा ने मंगलवार को हजारीबाग जिला मुख्यालय स्थित पुलिस अधीक्षक (एसपी) कार्यालय का दौरा कर जिले की विधि-व्यवस्था, अपराध नियंत्रण तथा लंबित अनुसंधान कार्यों की विस्तृत उच्चस्तरीय समीक्षा की। बैठक में पुलिस उप-महानिरीक्षक (डीआईजी) अंजनी कुमार झा, पुलिस अधीक्षक अमन कुमार सहित जिले के सभी वरीय पुलिस पदाधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक की शुरूआत आईजी को गार्ड ऑफ ऑनर देकर की गई। इसके बाद उन्होंने पिछले छह माह के दौरान जिले में घटित सभी महत्वपूर्ण आपराधिक मामलों की समीक्षा करते हुए लंबित कांडों के त्वरित निष्पादन के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि महिला उत्पीड़न से जुड़े सभी लंबित मामलों का निष्पादन 60 दिनों के भीतर सुनिश्चित किया जाए, जबकि एससी/एसटी एवं नक्सल प्रभावित क्षेत्रों से जुड़े लंबित मामलों का शीघ्र निष्पादन प्राथमिकता के आधार पर किया जाए।

आईजी ने बड़कागांव क्षेत्र में हाल के दिनों में हुई घटनाओं का गंभीर संज्ञान लेते हुए संगठित आपराधिक गिरोहों के विरुद्ध कठोर एवं प्रभावी कार्रवाई करने का निर्देश दिया। साथ ही मादक पदार्थों की खरीद-बिक्री में संलिप्त व्यक्तियों की पहचान कर उनके विरुद्ध सीसीए (क्राइम कंट्रोल एक्ट) के तहत कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा।

उन्होंने शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक नाइट पेट्रोलिंग और सघन वाहन जांच अभियान को और अधिक प्रभावी बनाने पर विशेष बल दिया। सभी थाना प्रभारियों को निर्देशित किया गया कि थानों में आने वाले फरियादियों के साथ संवेदनशील, सम्मानजनक एवं सकारात्मक व्यवहार करें, ताकि पुलिस और आमजन के बीच विश्वास और बेहतर समन्वय स्थापित हो सके।

समीक्षा बैठक में अपर पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) अमित कुमार, एसडीपीओ बरही राधा प्रेम किशोर, डीएसपी मुख्यालय ज्ञान रंजन, एसडीपीओ विष्णुगढ़ फैजान अहमद, एसडीपीओ सदर रूपक कुमार सिंह, डीएसपी (सीसीआर) अरमानुल हक सहित जिले के सभी सर्किल इंस्पेक्टर एवं थाना प्रभारी उपस्थित रहे। बैठक में अपराध नियंत्रण, अनुसंधान की गुणवत्ता तथा कानून-व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने को लेकर विस्तृत चर्चा की गई।

खास महाल लीजधारियों के लिए 15 अगस्त तक आवेदन जमा करना अनिवार्य

बिभा संवाददाता

हजारीबाग: हजारीबाग के खास महाल प्रकोष्ठ द्वारा जिले के सभी खास महाल लीजधारियों एवं उनके वैध उत्तराधिकारियों के लिए महत्वपूर्ण सूचना जारी की गई है ।जारी सूचना के अनुसार, हजारीबाग खास महाल क्षेत्र की लीज भूमि का प्रत्येक 30 वर्ष के लिए लीज नवीकरण किया जाता है। अधिकांश लीजधारियों की लीज अवधि 31 मार्च 2008 को समाप्त हो चुकी है। इसके बावजूद कई लीजधारियों अथवा उनके वैध उत्तराधिकारियों द्वारा अगले 30 वर्षों के लिए लीज नवीकरण, नामांतरण, उत्तराधिकारी नामांतरण, हस्तांतरण, प्रयोजन परिवर्तन, बंदोबस्ती एवं वंशावली संबंधी आवेदन आवश्यक दस्तावेजों के साथ अब तक जमा नहीं किए गए हैं, जिसके कारण लीज नवीकरण की प्रक्रिया पूर्ण नहीं हो सकी है।

खास महाल प्रकोष्ठ ने ऐसे सभी लीजधारियों एवं उनके वैध उत्तराधिकारियों से अपील की है कि जिनका उपर्युक्त कार्य अब तक लंबित है, वे 15 अगस्त 2026 तक अनिवार्य रूप से अपने आवेदन-पत्र सभी आवश्यक दस्तावेजों सहित खास महाल प्रकोष्ठ, हजारीबाग में जमा करें।

प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि समय-सीमा के भीतर आवेदन प्रस्तुत कर लीज नवीकरण एवं अन्य संबंधित प्रक्रियाओं को पूर्ण कराने में सहयोग करें, ताकि लंबित मामलों का शीघ्र निष्पादन सुनिश्चित किया जा सके।

चार साल बाद खुला हत्या का राजः कब्र खोदकर निकाला गया कंकाल, पोस्टमार्टम और डीएनए जांच के लिए भेजा गया

बिभा संवाददाता

गुमला : गुमला के रायडीह थाना क्षेत्र के नवागढ़ बैगा टोली में चार वर्ष पहले दफनाए गए एक शव को मंगलवार को प्रशासनिक निगरानी में कब्र से बाहर निकाला गया। मृतक के कंकाल को पोस्टमार्टम और डीएनए जांच के लिए भेज दिया गया है। यह कार्रवाई मृतक की पुत्री द्वारा अपने पिता की हत्या का आरोप लगाते हुए दर्ज कराई गई प्राथमिकी के बाद की गई।

जानकारी के अनुसार, नवागढ़ बैगा टोली निवासी उर्मिला देवी (35 वर्ष) ने रायडीह थाना में आवेदन देकर आरोप लगाया है कि उनके पिता मलकन बैगा की 7 जून 2022 को डायन-बिसाही के आरोप में बेरहमी से हत्या कर दी गई थी। उन्होंने आरोप लगाया कि इस घटना में उनके चाचा दीपक बैगा, चाची झबली देवी, चचेरा भाई हीरा बैगा सहित गांव के गंगा बैगा, राजेश बैगा, देवकी देवी, पोको देवी, सुकरो देवी और सुरमई देवी शामिल थे।

उर्मिला देवी का आरोप है कि हत्या के बाद पूरे गांव ने मामले को दबाने की कोशिश की और किसी को भनक न लगे, इसलिए शव को बैगा टोली स्थित कब्रिस्तान में दफना दिया गया। चार वर्षों तक यह मामला दबा रहा, लेकिन अब पुत्री की शिकायत के बाद पुलिस ने इसे गंभीरता से लेते हुए कार्रवाई शुरू की।

शिकायत के आधार पर रायडीह थाना में कांड संख्या 29/2026 दर्ज किया गया। इसके बाद अनुमंडल पदाधिकारी, चैनपुर के निर्देश पर मंगलवार को अंचलाधिकारी की मौजूदगी में कब्र की खुदाई कर मलकन बैगा के कंकाल को बाहर निकाला गया। पूरी प्रक्रिया प्रशासनिक निगरानी और पुलिस की उपस्थिति में संपन्न हुई।

निकाले गए कंकाल को वैज्ञानिक जांच के लिए पोस्टमार्टम एवं डीएनए परीक्षण हेतु भेजा गया है। पुलिस का कहना है कि जांच रिपोर्ट और अन्य साक्ष्यों के आधार पर मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

मौके पर अंचलाधिकारी शैलेन्द्र चौरसिया, रायडीह थाना प्रभारी संदीप कुमार यादव, सीआई प्रदीप कुमार सहित पुलिस बल मौजूद रहा। प्रशासन ने पूरे घटनाक्रम की वीडियोग्राफी भी कराई।

यह मामला एक बार फिर समाज में फैले डायन-बिसाही जैसे अंधविश्वास की भयावह सच्चाई को उजागर करता है। यदि शिकायत में लगाए गए आरोप जांच में सही साबित होते हैं, तो यह न केवल एक जघन्य हत्या का मामला होगा, बल्कि अंधविश्वास के नाम पर कानून और मानवता को चुनौती देने वाली गंभीर घटना भी मानी जाएगी।

फिलहाल पुलिस सभी आरोपों की गहन जांच कर रही है। पोस्टमार्टम और डीएनए रिपोर्ट के साथ-साथ अन्य साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

शिव आराधना का महापर्व सावन 30 जुलाई से भक्ति और आस्था से गूंजेंगे शिवालय

भगवान शिव का स्वरूप त्याग, करुणा, समभाव और लोककल्याण का प्रतीकः संजय सर्राफ

बिभा संवाददाता

रांची : विश्व हिंदू परिषद सेवा विभाग एवं श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम ट्रस्ट के प्रांतीय प्रवक्ता संजय सर्राफ ने कहा है कि भगवान शिव की आराधना, तप, साधना और भक्ति का पावन महीना श्रावण यानी सावन मास इस वर्ष श्रावण माह की शुरूआत 30 जुलाई दिन गुरुवार से प्रारंभ होकर 28 अगस्त तक रहेगा ।सनातन धर्म में सावन को भगवान शिव का सर्वाधिक प्रिय महीना माना गया है। इस पूरे माह में शिवलिंग पर जल, दूध,बेलपत्र,धतूरा,आक-पुष्प आदि अर्पित कर भगवान भोलेनाथ की पूजा-अर्चना की जाती है। सावन के सोमवार का विशेष महत्व है। श्रद्धालु सोमवार को व्रत रखते हैं,मंदिरों में जलाभिषेक करते हैं तथा ह्यॐ नमः शिवायह्ल का जाप कर सुख, शांति,आरोग्य और समृद्धि की कामना करते हैं ।सावन की महिमा का संबंध समुद्र मंथन की प्रसिद्ध पौराणिक कथा से भी जोड़ा जाता है। मान्यता है कि समुद्र मंथन के दौरान सबसे पहले अत्यंत घातक हलाहल विष निकला। उसके प्रभाव से समस्त सृष्टि संकट में पड़ गई। देवताओं और समस्त जीवों की रक्षा के लिए भगवान शिव ने उस विष को अपने कंठ में धारण कर लिया। विष के कारण उनका कंठ नीला हो गया और वे नीलकंठ कहलाए। विष की उष्णता को शांत करने के लिए देवताओं ने भगवान शिव पर जल अर्पित किया। इसी मान्यता से सावन में शिवलिंग पर जलाभिषेक की परंपरा को विशेष महत्व मिला। सावन केवल धार्मिक आस्था का महीना ही नहीं, बल्कि प्रकृति के नवजीवन का भी प्रतीक है। वर्षा से धरती हरियाली की चादर ओढ़ लेती है ।पेड़-पौधों,नदियों और जलस्त्रोतों में नवचेतना आती है। ऐसे समय में शिव आराधना मनुष्य को प्रकृति के प्रति सम्मान,संयम और संरक्षण का संदेश भी देती है ।श्रावण मास के सोमवार को भगवान शिव की पूजा और व्रत का विशेष फलदायी माना जाता है। इस दौरान श्रद्धालु प्रातः स्नान कर स्वच्छ वस्त्र धारण करते हैं और शिव मंदिर में जाकर जलाभिषेक एवं पूजन करते हैं शिव-पार्वती की आराधना, महामृत्युंजय मंत्र का जाप, रुद्राभिषेक तथा शिव चालीसा का पाठ भी श्रद्धा से किया जाता है ।सावन का वास्तविक उद्देश्य केवल पूजा-पाठ तक सीमित नहीं है। यह माह मन, वचन और कर्म की शुद्धि का संदेश देता है। श्रद्धालुओं को सात्त्विक जीवन, वाणी में मधुरता, जरूरतमंदों की सेवा, गौसेवा, पर्यावरण संरक्षण तथा परोपकार को अपने जीवन में अपनाने की प्रेरणा मिलती है। भगवान शिव का स्वरूप स्वयं त्याग, करुणा,समभाव और लोककल्याण का प्रतीक है ।इस प्रकार सावन मास आस्था और अध्यात्म के साथ-साथ प्रकृति, सेवा, संयम और सद्भाव का पर्व है। ह्यहर हर महादेवह्ल के जयघोष से गूंजते शिवालय और श्रद्धा से किए गए जलाभिषेक भक्तों को यही संदेश देते हैं कि सच्ची शिवभक्ति मानव कल्याण, प्रकृति संरक्षण और परोपकार की भावना में निहित है।

करोड़ों की जमीन-मकान ठगी का आरोपित गिरफ्तार

बिभा संवाददाता

धनबाद। धनबाद में जमीन और मकान बेचने के नाम पर करोड़ों रुपये की कथित ठगी के चर्चित मामले में लंबे समय से फरार चल रहे आरोपित आशीष कुमार गुप्ता को पुलिस ने कोलकाता से गिरफ्तार कर लिया है।

आरोपित को धनबाद लाकर मंगलवार को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। आशीष कुमार गुप्ता के खिलाफ जिले के कई थानों में धोखाधड़ी के मामले दर्ज हैं।

मामले की शुरूआत हीरापुर चीरागोड़ा निवासी सुनील कुमार की शिकायत से हुई थी। सुनील कुमार ने धनबाद थाना में आशीष कुमार गुप्ता के खिलाफ 35 लाख रुपये की धोखाधड़ी का मामला दर्ज कराया था। प्राथमिकी दर्ज होने के बाद से ही आरोपित फरार चल रहा था और पुलिस लगातार उसकी तलाश में जुटी थी। न्यायालय के आदेश पर आरोपित के घर पर इश्तेहार भी चस्पा किया गया था, लेकिन उसने आत्मसमर्पण नहीं किया। पुलिस के अनुसार आशीष कुमार गुप्ता पर कई लोगों से जमीन और मकान बेचने के नाम पर लाखों रुपये की ठगी करने के आरोप हैं। आरोप है कि उसने मनईटांड में मकान और कुमीर्डीह में जमीन बेचने का झांसा देकर लोगों से बड़ी रकम वसूली। उसके खिलाफ धनबाद थाना के अलावा धनसार, बैंक मोड़, कतरास सहित जिले के कई थानों में धोखाधड़ी के मामले दर्ज हैं। शिकायतकर्ता अमित कुमार का आरोप है कि आरोपित ने उनसे भी घर और जमीन दिलाने के नाम पर करीब 57 लाख रुपये की ठगी की। उन्होंने आरोपित के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने आरोपित को कोलकाता से गिरफ्तार कर धनबाद लाया और न्यायालय में पेश करने के बाद उसे जेल भेज दिया। पुलिस अब मामले में आगे की जांच कर रही है।

श्रद्धा,समर्पण और आत्मबोध का महापर्व-गुरु पूर्णिमा

विनोद सिंह

गुरु पूर्णिमा हमें संदेश देती है कि गुरु के चरणों में झुकना किसी व्यक्ति के सामने झुकना नहीं, बल्कि ज्ञान,सत्य और सनातन संस्कृति के समक्ष विनम्र होना है।जब तक भारत की धरती पर गुरु-शिष्य परम्परा जीवित रहेगी,तब तक वेदों की वाणी, उपनिषदों का चिंतन,ऋषियों की तपश्चर्या और अध्यात्म का प्रकाश कभी मंद नहीं होगा।यही गुरु पूर्णिमा का सनातन संदेश है,यही भारतीय संस्कृति की आत्मा है और यही वह अमर ज्योति है जो युगों-युगों तक सम्पूर्ण मानवता का पथ आलोकित करती रहेगी।

महर्षि वेदव्यास से उपनिषदों तक गुरु-शिष्य परम्परा का अमर आलोक...

भारतीय संस्कृति का सम्पूर्ण आध्यात्मिक वैभव यदि किसी एक सूत्र में पिरोया जा सकता है तो वह है- गुरु।सनातन परम्परा में गुरु केवल शिक्षा देने वाला व्यक्ति नहीं,बल्कि चेतना का जागरण करने वाला वह दिव्य पुरुष है जो शिष्य के भीतर सुप्त ब्रह्मज्ञान को जागृत करता है।संसार में माता- पिता शरीर को जन्म देते हैं,किन्तु गुरु आत्मा का पुनर्जन्म कराते हैं।इसीलिए भारतीय दर्शन ने गुरु को देवताओं से भी उच्च स्थान प्रदान करते हुए उद्घोष किया -'गुरुर्ब्रह्मा गुरुर्विष्णुः गुरुदेवो महेश्वरः।गुरुः साक्षात परब्रह्म तस्मै श्रीगुरवे नमः॥' यह केवल स्तुति नहीं,बल्कि भारतीय अध्यात्म का शाश्वत सत्य है।गुरु ही वह सेतु हैं जो जीव को शिव से,जिज्ञासा को ज्ञान से और आत्मा को परमात्मा से जोड़ते हैं।गुरु पूर्णिमा उसी सनातन परम्परा के प्रति श्रद्धा,कृतज्ञता और समर्पण का महापर्व है।आषाढ़ मास की पूर्णिमा भारतीय अध्यात्म में इसलिए भी अत्यंत पवित्र मानी गई है क्योंकि यह महर्षि कृष्ण द्वैपायन वेदव्यास की जयंती है।भारतीय ज्ञान परम्परा उन्हें केवल महाकवि या ग्रन्थकार के रूप में नहीं,बल्कि जगद्गुरु के रूप में स्मरण करती है।यदि वेदव्यास न होते तो सम्भवतः वेदों का विशाल ज्ञान सामान्य जन तक कभी व्यवस्थित रूप में नहीं पहुँच पाता।उन्होंने एक अखण्ड वैदिक ज्ञानधारा को चार वेदों- ऋग्वेद,यजुर्वेद,सामवेद और अथर्ववेद -में व्यवस्थित किया।यही कारण है कि उन्हें 'वेदव्यास' की उपाधि प्राप्त हुई।महर्षि वेदव्यास ने केवल वेदों का विभाजन ही नहीं किया,बल्कि महाभारत जैसे विश्व के सबसे विशाल महाकाव्य की रचना की, अठारह पुराणों का संकलन किया तथा ब्रह्मसूत्र की रचना कर वेदान्त दर्शन को दार्शनिक आधार प्रदान किया।श्रीमद्भागवत महापुराण के माध्यम से उन्होंने भक्ति को ज्ञान और वैराग्य के साथ जोड़कर भारतीय अध्यात्म को नई दिशा दी।इसलिए गुरु पूर्णिमा वस्तुतः भारतीय ज्ञान परम्परा के उस महर्षि को नमन करने का दिन है,जिन्होंने ज्ञान को सीमित वर्ग से निकालकर सम्पूर्ण मानवता की धरोहर बना दिया।भारतीय संस्कृति में ज्ञान कभी व्यापार नहीं रहा।वह सदैव साधना का विषय रहा है।यही कारण है कि यहाँ शिक्षा का प्रारम्भ 'विद्या' से होता है और उसका समापन 'ब्रह्मविद्या' पर। वेदों में ज्ञान का उद्देश्य केवल आजीविका नहीं,बल्कि जीवन का आलोक है।ऋग्वेद का उद्घोष - 'आनो भद्राः क्रतवो यन्तु विश्वतः' अर्थात चारों दिशाओं से कल्याणकारी विचार हमारे पास आएँ-भारतीय ज्ञान परम्परा की उदारता का प्रतीक है।वहीं यजुर्वेद का संदेश-'तमसो मा ज्योतिर्गमय'-अंधकार से प्रकाश की ओर ले चल-वस्तुतः गुरु की ही भूमिका का दार्शनिक प्रतिपादन है।उपनिषदों में गुरु का स्वरूप और भी विराट हो जाता है।वहाँ गुरु केवल उपदेशक नहीं,बल्कि सत्य का साक्षात अनुभव कराने वाले महापुरुष हैं। मुण्डकोपनिषद् स्पष्ट कहता है - 'तद्विज्ञानार्थंसगुरुमेवाभिगच्छेत।' अर्थात ब्रह्मज्ञान की प्राप्ति के लिए मनुष्य को गुरु के पास ही जाना चाहिए।यह आदेश नहीं, बल्कि अनुभव का निष्कर्ष है। आत्मज्ञान पुस्तकों से नहीं, अनुभूति से प्राप्त होता है और अनुभूति का मार्ग गुरु ही दिखाते हैं।उपनिषदों के अनेक प्रसंग गुरु-शिष्य परम्परा की गरिमा को अमर बनाते हैं।कठोपनिषद् में नचिकेता का यमराज से संवाद केवल प्रश्नोत्तर नहीं,बल्कि जिज्ञासा,धैर्य और सत्य की साधना का अनुपम उदाहरण है।छान्दोग्य उपनिषद् में उद्दालक ऋषि अपने पुत्र श्वेतकेतु से कहते हैं 'तत्त्वमसि' अर्थात वही परम सत्य तुम स्वयं हो।यह केवल

दार्शनिक वाक्य नहीं,बल्कि आत्मबोध की पराकाष्ठा है।इसी प्रकार सत्यकाम जाबाल की सत्यनिष्ठा को देखकर ऋषि गौतम उन्हें शिष्य रूप में स्वीकार करते हैं।इससे स्पष्ट होता है कि भारतीय गुरु परम्परा में जन्म नहीं,बल्कि सत्य और पात्रता का सम्मान था।गुरु और शिष्य का सम्बन्ध किसी अनुबंध पर नहीं,बल्कि श्रद्धा पर आधारित होता है।श्रद्धा वह भूमि है जहाँ ज्ञान का बीज अंकुरित होता है। सेवा उस बीज को पोषण देती है।समर्पण उसे वृक्ष बनाता है और साधना उसके फल को अमृत बना देती है।इसलिए भारतीय परम्परा में गुरु सेवा को साधना का अभिन्न अंग माना गया है।सेवा का अर्थ केवल शारीरिक श्रम नहीं,बल्कि अपने अहंकार का विसर्जन है।जब शिष्य अपना अहंकार गुरु के चरणों में रख देता है,तभी उसके भीतर ज्ञान का उदय होता है।इसी कारण भारतीय दर्शन में कहा गया है कि ज्ञान का सबसे बड़ा शत्रु अज्ञान नहीं,बल्कि अहंकार है।जिस पात्र में पहले से ही अपने ज्ञान का अभिमान भरा हो,उसमें गुरु नया ज्ञान कैसे भरेंगे? इसलिए गुरु के समीप पहुँचने से पहले शिष्य को अपने भीतर विनम्रता,संयम और श्रद्धा का दीप प्रज्वलित करना पड़ता है।भारतीय गुरुकुल व्यवस्था इसी दर्शन पर आधारित थी।वहाँ शिक्षा केवल शास्त्रों का अध्ययन नहीं थी।शिष्य गुरु के आश्रम में रहकर सेवा,अनुशासन, तप,संयम,आत्मसंयम और प्रकृति के साथ सामंजस्य का अभ्यास करता था।ज्ञान जीवन का व्यवहार बनता था।शिक्षा का उद्देश्य प्रतियोगिता नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण था।इसीलिए उस व्यवस्था से निकले विद्यार्थी केवल विद्वान नहीं,बल्कि ऋषि,दार्शनिक,योद्धा, नीति-निमार्ता और लोकमंगल के साधक बने।भारतीय अध्यात्म में गुरु का सबसे बड़ा कार्य शिष्य को स्वयं से परिचित कराना है।संसार का प्रत्येक ज्ञान बाहर से प्राप्त किया जा सकता है,किन्तु आत्मज्ञान भीतर से ही प्रकट होता है।गुरु उस भीतरी द्वार को खोलते हैं जहाँ आत्मा का साक्षात्कार होता है।इसलिए संत कबीर ने अत्यन्त सरल किन्तु गहन शब्दों में कहा– 'गुरु गोविन्द दोऊ खड़े,काके लागूं पाय।बलिहारी गुरु आपने, गोविन्द दियो बताय॥' कबीर का यह दोहा भारतीय त अध्यात्म का सार है।ईश्वर तक पहुँचने का मार्ग भी गुरु ही दिखाते हैं।इसलिए गुरु का सम्मान व्यक्ति-पूजा नहीं,बल्कि ज्ञान-पूजा है।गुरु पूर्णिमा उसी ज्ञान-ज्योति के प्रति कृतज्ञता का उत्सव है,जिसने हजारों वर्षों से भारतीय संस्कृति को आलोकित रखा है।गुरु पूर्णिमा का वास्तविक संदेश केवल गुरु की वंदना तक सीमित नहीं है,बल्कि गुरु के बताए मार्ग पर चलने का संकल्प भी है।भारतीय आध्यात्मिक परम्परा में श्रद्धा,सेवा, समर्पण और साधना- ये चार स्तम्भ गुरु-शिष्य संबंध की आधारशिला हैं।श्रद्धा के बिना ज्ञान प्राप्त नहीं होता,सेवा के बिना विनम्रता नहीं आती,समर्पण के बिना अहंकार का क्षय नहीं होता और साधना के बिना आत्मबोध संभव नहीं है।यही कारण है कि हमारे ऋषियों ने ज्ञान को केवल बौद्धिक उपलब्धि नहीं माना,बल्कि जीवन की तपश्चर्या का परिणाम बताया।भारतीय दर्शन में श्रद्धा का अर्थ अंधविश्वास नहीं है।श्रद्धा सत्य को जानने की उत्कट इच्छा है।भगवद्गीता में भगवान श्रीकृष्ण कहते हैं-'श्रद्धावान् लभते ज्ञानम्।'अर्थात श्रद्धावान व्यक्ति ही ज्ञान प्राप्त करता है।श्रद्धा वह प्रकाश है जो शिष्य को गुरु के वचनों का वास्तविक अर्थ समझने की पात्रता प्रदान करता है।जहाँ श्रद्धा समाप्त होती है,वहाँ शिक्षा सूचना बन जाती है; जहाँ श्रद्धा जीवित रहती है,वहीं शिक्षा आत्मबोध का माध्यम बनती है।सेवा भारतीय गुरु-परम्परा का दूसरा अनिवार्य आयाम है।गुरु की सेवा का तात्पर्य केवल उनके आश्रम या निवास की व्यवस्था करना नहीं था,बल्कि उनके आदर्शों को अपने जीवन में उतारना था।गुरु के प्रति विनम्रता, अनुशासन,संयम और कर्तव्यनिष्ठा ही वास्तविक सेवा मानी गई।सेवा शिष्य के भीतर छिपे अहंकार को गलाकर उसे ज्ञान ग्रहण करने योग्य बनाती है। भारतीय गुरुकुलों में यही कारण था कि राजकुमार और सामान्य परिवार का बालक समान रूप से आश्रम की सेवा करते थे।वहाँ पद,प्रतिष्ठा और संपत्ति का नहीं,बल्कि संस्कार और साधना का महत्व था।समर्पण गुरु-शिष्य परम्परा का तीसरा सोपान है।समर्पण का अर्थ अपनी बुद्धि का परित्याग नहीं,बल्कि अपने अहंकार का विसर्जन है।जब शिष्य यह स्वीकार करता है कि सत्य उससे बड़ा है और गुरु उस सत्य के अनुभवी पथप्रदर्शक हैं,तभी उसके भीतर ज्ञान का वास्तविक उदय होता है।उपनिषदों के सभी महत्त्वपूर्ण संवाद इसी समर्पण की भूमि पर खड़े हैं।प्रश्न करना भारतीय परम्परा में वर्जित नहीं था,किन्तु प्रश्न के पीछे जिज्ञासा होनी चाहिए,अहंकार नहीं।यही कारण है कि उपनिषदों के संवाद आज भी विश्व की महानतम दार्शनिक धरोहर माने जाते हैं।साधना इन सबका चरम रूप है।साधना केवल जंगलों में तपस्या का नाम नहीं है।अपने विचारों को शुद्ध करना,इन्द्रियों पर संयम रखना, सत्य का पालन करना,करुणा का विस्तार करना और निरन्तर आत्मचिंतन करते रहना भी साधना है।गुरु शिष्य को बाहरी संसार से भागना नहीं सिखाते, बल्कि संसार के बीच रहते हुए स्वयं पर विजय प्राप्त करना सिखाते हैं।भारतीय अध्यात्म का यही वैशिष्ट्य है कि वह जीवन से पलायन नहीं,बल्कि जीवन का परिष्कार सिखाता है।सनातन परम्परा के महान आचार्यों- आदि शंकराचार्य, रामानुजाचार्य, 'मध्वाचार्य,निम्बाकार्चार्य, वल्लभाचार्य, रामानन्द,चैतन्य महाप्रभु,गुरु नानक देव,संत कबीर,संत रविदास,तुलसीदास और स्वामी विवेकानन्द- सभी ने अपने-अपने समय में गुरु परम्परा को नई ऊर्जा प्रदान की।युग बदलते रहे,परिस्थितियाँ बदलती रहीं,किन्तु गुरु का स्वरूप नहीं बदला।उन्होंने समाज को केवल धर्म नहीं दिया,बल्कि सत्य, करुणा,समानता और मानवता का मार्ग भी दिखाया।आज का युग कृत्रिम बुद्धिमत्ता,डिजिटल तकनीक और त्वरित सूचना का युग है।ज्ञान के स्रोत पहले से कहीं अधिक उपलब्ध हैं,किन्तु मनुष्य के भीतर शांति,संतुलन और आत्मविश्वास का संकट भी उतना ही गहरा हुआ है।सूचना का विस्तार हुआ है,परन्तु आत्मबोध का विस्तार नहीं हो पाया।ऐसे समय में गुरु की आवश्यकता और अधिक बढ़ जाती है।आधुनिक तकनीक हमें जानकारी दे सकती है,किन्तु विवेक नहीं,वह उत्तर दे सकती है,किन्तु जीवन का उद्देश्य नहीं बता सकती।यही कार्य गुरु करते हैं।गुरु मनुष्य को केवल सफल नहीं,बल्कि सार्थक बनाते हैं।गुरु पूर्णिमा हमें यह भी स्मरण कराती है कि प्रत्येक मनुष्य के जीवन में अनेक गुरु होते हैं।माता-पिता प्रथम गुरु हैं, शिक्षक विद्या के गुरु हैं,प्रकृति मौन गुरु है,अनुभव जीवन का गुरु है और अंततः आत्मा स्वयं परम गुरु की ओर ले जाने वाला सेतु बन जाती है।इसलिए भारतीय संस्कृति में गुरु का स्वरूप सीमित नहीं,बल्कि विराट है।जहाँ कहीं से भी सत्य का प्रकाश प्राप्त हो,वही गुरु है।आज आवश्यकता इस बात की है कि हम गुरु पूर्णिमा को केवल औपचारिक कार्यक्रम या पुष्पांजलि तक सीमित न रखें।यदि हम वास्तव में इस पर्व का सम्मान करना चाहते हैं तो अपने जीवन में सत्य,अनुशासन, विनम्रता,सेवा,करुणा और आत्मसंयम को स्थान दें।यही महर्षि वेदव्यास के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी और यही भारतीय ऋषि-परम्परा का सम्मान भी।महर्षि वेदव्यास ने जिस ज्ञान-गंगा को प्रवाहित किया,वह आज भी उतनी ही निर्मल और प्रासंगिक है।वेदों का प्रकाश,उपनिषदों की अनुभूति, पुराणों की प्रेरणा और महाभारत का जीवन-दर्शन-इन सबका मूल उद्देश्य मनुष्य को उसके वास्तविक स्वरूप से परिचित कराना है।गुरु पूर्णिमा उसी अमर परम्परा का स्मरण- पर्व है,हमें बताती है कि जीवन का सर्वोच्च लक्ष्य केवल भौतिक समृद्धि नहीं, बल्कि आत्मिक उत्कर्ष है।अंततः गुरु पूर्णिमा हमें संदेश देती है कि गुरु के चरणों में झुकना किसी व्यक्ति के सामने झुकना नहीं, बल्कि ज्ञान,सत्य और सनातन संस्कृति के समक्ष विनम्र होना है।जब तक भारत की धरती पर गुरु-शिष्य परम्परा जीवित रहेगी,तब तक वेदों की वाणी, उपनिषदों का चिंतन,ऋषियों की तपश्चर्या और अध्यात्म का प्रकाश कभी मंद नहीं होगा।यही गुरु पूर्णिमा का सनातन संदेश है,यही भारतीय संस्कृति की आत्मा है और यही वह अमर ज्योति है जो युगों-युगों तक सम्पूर्ण मानवता का पथ आलोकित करती रहेगी।

संपादकीय

निजी आजादी पर रोक क्यों

देश में गाहे-बगाहे असहमति के अधिकार और व्यक्तिगत आजादी पर अंकुश लगाने के प्रयासों पर चर्चा होती ही रहती है। अब सुप्रीम कोर्ट के जज जस्टिस उज्ज्वल भुइयां के हालिया बयानों ने इस मुद्दे को एक बार फिर सार्वजनिक विमर्श का विषय बनाया है। दरअसल, पिछले हफ्ते भोपाल स्थित नेशनल लॉ इंस्टीट्यूट यूनिवर्सिटी में एक व्याख्यान देते हुए उन्होंने उत्तर प्रदेश में चौदह युवाओं की गिरफ्तारी और उन्हें लंबे समय तक हिरासत में रखने के मुद्दे पर तल्ख सवाल उठाए थे। दरअसल, मार्च 2026 में इन युवाओं पर आरोप लगा था कि उन्होंने उत्तर प्रदेश के वाराणसी में गंगा नदी में नाव की सवारी के दौरान इफ्तार के दौरान चिकन बिरयानी खाई थी और बिरयानी के बचे अवशेष नदी में डाल दिए थे। स्थानीय स्तर पर मामले के तूल पकड़ने के बाद इन चौदह युवाओं को गिरफ्तार किया गया था। जस्टिस उज्ज्वल भुइयां ने इस कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए कहा था कि गंगा नदी के ऊपर या किनारे चिकन बिरयानी खाना कोई कानूनी अपराध नहीं है। उनका कहना था कि किसी भी कानून में ऐसी गतिविधि पर रोक नहीं है। जस्टिस भुइयां ने इसके साथ ही शांतिपूर्ण असहमति को अपराध की श्रेणी में लाने के बढ़ते चलन पर भी चिंता जताई। दूसरे शब्दों में कहें तो उन्होंने भारतीय लोकतंत्र की सेहत से जुड़े ज्वलंत प्रश्नों को सार्वजनिक बहस का हिस्सा बनाया है। तो सवाल उठता है कि क्या केंद्र सरकार लोगों की निजी पसंद, अभिव्यक्ति की आजादी और विरोध करने के अधिकार पर रोक लगाने में हद से आगे बढ़ रही है? क्या नागरिकों को उन कामों के लिये उनकी आजादी से वंचित किया जा सकता है जो कुछ लोगों की भावनाओं को ठेस तो पहुंचा सकते हैं, लेकिन स्पष्ट रूप से अपराध की श्रेणी में नहीं आते? हाल-फिलहाल के घटनाक्रमों के आलोक में बीस जुलाई को दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रदर्शनकारियों पर पुलिस की कार्रवाई को देखते हुए, न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां की राय से असहमत होना मुश्किल ही कहा जाएगा। उनकी राय थी कि असहमति के लिये जगह कम होती जा रही है। दरअसल, हाल के वर्षों में अक्सर देखा गया है कि देश में पर्यावरण कार्यकर्ता, छात्र, विभिन्न संगठन और दूसरे नागरिक जो असहमति जताते हैं, उन्हें अक्सर आपराधिक मामलों का सामना करना पड़ता है। लेकिन सरकार प्रतिरोध के स्वरों की अनसुनी कर देती है। हालांकि,देर-सवेर अदालतें, अक्सर मामले के कानूनी प्रक्रिया में आने के बाद उन्हें राहत दे देती हैं। लेकिन अक्सर जमानत में होने वाली देरी और सख्त शर्तें अपने आप में सजा का ही एक रूप बन सकती हैं। निस्संदेह, इस आलोक में देश की न्यायपालिका को भी, जो संवैधानिक अधिकारों की संरक्षक भी है, अपनी भूमिका की नये सिरे से समीक्षा करनी चाहिए। सिर्फ न्यायिक फैसलों से ही आजादी की रक्षा नहीं की जा सकती। निर्विवाद रूप से प्रक्रिया से जुड़े सुरक्षा उपाय भी मायने रखते हैं क्योंकि प्रक्रिया खुद नागरिकों के जीवन पर असर डालती है। इस बात में दो राय नहीं हो सकती है कि सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस उज्ज्वल भुइयां की न्यायिक जवाबदेही की मांग बहुत सही समय पर सामने आई है। निर्विवाद रूप से आलोचना से अदालतें कमजोर नहीं होती हैं वरन जब उसके फैसलों की खुलकर समीक्षा की जाती है तो वे और मजबूत होती हैं। संस्थाओं में जनता का भरोसा उसकी कार्यशैली, तर्क और विनम्रता से ही आता है, न कि जांच-पड़ताल से बचने की प्रवृत्ति से। न्यायमूर्ति ने अपनी बात कहकर सार्वजनिक विमर्श के लिये इस मुद्दे को रख दिया है। अब देश के विभिन्न पक्षों को यह समझना होगा कि लोकतंत्र तभी अपनी गरिमा के साथ आगे बढ़ सकता है जब नागरिकों में वैचारिक आजादी की पर्याप्त जगह हो।

परिवार परम्परा एवं बिखरते रिश्ते पर सुप्रीम कोर्ट की चिंता

ललित गर्ग

परिवार केवल एक छत के नीचे रहने वाले लोगों का समूह नहीं, बल्कि विश्वास, त्याग, धैर्य और संस्कारों का जीवंत विद्यालय है। जब इस विद्यालय की नींव कमजोर होने लगती है तो उसका प्रभाव केवल एक घर तक सीमित नहीं रहता, बल्कि पूरा समाज उसकी कीमत चुकाता है। देश के बहुचर्चित सोनम रघुवंशी 'हनीमून मर्डर' प्रकरण की सुनवाई के दौरान सर्वोच्च न्यायालय की पीठ द्वारा व्यक्त की गई चिंता केवल एक अपराध पर की गई टिप्पणी नहीं थी, बल्कि भारतीय समाज के बदलते चरित्र का गहन सामाजिक विश्लेषण थी। न्यायमूर्ति एम. एम. सुंदरेश और न्यायमूर्ति पी. बी. वराले ने जिस पीड़ा के साथ कहा कि संयुक्त परिवार लोगों को धैर्य, संयम, सहनशीलता और समायोजन सिखाते थे, वहीं आज एकल परिवारों में अवसाद, असहिष्णुता और संबंधों का विघटन बढ़ रहा है, वह हमारे समय का कटु सत्य है।

माता-पिता और संतान, भाई-बहन, दादा-दादी और पोते-पोतियों के बीच भी भावनात्मक दूरी लगातार बढ़ रही है, यह परिवार परम्परा एवं रिश्तों में बढ़ती दूरी अब पति-पत्नी के बीच भी बड़ी दरारें डालने लगी है। रिश्तों का खोखलापन इतना बढ़ गया है कि अपनी ही पत्नी या पति की हत्या करने में भी तनिक संकोच नहीं रहा। ऐसे घटनाएं बार-बार देखने को मिल रही है। घर बड़े हो गए हैं, लेकिन दिल छोटे होते जा रहे हैं। सुविधाएं बढ़ी हैं, परंतु संवेदनाएं सिकुड़ती जा रही हैं। संवाद कम हो गए हैं और स्क्रीन का समय बढ़ गया है। परिणामस्वरूप रिश्ते धीरे-धीरे औपचारिकता में बदलते जा रहे हैं। हाल के वर्षों में विवाह से पहले अथवा विवाह के कुछ ही दिनों बाद हुई इन नृशंस हत्याओं ने पूरे देश को झकझोर दिया है। यह केवल कानून-व्यवस्था का प्रश्न नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना के पतन का संकेत है। जिन परिवारों में धन, प्रतिष्ठा और भौतिक सुख-सुविधाओं की कोई कमी नहीं थी, वहीं जीवन का सबसे बड़ा अभाव विश्वास और संतोष का था। संत कबीर का यह वचन आज पहले से अधिक प्रासंगिक प्रतीत होता है- 'जब आए संतोष धन, सब धन धूरि समान।' भौतिक संपन्नता कभी भी मानसिक शांति और रिश्तों की ऊष्मा नहीं खरीद सकती।

भारतीय संस्कृति ने परिवार को केवल सामाजिक संस्था नहीं माना, बल्कि धर्म, संस्कृति और जीवन-मूल्यों का प्रथम विद्यालय माना है। संयुक्त परिवार में दादा-दादी केवल बुजुर्ग नहीं होते थे, वे अनुभवों के विश्वविद्यालय होते थे। नाना-नानी केवल रिश्तेदार नहीं, बल्कि संस्कारों के संरक्षक होते थे। बच्चों को कहानियों के माध्यम से धैर्य, करुणा, क्षमा, संयम और त्याग का पाठ पढ़ाया जाता था। घर का हर सदस्य दूसरे के दुःख का सहभागी होता था। इसलिए किसी एक व्यक्ति का तनाव पूरे परिवार की शक्ति से हल्का हो जाता था। आज यह सुरक्षा-कवच तेजी से टूट रहा है। महत्वाकांक्षाओं की अंधी दौड़ में पति-पत्नी दोनों कार्यस्थल पर व्यस्त हैं। बच्चों का बचपन मोबाइल, टैबलेट और घरेलू सहायिकाओं के भरोसे बीत रहा है। जब बच्चा रोता है तो उसे गोद नहीं, मोबाइल थमा दिया जाता है। यह सुविधा का समाधान नहीं, संवेदनाओं का विस्थापन है। सुप्रीम कोर्ट की यह टिप्पणी कि 'भावनाओं का विकल्प गैजेट्स नहीं हो सकते', हमारे समय की सबसे महत्वपूर्ण सामाजिक चेतावनी है।

डिजिटल क्रांति ने जीवन को सरल अवश्य बनाया है, लेकिन यदि तकनीक मनुष्य पर हावी हो जाए तो वह संबंधों की सबसे बड़ी शत्रु बन जाती है। आज परिवार एक ही कमरे में बैठकर भी अलग-अलग दुनिया में खोया रहता है। भोजन की मेज पर संवाद समाप्त हो गया है। आंखों में आंखें डालकर बातें करने की परंपरा लुप्त होती जा रही है। इससे भावनात्मक जुड़ाव कमजोर पड़ रहा है और अकेलापन बढ़ रहा है। इस पूरे संकट की जड़ केवल आधुनिकता नहीं है। समस्या आधुनिकता के असंतुलित और अंधानुकरण में है। पश्चिम से हमने तकनीक तो अपनाई, लेकिन उसकी सामाजिक चुनौतियों से सीख नहीं ली। अब पति और पत्नी के बीच तीसरा आना आम बात हो गयी है, और यही तीसरा समस्या की जड़ है। इस तरह के अवैध रिश्तों ने त्रासद घटनाओं को जन्म दिया है।

भारतीय परिवार व्यवस्था की सबसे बड़ी विशेषता थी-'मैं' से पहले 'हम' का भाव। आज 'हम' की जगह 'मैं' ने ले ली है। अधिकारों की चर्चा तो बहुत होती है, लेकिन कर्तव्यों का स्मरण बहुत कम होता है। रिश्तों में बढ़ता अहंकार भी विघटन का बड़ा कारण है। पति-पत्नी दोनों अपने-अपने तर्कों को अंतिम सत्य मानने लगे हैं। कोई झुकना नहीं चाहता। जबकि भारतीय परंपरा ने सिखाया था कि झुकना हार नहीं, बल्कि संबंधों को बचाने की सबसे बड़ी जीत है। क्षमा और संवाद हर टूटते रिश्ते की पहली दवा हैं, किंतु आज संवाद की जगह आरोप और क्षमा की जगह प्रतिशोध ने ले ली है। यह भी विचारणीय है कि आज विवाह को जीवनभर का संस्कार नहीं, बल्कि सुविधानुसार निभाया जाने वाला अनुबंध समझा जाने लगा है। यही कारण है कि छोटी-छोटी असहमतियां भी अदालतों तक पहुंच रही हैं। न्यायालय न्याय दे सकता है, लेकिन प्रेम नहीं लौटा सकता। कानून अधिकारों का संरक्षण कर सकता है, लेकिन आत्मीयता का निर्माण नहीं कर सकता। इसलिए पारिवारिक समस्याओं का स्थायी समाधान न्यायालयों में नहीं, परिवारों के भीतर ही खोजा जाना चाहिए।

भारत आज विश्वगुरु बनने का स्वप्न देख रहा है। आर्थिक प्रगति, वैज्ञानिक उपलब्धियां, डिजिटल नवाचार और वैश्विक नेतृत्व निश्चित रूप से गर्व के विषय हैं। लेकिन यदि हमारी सबसे बड़ी सांस्कृतिक शक्ति 'संयुक्त परिवार' कमजोर हो जाएगी, तो यह प्रगति अधूरी रह जाएगी। विश्व भारत से केवल आर्थिक शक्ति की अपेक्षा नहीं करता, बल्कि उन जीवन-मूल्यों की भी अपेक्षा करता है जिन्होंने हजारों वर्षों तक इस सभ्यता को जीवित रखा है। विश्वगुरु वही बन सकता है जो अपने परिवारों को भी मजबूत रख सके। जिस समाज में माता-पिता उपेक्षित हों, बुजुर्ग अकेले हों, बच्चे भावनात्मक रूप से असुरक्षित हों और पति-पत्नी विश्वास के संकट से जूझ रहे हों, वह केवल आर्थिक महाशक्ति बन सकता है, सांस्कृतिक महाशक्ति नहीं।

समय आ गया है कि परिवारों में पुनः संवाद की संस्कृति विकसित की जाए। सप्ताह में कुछ समय ऐसा हो जब पूरा परिवार बिना मोबाइल के साथ बैठे। बच्चों को केवल अच्छी शिक्षा ही नहीं, अच्छे संस्कार भी मिलें। विद्यालयों में जीवन-मूल्य और भावनात्मक शिक्षा को महत्व दिया जाए। विवाह-पूर्व परामर्श, पारिवारिक परामर्श और मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता को सामाजिक आंदोलन का रूप दिया जाए। सबसे महत्वपूर्ण बात यह कि परिवार में बुजुर्गों की भूमिका को पुनः सम्मानपूर्वक स्थापित किया जाए, क्योंकि वे केवल अतीत के प्रतीक नहीं, बल्कि भविष्य के मार्गदर्शक हैं। सर्वोच्च न्यायालय की टिप्पणी किसी न्यायिक टिप्पणी भर नहीं, बल्कि समाज के लिए चेतावनी का शंखनाद है। यदि हमने अभी भी अपने परिवारों को बचाने का प्रयास नहीं किया तो आने वाले वर्षों में केवल अदालतों में मुकदमे नहीं बढ़ेंगे, बल्कि समाज की संवेदनाएं भी समाप्त होती जाएंगी।

भारतीय संस्कृति का मूल मंत्र है- 'वसुधैव कुटुम्बकम्।' लेकिन जो समाज अपने ही परिवार को नहीं बचा पाएगा, वह पूरी दुनिया को परिवार कैसे मान सकेगा? आज आवश्यकता नई इमारतें बनाने की नहीं, बल्कि बिखरते घरों को जोड़ने की है। नई तकनीक विकसित करने की नहीं, बल्कि टूटते संवादों को पुनर्जीवित करने की है। नई पीढ़ी को केवल सफल बनाने की नहीं, बल्कि संवेदनशील बनाने की है। यदि भारत को सचमुच विश्वगुरु बनना है, तो उसकी शुरूआत संसद, न्यायालय या विश्वविद्यालयों से नहीं, बल्कि हर घर के आंगन से होगी। संयुक्त परिवार की आत्मा, रिश्तों की गरिमा, संवाद की संस्कृति और संस्कारों की विरासत को पुनर्जीवित करना ही इस युग की सबसे बड़ी राष्ट्रीय आवश्यकता है। यही सुप्रीम कोर्ट की चिंता का वास्तविक संदेश है और यही भारतीय सभ्यता के भविष्य की सबसे बड़ी आशा भी।

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

बाघ संरक्षण में भारत सबसे आगे : बाघों की सुरक्षा, पारिस्थितिकी तंत्र का संरक्षण

बिहान भारत

भारत ने विज्ञान आधारित नीतियों और मजबूत संस्थागत सहयोग के माध्यम से बाघ संरक्षण के क्षेत्र में विश्व भर में सबसे आगे अपनी पहचान बनाई है। अब देश विश्व के लगभग 70% जंगली बाघों का घर है। तकनीक-आधारित निगरानी, प्रभावी शासन और सामुदायिक भागीदारी ने संरक्षण को और मजबूत किया है। भारत बाघों और उनके प्राकृतिक आवासों के भविष्य को सुरक्षित करने के लिए वैश्विक सहयोग को भी बढ़ावा दे रहा है।

फलते-फूलते बाघ, मजबूत पारिस्थितिकी तंत्र

हर साल 29 जुलाई को मनाया जाने वाला 'अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस' बाघ संरक्षण के वैश्विक महत्व को उजागर करता है। भारत के लिए, यह विज्ञान-आधारित संरक्षण और सतत विकास के प्रति सरकार की दीर्घकालिक प्रतिबद्धता को दोहराता है। यह दिन भारत की उल्लेखनीय संरक्षण उपलब्धियों को भी प्रदर्शित करता है। आज, भारत में दुनिया की सबसे बड़ी जंगली बाघों की आबादी है, जो वैश्विक स्तर पर सभी जंगली बाघों का लगभग 70% है। यह सफलता दशकों के निरंतर नीतिगत समर्थन, वैज्ञानिक प्रबंधन और सामुदायिक भागीदारी को दशार्ती है, जिससे भारत बाघ संरक्षण में एक वैश्विक अग्रणी के रूप में स्थापित हुआ है।

यह उपलब्धि बाघ के साथ भारत के गहरे सांस्कृतिक और पारिस्थितिक जुड़ाव पर आधारित है। सदियों से, पुराने सिक्कों, शाही मुहरों और मंदिरों की नक्काशी में बाघ को ताकत और प्रभुत्व के प्रतीक के रूप में दिखाया गया है। इस लंबे समय से चली आ रही विरासत को पहचानते हुए, सरकार ने 1972 में रॉयल बंगाल टाइगर को राष्ट्रीय पशु घोषित किया। आज भी, बाघ भारत की समृद्ध जैव-विविधता, पारिस्थितिक संपदा और विविध इलाकों में फैली साझा प्राकृतिक विरासत का प्रतिनिधित्व करता है।

बाघ का सांस्कृतिक महत्व तो है ही, साथ ही यह पारिस्थितिकी तंत्र में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। शीर्ष शिकारी और 'अंब्रेला प्रजाति' (संरक्षण छत्र) होने के नाते, यह स्वस्थ वन पारिस्थितिकी तंत्र को बनाए रखने में सहायक होता है। बाघों के प्राकृतिक आवासों का संरक्षण वनों, नदियों और अनगिनत अन्य प्रजातियों की रक्षा करता है। ये वन जल नियंत्रण, मृदा संरक्षण करते हैं, परागण में सहयोग प्रदान करते हैं और स्थानीय जलवायु को संतुलित रखते हैं। ये आपदा जोखिम को भी कम करते हैं और पारिस्थितिकी तंत्र सेवाएं प्रदान करते हैं जो ग्रामीण आजीविका और शहरी अर्थव्यवस्थाओं को आधार देती हैं। बाघों और उनके आवासों की रक्षा करके, सरकार जैव विविधता संरक्षण को मजबूत कर रही है, पारिस्थितिक सुरक्षा को बढ़ा रही है और सतत विकास के माध्यम से 'विकसित भारत' के संकल्प को आगे बढ़ा रही है।

क्या आप जानते हैं?

अंतरराष्ट्रीय बाघ दिवस की शुरूआत नवंबर 2010 में आयोजित 'सेंट पीटर्सबर्ग टाइगर समिट' से हुई थी। भारत सहित 13 बाघ-रेंज वाले देशों के नेताओं ने 2022 तक दुनिया भर में जंगली बाघों की आबादी को दोगुना करने का महत्वाकांक्षी 'टी७2' लक्ष्य अपनाया था। आज, यह संरक्षण की प्रगति की समीक्षा करने, अंतरराष्ट्रीय सहयोग को मजबूत करने और जागरूकता बढ़ाने के लिए एक वैश्विक मंच के रूप में कार्य करता है। 2010 में, विश्व स्तर पर केवल लगभग 3,200 जंगली बाघ होने का अनुमान था। 2022 तक, बेहतर संरक्षण और वैज्ञानिक निगरानी से यह अनुमान बढ़कर लगभग 4,500 हो गया, जिसमें 3,700 से 5,600 बाघों की संभावित सीमा शामिल है। हालिया वैश्विक अनुमानों के अनुसार, दुनिया भर में लगभग 5,711 जंगली बाघ हैं, जो 2010 के बाद से लगभग 78% की वृद्धि को दशार्ता है।

बाघों की संख्या में वृद्धिः संकट से उबरने तक का सफर

भारत की बाघ संरक्षण की कोशिशें वन्यजीवों की संख्या बढ़ाने के मामले में दुनिया के लिए एक मिसाल बन गई हैं। 2006 के बाद से देश में वैज्ञानिक तरीके से गिनी गई बाघों की संख्या दोगुनी से भी ज्यादा हो गई है। 'अखिल भारतीय बाघ अनुमान (2022)' के अनुसार, भारत में बाघों की संख्या 3,682 है। 2022 के इस अखिल भारतीय बाघ अनुमान में 20 राज्यों को शामिल किया गया और 6.41 लाख किलोमीटर से अधिक का क्षेत्र पैदल तय करके सर्वेक्षण किया गया। यह दुनिया के सबसे बड़े और सबसे व्यापक वन्यजीव सर्वेक्षण में से एक है। बाघों की संख्या में यह शानदार बढ़ोतरी लगातार मिल रहे नीतिगत समर्थन, विज्ञान-आधारित संरक्षण और मजबूत संस्थागत कामकाज का नतीजा है। लंबे समय तक प्राकृतिक आवास की सुरक्षा, कड़ी निगरानी और तालमेल के साथ काम करने से पूरे भारत में बाघ संरक्षण को और मजबूती मिल रही है।

बाघ संरक्षण के लिए मजबूत प्रशासनिक ढांचा

भारत की बाघ संरक्षण नीति में लंबे समय की सोच और राष्ट्रीय व राज्य स्तर पर लगातार संस्थागत सहयोग का मेल है। 'प्रोजेक्ट टाइगर', राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) और बाघ संरक्षण योजनाएं मिलकर बाघों के प्राकृतिक आवास के लिए एक मजबूत और विज्ञान आधारित प्रशासनिक ढांचा तैयार करते हैं।

प्रोजेक्ट टाइगर

प्रोजेक्ट टाइगर भारत सरकार की एक प्रमुख केंद्रीय प्रायोजित योजना है। इसे पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा लागू किया जाता है। इस योजना का मकसद बाघों की आबादी को उनके प्राकृतिक आवासों में सुरक्षित रखना है। यह संरक्षण के प्रयासों के लिए बाघ वाले राज्यों को वित्तीय और तकनीकी सहायता देता है। इस कार्यक्रम में आवास की सुरक्षा, वैज्ञानिक प्रबंधन और नियमित रूप से जमीनी स्तर पर निगरानी को शामिल किया गया है। इस तरीके ने समय के साथ संरक्षण के उपायों को मजबूत किया है।

राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) की रिपोर्ट (2023) के अनुसार, 'प्रोजेक्ट टाइगर' ने 18 बाघ-रेंज वाले राज्यों में 58 बाघ अभ्यारण्य का एक नेटवर्क स्थापित किया है। ये अभ्यारण्य लगभग 84,500 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र को कवर करते हैं, जो भारत के भौगोलिक क्षेत्रफल का लगभग 2.56% है। आज, 'प्रोजेक्ट टाइगर' भारत के वन्यजीव संरक्षण प्रयासों की एक आधारशिला बना हुआ है और यह बाघों तथा उनके प्राकृतिक आवासों की सुरक्षा के प्रति सरकार की दीर्घकालिक प्रतिबद्धता को दशार्ता है।

क्या आप जानते हैं?

वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम , (डब्ल्यूपीए), 1972 की धारा 38 श (3) के तहत प्रत्येक राज्य सरकार के लिए प्रत्येक बाघ अभ्यारण्य के लिए एक 'बाघ संरक्षण योजना' तैयार करना अनिवार्य है। ऐसी योजनाओं को बाघ अभ्यारण्य की सुरक्षा सुनिश्चित करनी चाहिए और बाघों, उनके साथ शिकार करने वाले अन्य जानवरों तथा उनका शिकार बनने वाले जानवरों की आबादी को बनाए रखने के लिए उपयुक्त आवास सुविधाएं प्रदान करनी चाहिए।

राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) 'प्रोजेक्ट टाइगर' और उससे जुड़ी संरक्षण पहलों के कार्यान्वयन की निगरानी करता है। एनटीसीए बाघ-रेंज वाले राज्यों को वैज्ञानिक, तकनीकी और वित्तीय मार्गदर्शन प्रदान करता है। यह 'बाघ संरक्षण योजनाओं' को मंजूरी देता है और अभ्यारण्य प्रबंधन के लिए मानक संचालन प्रक्रियाएं (एसओपी) जारी करता है। यह प्राधिकरण आवधिक आकलनों के माध्यम से बाघ अभ्यारण्य के प्रबंधन की निगरानी भी करता है। इसका विज्ञान आधारित दृष्टिकोण आवास संरक्षण में सुधार करता है, संरक्षण के परिणामों को बेहतर बनाता है और पूरे भारत में जंगली बाघों के लंबे समय तक बचे रहने में मदद करता है।

क्या आप जानते हैं?

एनटीसीए की अध्यक्षता केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री करते हैं। इसमें संसद सदस्य, वरिष्ठ सरकारी अधिकारी और विशेषज्ञ भी शामिल होते हैं। यह प्राधिकरण बाघ संरक्षण का मार्गदर्शन करता है, बाघ अभ्यारण्य की देखरेख करता है और पूरे देश में 'प्रोजेक्ट टाइगर' का प्रभावी कार्यान्वयन सुनिश्चित करता है।

टाइगर टास्क फोर्स

भारत सरकार ने संरक्षण नीतियों का पुनपरीक्षण करने और सुधारों की सिफारिश करने के लिए 'टाइगर टास्क फोर्स' का गठन किया था। टाइगर टास्क फोर्स ने भारत के बाघ संरक्षण ढांचे की समीक्षा की और महत्वपूर्ण नीतिगत सुधारों की सिफारिश की। इससे प्रशासनिक विशेषज्ञ, पारिस्थितिकीविद और सामुदायिक प्रतिनिधि एक मंच पर आये। टास्क फोर्स ने पारदर्शिता, सामुदायिक भागीदारी और 'प्रोजेक्ट टाइगर' के लिए मजबूत संस्थागत सहयोग पर जोर दिया। इसकी सिफारिशों ने एक अधिक सुदृढ़ संरक्षण ढांचे को आकार दिया। इनके परिणामस्वरूप 2006 में वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम में महत्वपूर्ण संशोधन किए गए। इन संशोधनों ने राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) और वन्यजीव अपराध नियंत्रण ब्यूरो (डब्ल्यूसीसीबी) को वैधानिक निकायों के रूप में स्थापित किया।

भारत का बाघ संरक्षण ढांचा संस्थानों और सहकारी संघवाद पर आधारित एक मजबूत शासन मॉडल को दशार्ता है। यह एकीकृत दृष्टिकोण भारत की जैव विविधता को आगे बढ़ाते हुए बाघों के भविष्य को सुरक्षित करने में मदद कर रहा है।

क्या आप जानते हैं?

भारत के बाघ अभ्यारण्य 'लैंडस्केप-आधारित संरक्षण दृष्टिकोण का पालन करते हैं। प्रत्येक अभ्यारण्य में एक 'कोर क्षेत्र' (जिसे क्रिटिकल टाइगर हैबिटेट या संकटग्रस्त बाघ आवास भी कहा जाता है) और एक 'बफर क्षेत्र' शामिल होता है। कोर क्षेत्रों को सर्वोच्च स्तर की सुरक्षा प्राप्त होती है। बफर क्षेत्र संरक्षण और सतत आजीविका के बीच संतुलन बनाए रखते हैं। इसके अलावा, वन्यजीव गलियारे बाघ अभ्यारण्य को आपस में जोड़ते हैं, जिससे बाघों की सुरक्षित आवाजाही संभव होती है और पूरे क्षेत्र में उनकी स्वस्थ आबादी बनी रहती है।

भारत में बाघों की निगरानी और मूल्यांकन

भारत ने बाघों की आबादी की निगरानी और मूल्यांकन के लिए एक मजबूत, विज्ञान आधारित प्रणाली विकसित की है। यह दृष्टिकोण मैदानी सर्वेक्षणों, कैमरा ट्रैप, डिजिटल तकनीकों और वैज्ञानिक विश्लेषण को जोड़ता है। यह बाघों की आबादी, शिकार की प्रजातियों और आवास की गुणवत्ता पर विश्वसनीय डेटा उत्पन्न करता है। यह जानकारी साक्ष्य-आधारित संरक्षण नियोजन और अनुकूलनीय प्रबंधन का मार्गदर्शन करती है। निरंतर निगरानी आवास संरक्षण को मजबूत करती है और संपूर्ण बाघ क्षेत्रों में सुविचारित प्रबंधकीय निर्णयों को सक्षम बनाती है।

अखिल भारतीय बाघ अनुमान (एआईटीइ): दुनिया का सबसे बड़ा जैव विविधता सर्वेक्षण

एआईटीइ दुनिया का सबसे बड़ा जैव विविधता सर्वेक्षण है। हर चार साल में आयोजित होने वाले इस सर्वेक्षण का नेतृत्व एनटीसीए, भारतीय वन्यजीव संस्थान के सहयोग से करता है। यह सभी बाघ-समृद्ध राज्यों में बाघों की आबादी, सह-शिकारियों, बाघ का शिकार होने वाली प्रजातियों और आवास की गुणवत्ता का आकलन करता है। 2022 के मूल्यांकन में भारत का खुरदार जानवरों (अंगुलेट्स) का पहला देशव्यापी सर्वेक्षण भी शामिल था। इस अभ्यास ने सक्षम बाघों की आबादी को बनाए रखने के लिए स्वस्थ शिकार आबादी के महत्व पर प्रकाश डाला।

क्या आप जानते हैं?

अखिल भारतीय बाघ अनुमान को दुनिया के सबसे बड़े जैव विविधता सर्वेक्षण के रूप में मान्यता प्राप्त है। एनटीसीए का 'कैमरा ट्रैप सर्वेक्षण' दुनिया के सबसे बड़े कैमरा ट्रैप वन्यजीव सर्वेक्षण के रूप में 'गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड' भी दर्ज कर चुका है। उन्नत प्रौद्योगिकियों और वैज्ञानिक निगरानी का यह संयोजन भारत के बाघ अनुमान को दुनिया में सबसे सटीक और कठोर सर्वेक्षणों में से एक बनाता है।

प्रौद्योगिकी आधारित निगरानी

भारत ने बाघों की निगरानी के हर चरण में उन्नत डिजिटल तकनीकों को एकीकृत किया है। बाघों की निगरानी प्रणाली-गहन संरक्षण और पारिस्थितिक स्थिति (एम-स्ट्राइप्स) क्षेत्र निगरानी के लिए जीपीएस, जीपीआरएस और रिमोट सेंसिंग तकनीकों का उपयोग करती है। जीपीएस टैग वाली तस्वीरें डेटा की सटीकता बढ़ाती हैं और मानवीय त्रुटियों को कम करती हैं। यह प्लेटफॉर्म वैज्ञानिक विश्लेषण और सूचित निर्णय लेने के लिए क्षेत्र के अवलोकनों को एक केंद्रीय डेटाबेस में एकीकृत करता है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता निगरानी को और मजबूत बनाती है। कैमरा ट्रैप डेटा रिपॉजिटरी और विश्लेषण उपकरण (कैट्रैट) कैमरा ट्रैप छवियों को प्रजातियों के अनुसार स्वचालित रूप से वगीर्कृत करता है। 'एक्सट्रैक्टकम्पेयर' अद्वितीय धारीदार पैटर्न का उपयोग करके अलग-अलग बाघों की पहचान करता है। ये सभी उपकरण मिलकर बाघों की जनसंख्या के अनुमानों की सटीकता और विश्वसनीयता में सुधार करते हैं।

प्रबंधन प्रभावशीलता मूल्यांकन (एमईई):

एमईई यह आकलन करता है कि बाघ अभ्यारण्य का प्रबंधन कितनी अच्छी तरह किया जा रहा है। यह ढांचा नियोजन, सुरक्षा, प्रबंधन प्रक्रियाओं और संरक्षण के परिणामों का मूल्यांकन करता है। यह प्रबंधन की कमियों को पहचानने और जवाबदेही को मजबूत करने में मदद करता है। 2022 तक, इस ढांचे के तहत 51बाघ अभ्यारण्यों का मूल्यांकन किया जा चुका था। बारह अभ्यारण्यों को 'उत्कृष्ट' रेटिंग मिली, जबकि औसत प्रबंधन स्कोर 78% तक पहुंच गया। ये निष्कर्ष नीतिगत निर्णयों का मार्गदर्शन करते हैं, अभ्यारण्यों के प्रबंधन को मजबूत करते हैं और दीर्घकालिक संरक्षण नियोजन का समर्थन करते हैं।

बाघ संरक्षण में भारत का वैश्विक नेतृत्व

भारत बाघ और वन्यजीव संरक्षण को मजबूत करने के लिए दुनियाभर के देशों के साथ सक्रिय रूप से सहयोग कर रहा है। प्रमुख साझेदारियों में नेपाल और भूटान के साथ सीमा पार जैव विविधता संरक्षण शामिल है। म्यांमार के साथ किया जा रहा सहयोग लकड़ी की तस्करी से निपटने और बाघों तथा अन्य वन्यजीवों के संरक्षण पर केंद्रित है। भारत कैमरा ट्रैप डेटा प्रबंधन पर और 'बाघ एवं तेंदुए के संरक्षण पर भारत-रूस कार्य उप-समूह' के माध्यम से रूस के साथ भी सहयोग करता है। बोत्सवाना, दक्षिण अफ्रीका, ग्वाटेमाला, कंबोडिया, केन्या और नामीबिया के साथ साझेदारियां वन्यजीव संरक्षण, प्रबंधन और जैव विविधता के संवहनीय उपयोग को मजबूत करती हैं। भारत ने बाघ संरक्षण पर चीन के साथ द्विपक्षीय सहयोग भी स्थापित किया है। ये साझेदारियां विज्ञान, सहयोग और साझा कार्रवाई के माध्यम से वैश्विक वन्यजीव संरक्षण के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को और मजबूत करती हैं।

इंटरनेशनल बिग कैट एलायंस (आईबीसीए)

आईबीसीए 95 बिग कैट (व्याघ्र प्रजाति) रेंज और साझेदार देशों, वैज्ञानिक संगठनों तथा संरक्षण साझेदारों का एक वैश्विक गठबंधन है। यह गठबंधन सात व्याघ्र प्रजातियों –बाघ, शेर, तेंदुआ, हिम तेंदुआ, चीता, जगुआर और प्यूमा के संरक्षण के लिए सहयोग को बढ़ावा देता है। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 12 मार्च 2024 को इसकी स्थापना को मंजूरी दी थी और इसका सचिवालय भारत में स्थित है। भारत के वैश्विक स्तर पर मान्यता प्राप्त बाघ संरक्षण अनुभव के आधार पर, आईबीसीए व्याघ्र प्रजातियों और उनके प्राकृतिक आवासों की सुरक्षा के लिए अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को मजबूत करता है।

ग्लोबल टाइगर फोरम (जीटीएफ)

जीटीएफ दुनिया का एकमात्र ऐसा अंतर-सरकारी संगठन है जो पूरी तरह से बाघों के संरक्षण के लिए समर्पित है। इसका मुख्यालय नई दिल्ली में है और यह संगठन बाघों वाले 13 देशों–बांग्लादेश, भूटान, कंबोडिया, चीन, भारत, इंडोनेशिया, लाओ पीडीआर, मलेशिया, म्यांमार, नेपाल, रूस, थाईलैंड और वियतनाम–को एक मंच पर लाता है। यह फोरम बाघों, उनके शिकार और उनके प्राकृतिक आवासों के संरक्षण के लिए एक साझा तरीका अपनाता है। यह सदस्य देशों में बाघ संरक्षण को मजबूत करने के लिए बड़े पैमाने पर संरक्षण (लैंडस्केप-स्केल कंजर्वेशन), क्षेत्रीय क्षमता निर्माण और तकनीकी इनोवेशन में मदद करता है। जानकारी साझा करने और अंतरराष्ट्रीय सहयोग के जरिए, जीटीएफ वैश्विक बाघ संरक्षण में भारत के नेतृत्व को और मजबूत करता है।

एकीकृत बाघ आवास संरक्षण कार्यक्रम (आईटीएचसीपी)

आईटीएचसीपी प्रकृति संरक्षण के लिए अंतर्राष्ट्रीय संघ (आईयूसीएन) की एक प्रमुख बाघ संरक्षण पहल है। यह कार्यक्रम जर्मन सरकार द्वारा 'केएफडब्ल्यू डेवलपमेंट बैंक' के माध्यम से वित्तपोषित है। यह एशिया में प्राथमिकता वाले बाघ परिदृश्यों में विज्ञान-आधारित संरक्षण परियोजनाओं का समर्थन करता है। यह आवास संरक्षण, परिदृश्य-स्तरीय (लैंडस्केप-लेवल) संरक्षण और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देता है। भारत आईटीएचसीपी कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से भाग लेता है, जिससे बाघों और उनके प्राकृतिक आवासों के संरक्षण के क्षेत्रीय प्रयासों को मजबूती मिलती है।

क्या आप जानते हैं?

कंजर्वेशन एश्योर्ड टाइगर स्टैंडर्ड्स एक वैश्विक प्रमाणन प्रणाली है, जो विशेष रूप से बाघ संरक्षण क्षेत्रों के प्रभावी प्रबंधन को सुनिश्चित करती है। इसे 2013 में जापान में आयोजित प्रथम एशियाई पार्क कांग्रेस में शुरू किया गया था। यह सुरक्षा, आवास प्रबंधन, सामुदायिक भागीदारी और वन्यजीव निगरानी के लिए मानक निर्धारित करता है।

कंजर्वेशन एश्योर्ड टाइगर स्टैंडर्ड्स बाघों के लिए सुरक्षित, संवहनीय वातावरण तैयार करने और वैश्विक जैव विविधता को संरक्षित करने के प्रयासों का समर्थन करता है।

कंजर्वेशन एश्योर्ड टाइगर स्टैंडर्ड्स ने 23 भारतीय टाइगर रिजर्वों को मान्यता दी है, जिससे संरक्षण में वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं का पालन सुनिश्चित होता है।

भारत की अंतरराष्ट्रीय साझेदारियां, सीमा के पार बाघों के संरक्षण के लिए सामूहिक प्रयासों को मजबूत कर रही हैं। जानकारी, तकनीक और बेहतरीन तौर-तरीकों को साझा कर-के, भारत बाघों और उनके प्राकृतिक आवासों की सुरक्षा के वैश्विक प्रयासों को आगे बढ़ा रहा है।

बाघों के लिए सुरक्षित भविष्य की ओर

भारत के लिए बाघों का संरक्षण, लगातार बदलने वाली और महत्वपूर्ण प्राथमिकता बनी हुई है। भविष्य को देखते हुए, भारत का लक्ष्य ऐसे आपस में जुड़े और जलवायु परिवर्तन का सामना करने में सक्षम बाघों के इलाके बनाना है, जो वन्यजीवों और लोगों, दोनों के लिए फायदेमंद हों। डेटा-संचालित निगरानी, तकनीक-सक्षम सुरक्षा और अग्रिम पंक्ति के कर्मचारियों के क्षमता निर्माण में निरंतर निवेश इस दृष्टिकोण को साकार करने में मदद करेगा। बाघों वाले अन्य देशों और वैश्विक सहयोगियों के साथ मिलकर काम करने से जानकारी साझा करने और संरक्षण के सामूहिक प्रयासों को मजबूत करने में भी मदद मिलेगी। 'अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस' नागरिकों, खासकर युवाओं को इस भविष्य-उन्मुख एजेंडे से जोड़ने का एक नियमित मौका देता है। भारत का लक्ष्य मजबूत नीतिगत दिशा को निरंतर कार्यान्वयन के साथ जोड़कर, अपनी बाघ संरक्षण यात्रा को वैश्विक नेतृत्व के मार्ग पर बनाए रखना है।

गुजरात में मेमू ट्रेन का इंजन पटरी से उतरा, बड़ा हादसा टला

वलसाड (एजेंसी)। गुजरात के वलसाड जिले में मंगलवार सुबह एक बड़ा रेल हादसा टल गया। उमरगाम तालुका स्थित भिलाड रेलवे स्टेशन पर विरार से भरूच की ओर जा रही मेमू ट्रेन संख्या 19101 प्लेटफॉर्म नंबर 1 पर पहुंचने से ठीक पहले दुर्घटनाग्रस्त हो गई। सुबह 6 बजकर 27 मिनट पर घटी इस घटना में ट्रेन के फ्रंट डीएमसी यानी इंजन कोच के चार पहिए पटरी से नीचे उतर गए। अचानक हुए इस हादसे से स्टेशन परिसर और ट्रेन के भीतर सवार यात्रियों में कुछ देर के लिए हड़कंप मच गया। राहत की बात यह रही कि इस डिरेलमेंट में किसी भी यात्री या रेलवे कर्मचारी को चोट नहीं आई है और सभी पूरी तरह सुरक्षित हैं। घटना के समय ट्रेन में बड़ी संख्या में दैनिक यात्री, मजदूर, नौकरीपेशा लोग और स्कूल-कॉलेज के छात्र सवार थे। ट्रेन के रुकते ही हड़बड़ाहट में यात्री डिब्बों से बाहर आ गए। घटना की जानकारी मिलते ही रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी और तकनीकी दल तुरंत मौके पर पहुंचे। पश्चिम रेलवे के मुंबई सेंट्रल डिवीजन के अनुसार, स्थिति को सामान्य करने के लिए वलसाड से एक्सीडेंट रिलीफ ट्रेन (एआरटी) और मेडिकल इक्विपमेंट की टीमों को दुर्घटनास्थल के लिए रवाना कर दिया गया। पटरी से उतरे डीएमसी कोच को दोबारा ट्रैक पर लाने का काम युद्धस्तर पर शुरू कर दिया गया है। इस घटना के कारण मुंबई-अहमदाबाद मुख्य रेल मार्ग पर ट्रेनों का परिचालन आंशिक रूप से प्रभावित होने की संभावना व्यक्त की जा रही है, जिससे कुछ ट्रेनों की आवाजाही में देरी हो सकती है। रेलवे प्रशासन ने पटरी से उतरने के सटीक कारणों का पता लगाने के लिए उच्चस्तरीय जांच के आदेश दे दिए हैं। तकनीकी विशेषज्ञों की टीम ट्रैक की स्थिति और इंजन की मैकेनिकल जांच कर रही है, जिसके बाद ही हादसे के वास्तविक कारणों की पुष्टि हो सकेगी।

संसद परिसर में एनडीए सांसदों का प्रदर्शन, पंजाब के शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद भवन परिसर में मंगलवार को एनडीए सांसदों ने पंजाब में सामने आए कथित परीक्षा अनियमितता के मामले को लेकर प्रदर्शन किया। भाजपा और उसके सहयोगी दलों के सांसदों ने पंजाब के शिक्षा मंत्री हरजोत बैंस के इस्तीफे की मांग करते हुए राज्य सरकार पर परीक्षा व्यवस्था में लापरवाही का आरोप लगाया। एनडीए सांसदों का कहना है कि पंजाब के फरीदकोट स्थित बाबा फरीद यूनिवर्सिटी में फार्मेसी परीक्षा के दौरान नकल का मामला सामने आया था, जिसने परीक्षा प्रणाली की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े किए हैं। इस मामले में पुलिस ने जांच के दौरान कुछ लोगों को गिरफ्तार भी किया है। प्रदर्शन कर रहे सांसदों ने कहा कि जब देशभर में पेपर लीक और परीक्षा पारदर्शिता को लेकर गंभीर बहस चल रही है, ऐसे समय में राज्य सरकार को इस मामले की नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए शिक्षा मंत्री के खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए। दूसरी ओर, संसद के भीतर भी सार्वजनिक परीक्षाओं में अनियमितताओं को रोकने संबंधी संशोधन विधेयक पर चर्चा प्रस्तावित है।

ग्रेटर नोएडा में अवैध रुप से रह रहा चीनी नागरिक गिरफ्तार, आधार, पैन कार्ड भी बनवाए

नोएडा (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के नोएडा के थाना बीटा-दो पुलिस ने बीती रात अवैध रुप से देश में रह रहे एक चीनी नागरिक को गिरफ्तार किया। पुलिस अधिकारी ने इसकी जानकारी दी। थाना बीटा-दो के प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि बीती रात को एक सूचना के आधार पर थाना पुलिस ने एनआरआई सिटी के पास से एक चीनी नागरिक सांग जियाओमी (38) को गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि वह ग्रेटर नोएडा के एक सोसाइटी में रह रहा था। उन्होंने बताया कि जांच की गई तो पता चला कि वह एक साल के लिए 26 जून 2019 से 25 जून 2020 तक के वैध वीजा पर भारत आया था। उन्होंने बताया कि वीजा अवधि समाप्त होने के बाद वह अवैध रूप से भारत में रहने लगा। उन्होंने बताया कि उसने धोखाधड़ी करके वीजा खत्म होने के बाद भारत गणराज्य में फर्जी आधार कार्ड बनवाया। आधार कार्ड के आधार पर उसने पैन कार्ड और अन्य दस्तावेज बनवा लिया। वह जेपी ग्रीन सोसायटी ग्रेटर नोएडा में रहने लगा। जांच में यह भी पता चला है कि इसने पूर्वोत्तर राज्य मणिपुर की रहने वाली एक युवती से शादी भी कर ली है। इसकी एक तीन साल की बेटी है, और यह अपनी पत्नी के नाम से कंस्ट्रक्शन कंपनी चलाता है। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार आरोपी से गुप्तचर एजेंसिया गहनता से पूछताछ कर रही है। पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि कहीं वह भारत में रहकर जासूसी तो नहीं कर रहा था।

सौरभ हत्याकांड पर बहस पूरी, आरोपी मुस्कान और साहिल सजा को लेकर चिंतित

जेलर से बार-बार करते हैं सवाल, अगर दोष हुए तो उन्हें कितनी मिलेगी सजा?

मेरठ (एजेंसी)। बहुचर्चित नीले ड्रम सौरभ हत्याकांड की बहस लगभग पूरी हो चुकी है और मामला अंतिम चरण में है। कानूनी प्रक्रिया पूरी होने के बाद आने वाले दिनों में कोर्ट अपना फैसला सुना सकती है। इसी बीच मेरठ जिला जेल में बंद आरोपी मुस्कान और साहिल की बेचैनी भी लगातार बढ़ती जा रही है। जेल प्रशासन का कहना है कि जैसे-जैसे फैसले की घड़ी करीब आ रही है, दोनों आरोपियों की मानसिक स्थिति में बदलाव दिखाई दे रहा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मेरठ जिला कारागार के वरिष्ठ जेल अधीक्षक ने बताया कि कोर्ट में बहस अंतिम चरण में पहुंचने के बाद दोनों आरोपी काफी चिंतित रहने लगे हैं। वे अक्सर सजा को लेकर सवाल करते हैं। खास तौर पर उनकी सबसे बड़ी चिंता यही रहती है कि कोर्ट का फैसला क्या होगा और अगर दोष सिद्ध होता है तो उन्हें कितनी सजा मिलेगी? जेल प्रशासन के मुताबिक दोनों आरोपियों की काउंसलिंग भी कराई जा रही है। जेल के डॉक्टर समय-समय पर उनकी मानसिक स्थिति की समीक्षा करते हैं ताकि वे तनाव की स्थिति से बाहर निकल सकें। जेल नियमों के तहत मानसिक स्वास्थ्य पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है और दोनों को रोजाना परामर्श उपलब्ध कराया जा रहा है। जेल सूत्रों के मुताबिक मुस्कान पिछले कुछ समय से धार्मिक गतिविधियों में भी ज्यादा समय बिता रही है। वह जेल में होने वाले भजन, कीर्तन और अन्य आध्यात्मिक कार्यक्रमों में हिस्सा लेती है। इस मामले से जुड़ी एक और चर्चा मुस्कान की बेटी को लेकर भी है। जेल अधिकारियों के मुताबिक पहले वह अपनी बच्ची को राधा नाम से पुकारती थी, लेकिन अब वह उसे मन्नत नाम से बुलाने लगी है। उधर साहिल भी फैसले को लेकर लगातार चिंता में है। जेल प्रशासन के मुताबिक वह भी कई बार अधिकारियों से बातचीत के दौरान मुकदमे की प्रोग्रेस और संभावित सजा के बारे में जानकारी लेने की कोशिश करता है।

कावेरी जल विवाद सुलझाने की पहल, सीएम थलपति करेंगे बड़ी बैठक

सालों साल पुराने मसले को सुलझाने की पहल शुरु

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी जोसेफ विजय और कर्नाटक के मुख्यमंत्री डी के शिवकुमार के बीच जल्द ही एक महत्वपूर्ण द्विपक्षीय बैठक होने की संभावना है। कावेरी जल विवाद को लेकर बुलाई गई यह बैठक भारतीय राजनीति और अंतरराज्यीय संबंधों में बेहद चर्चा का विषय बनी हुई है। दरअसल, मुख्यमंत्री थलपति विजय का यह कदम तमिलनाडु के पिछले तीन दशक पुराने पारंपरिक रुख से पूरी तरह अलग है। इससे पहले तमिलनाडु हमेशा सीधी बातचीत के बजाय अदालती फैसलों, कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण और ट्रिब्यूनल के आदेशों पर ही निर्भर रहा है।

तमिलनाडु का लंबे समय से यह मानना था कि कावेरी विवाद केवल दो मुख्यमंत्रियों की मेज पर बैठकर नहीं सुलझ सकता। हालांकि, मुख्यमंत्री विजय इस लीक से हटकर 31 जुलाई से 3 अगस्त के बीच सीधी बातचीत का प्रस्ताव रख रहे हैं। यदि यह मुलाकात सफल होती है, तो पिछले 14 वर्षों में यह पहला अवसर होगा जब दोनों राज्यों के शीर्ष नेता आमने-सामने बैठकर इस संवेदनशील मुद्दे पर चर्चा करेंगे। विजय का उद्देश्य कानूनी अधिकारों से समझौता किए बिना संकट के समय पानी की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करना है। इस वार्ता की मुख्य वजह तमिलनाडु के कावेरी डेल्टा क्षेत्र में पैदा हुआ गंभीर जल संकट है। ट्रिब्यूनल के तय मानकों के अनुसार 1 जून से 23 जुलाई के बीच तमिलनाडु को करीब 32 हजार मिलियन क्यूबिक फीट पानी मिलना चाहिए था, लेकिन उसे केवल 3.5 टीएमसी पानी ही प्राप्त हुआ है। पानी की भारी कमी के कारण डेल्टा क्षेत्र में फसलें सूखने की कगार पर हैं, जिससे किसानों की चिंताएं बढ़ गई हैं। हालांकी, इस पहल को लेकर तमिलनाडु में विपक्षी दलों और किसान संगठनों ने कुछ आशंकाएं जताई हैं। आलोचकों का तर्क है कि सीधी बातचीत से कर्नाटक को कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण को दरकिनार करने का मौका मिल सकता है या वह मेकेदातु डैम परियोजना पर तमिलनाडु का विरोध वापस लेने का दबाव बना सकता है। कानूनी विशेषज्ञों का मानना है कि नेताओं की वार्ता आपसी सौहार्द तो बढ़ा सकती है, पर यह सुप्रीम कोर्ट और ट्रिब्यूनल द्वारा तय अधिकारों का विकल्प नहीं बन सकती। राजनीतिक दृष्टिकोण से विजय के पास यह लाभ है कि कर्नाटक की सत्तासीन सरकार से उनके बेहतर संबंध हैं। हालांकि जल विवादों में अक्सर स्थानीय जनभावनाओं के आगे राजनीतिक रिश्ते पीछे छूट जाते हैं। यदि विजय इस बैठक से राज्य के लिए तुरंत पानी हासिल करने में सफल रहते हैं, तो यह उनकी बड़ी कूटनीतिक जीत होगी, अन्यथा विफल रहने पर आलोचक इसे राजनीतिक अपरिपक्वता कहेंगे।

लद्दाख और तवांग के पास चीन ने तैनात किए 11 स्टील्थ फाइटर जेट?

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के साथ संबंधों में सुधार का दिखावा करने वाला चीन अपनी नापाक हरकतों से बाज नहीं आ रहा है। वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के करीब चीनी वायुसेना की बढ़ती गतिविधियों ने एक बार फिर उसकी मंशा पर सवाल खड़े कर दिए हैं। हाल ही में सामने आई सैटेलाइट तस्वीरों से खुलासा हुआ है कि चीन ने भारतीय सीमा के पास स्थित अपने प्रमुख एयरबेस पर पांचवीं पीढ़ी के 11 जे-20 माइटी ड्रैगन स्टील्थ फाइटर जेट्स की तैनाती कर दी है। वैंटॉर द्वारा ली गई जून के अंत और जुलाई की शुरुआत की सैटेलाइट तस्वीरों में चीनी एयरबेस पर भारी सैन्य जमावड़ा देखा गया है। शिनजियांग के होटन एयरबेस पर 7 जे-20 फाइटर जेट्स रनवे के पास तैनात दिखे। यह एयरबेस भारतीय वायुसेना के रणनीतिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण दौलत बेग ओल्डी एयरफील्ड से महज 245 किलोमीटर और लेह से लगभग 389 किलोमीटर की दूरी पर है। भारतीय सीमा के इतने करीब एक साथ इतने जे-20 जेट्स की मौजूदगी का यह पहला मामला है। इसके अलावा, तिब्बत के ल्हासा में स्थित डैम्सुंग एयरबेस पर भी चार जे-20 फाइटर जेट देखे गए हैं, जो अरुणाचल प्रदेश के तवांग से केवल 344 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम में है। चीन का जे-20 माइटी ड्रैगन रडार को चकमा देने में माहिर है और आधुनिक एईएसए रडार से लैस है। यह चीन का प्रमुख पांचवीं पीढ़ी का लड़ाकू विमान है, जिसे रडार पर पकड़ना बेहद कठिन होता है। भारतीय वायुसेना के बेड़े में शामिल राफेल जैसे उन्नत विमानों के बावजूद, भारत के पास वर्तमान में कोई स्टील्थ फाइटर जेट तैनात नहीं है। भारत अपने स्वदेशी एडवांस्ड मीडियम कॉम्बैट एयरक्राफ्ट प्रोजेक्ट पर काम कर रहा है, लेकिन इसे भारतीय वायुसेना में पूरी तरह शामिल होने में अभी कम से कम एक दशक का समय लगेगा। चीन लगातार अपने जे-20 जेट्स का उत्पादन बढ़ा रहा है। जहां साल 2019 में चीन के पास करीब 50 जे-20 थे, वहीं वर्तमान में इनकी संख्या 300 से अधिक हो चुकी है और 2030 तक इसके 1000 तक पहुंचने का अनुमान है। सीमा के पास चीन का यह घातक सैन्य जमावड़ा भारत की हवाई सुरक्षा और रणनीतिक तैयारियों के लिए एक गंभीर चुनौती पेश कर रहा है।

राहुल गांधी विदेशी ताकतों के हाथों की 'कठपुतली' की तरह कर रहे काम

-बीजेपी सांसद दुबे बोले- विपक्ष के नेता पद से उन्हें हटाने का प्रयास करुंगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी सांसद निशिकांत दुबे ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर विदेशी ताकतों के हाथों 'कठपुतली' की तरह काम करने का आरोप लगाया और कहा कि वह उन्हें इस पद से हटाने के लिए संसद में एक प्रस्ताव लाने का प्रयास करुंगा। दुबे ने कहा कि वह सरकार से 2004 से 2026 के बीच राहुल गांधी की विदेश यात्राओं, उनके सहयोगियों और उनके कथित 'गुप्त समझौतों' की जांच के लिए एसआईटी गठित करने का आग्रह भी करेंगे।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक दुबे ने कहा कि वह केवल एक माध्यम हैं, जिसके जरिए विदेशी ताकतें काम करती हैं। सिर्फ इसलिए कि वह गांधी परिवार से ताल्लुक रखते हैं, उन्हें इतना कद और प्रभाव हासिल है। बीजेपी ने कई मौकों पर राहुल गांधी की विदेश यात्राओं के खर्च को लेकर सवाल उठाए हैं और आरोप लगाया है कि इन यात्राओं पर किया गया खर्च उनकी घोषित आय के अनुपात में नहीं है। दुबे ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी की विदेश यात्राओं को लेकर कोई पारदर्शिता नहीं है।

उन्होंने कहा कि 2004 से 2026 तक उनकी किसी भी विदेश यात्रा के बारे में किसी को जानकारी नहीं है। वह विदेश जाते हैं, लेकिन कोई नहीं जानता कि वह किससे मिलते हैं, वहां क्या करते हैं या कई आंदोलनों में भागीदारी के लिए धन जुटाने को लेकर कैसे चर्चा करते हैं। दुबे ने आरोप लगाया कि विदेश यात्राओं में राहुल गांधी भारत की नीतियों के बारे में बोलने के बजाय देश और सरकार के खिलाफ बोलते हैं। उन्होंने कहा कि लोकसभा में विपक्ष के नेता से जुड़े नियमों के मुताबिक जब भी वह विदेश यात्रा करते हैं तो उन्हें देश और सरकार की नीतियों के बारे में बात करनी चाहिए, लेकिन राहुल गांधी ने अपनी सभी विदेश यात्राओं में भारत की नीतियों के बजाय देश, सरकार और संविधान के खिलाफ बात की है। कांग्रेस पर देश को अस्थिर करने वाली गतिविधियों में शामिल होने का आरोप लगाते हुए दुबे ने दावा किया कि देश को बांटने की 'साजिश' में पार्टी की 'सबसे बड़ी भूमिका' रही है। उन्होंने कहा कि ये सभी लोग देश को बांटने की साजिश में शामिल हैं, जिस तरह की घटनाएं सामने आ रही हैं, उन्हें वित्त पोषित करने वाले लोग, धन उपलब्ध कराने वाले लोग और जो गतिविधियां हुई हैं- इन सभी में कांग्रेस की सबसे बड़ी भूमिका रही है।

जो कोई भी कानून अपने हाथ में लेता है या ज्यादती करता है उस पर कार्रवाई हो

-सीजेपी प्रोटेस्ट से जुड़ी याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने दिया आदेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। नीट पेपर लीक के विरोध में कई दिनों तक दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन जारी रहा। सीजेपी ने नीट प्रदर्शन को लीड किया। इसके अगुवाई में 20 जुलाई को संसद मार्च था। इस दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों में भिड़ंत हुई। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर बर्बर एक्शन का आरोप लगाया। अब मामला सुप्रीम कोर्ट में चल रहा है, जिस पर मंगलवार को सुनवाई हुई।

दिल्ली के जंतर-मंतर पर हुए सीजेपी प्रोटेस्ट से जुड़ी याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि जो कोई भी कानून अपने हाथ में लेता है या ज्यादती करता है, उसे जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी सवाल किया कि प्रदर्शनकारी छात्रों के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई के आरोपों की निष्पक्ष जांच क्यों नहीं होनी चाहिए। 20 जुलाई को संसद की ओर मार्च कर रहे प्रदर्शनकारी छात्रों पर पेलेट गन के इस्तेमाल को लेकर विपक्ष लगातार विरोध कर रहा है। इसी मामले की सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने यह टिप्पणी की।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सीजेआई सूर्यकांत की बेंच ने कहा कि जिसने भी ज्यादती की है और कानून अपने हाथ में लिया है, उसके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि अगर तय नियमों का उल्लंघन हुआ है, तो कानून को अपना काम करना चाहिए, साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने छात्र विरोध प्रदर्शनों के दौरान गिरफ्तार या हिरासत में लिए गए उन छात्रों को रिहा करने का निर्देश दिया, जिनका कोई आपराधिक रिकॉर्ड नहीं है।

जंतर-मंतर पर हुए हंगामा मामले में सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान टिप्पणी करते हुए कहा कि छात्र प्रदर्शन के दौरान 250 पुलिसकर्मियों पर हमले की भी जांच होनी चाहिए। पता लगाया जाए कि हमला छात्रों ने किया या असामाजिक तत्वों ने।

सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि जांच का उद्देश्य सभी घटनाओं की सच्चाई सामने लाना और जिम्मेदार लोगों की पहचान करना होना चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट ने असम, मध्य प्रदेश, यूपी, दिल्ली समेत अन्य राज्यों में छात्रों पर हुई पुलिस कार्रवाई मामले को एकसाथ जोड़ा। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि आंदोलन में शामिल किसी भी छात्र के खिलाफ कड़ी कार्रवाई नहीं की जाए। सभी की सुनवाई व्यापक स्तर पर एकसाथ की जाएगी। छात्र प्रदर्शन के दौरान हुई हिंसा के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि प्रथम दृष्टया लगाए गए आरोप एक हाई पावर जांच की मांग करते हैं। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि प्रस्तावित जांच में पुलिसकर्मियों पर हुए हमलों के आरोपों की भी जांच की जाएगी।

हालांकि, कोई आदेश पारित करने से पहले सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार और दिल्ली सरकार को अपना पक्ष हलफनामे के जरिए रखने का समय दिया है। इसके साथ ही कोर्ट ने संबंधित राज्य सरकारों को भी नोटिस जारी किया है, क्योंकि प्रस्तावित जांच में उन राज्यों में हुई हिंसा के आरोपों की भी पड़ताल की जाएगी। सुप्रीम कोर्ट ने संकेत दिया कि सभी पक्षों का जवाब मिलने के बाद मामले में आगे के आदेश पारित किए जाएंगे।

बीजेपी का धर्मेंद्र प्रधान का सम्मान करना ''लाखों बच्चों के भविष्य की बर्बादी का जश्न''

-राहुल गांधी ने कहा- प्रधान ''भ्रष्टाचार और भारत की बर्बाद शिक्षा व्यवस्था के प्रतीक हैं

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने आरोप लगाया है कि संसद परिसर में बीजेपी के सांसदों ने पूर्व शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का सम्मान किया जाना ''लाखों बच्चों के भविष्य की बर्बादी का जश्न'' है। राहुल गांधी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि प्रधान ''भ्रष्टाचार और भारत की बर्बाद शिक्षा व्यवस्था के प्रतीक हैं और हमेशा रहेंगे।'' उन्होंने दावा किया कि इसी व्यवस्था ने 26 बच्चों की जान ली और लाखों युवाओं को सड़कों पर उतरने को मजबूर किया। उन्होंने कहा कि प्रधान को इस्तीफा भी ''नैतिकता से नहीं, युवाओं के आक्रोश से डरकर'' देना पड़ा है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक राहुल गांधी ने कहा कि आज उसी व्यक्ति को संसद में बीजेपी माला पहना रही है। यह कोई सम्मान नहीं लाखों बच्चों के भविष्य की बर्बादी का जश्न मनाया जा रहा है। कांग्रेस नेता ने कहा कि देश का हर छात्र यह देख रहा है और इसमें शामिल हर चेहरे को याद रखेगा। उल्लेखनीय है कि प्रधान शिक्षा मंत्री के पद से इस्तीफे के बाद सोमवार को जब पहली बार संसद पहुंचे तो बीजेपी सांसदों उनका स्वागत किया। बिहार के दरभंगा से लोकसभा सदस्य गोपालजी ठाकुर ने उन्हें मिथिला की पारंपरिक टोपी और शॉल भी पहनाया गया।

जेआरडी टाटा की जयंती

उद्योगपति नहीं, बल्कि हर दिल में बसने वाले दूरदर्शी 'नायक' के रूप में याद किए गए जे.आर.डी. टाटा

बिहान भारत

इतिहास जहाँगीर रतनजी दादाभाई टाटा (जे.आर.डी. टाटा) को एक दूरदर्शी उद्योगपति, अग्रणी विमान चालक, राष्ट्र निमार्ता और आधुनिक भारतीय उद्योग के शिल्पकार के रूप में याद करता है। लेकिन जिन लोगों ने उन्हें निकट से जाना, वे उन्हें उनकी उपलब्धियों से भी बढ़कर उनकी मानवीयता और विनम्रता के लिए याद करते हैं।

वे ऐसे विलक्षण नेता थे, जो बोलने से पहले सुनने में विश्वास रखते थे। उनका मानना था कि हर व्यक्ति, चाहे उसका पद कोई भी हो, सम्मान और गरिमा का समान अधिकारी है। उन्होंने कभी अधिकार का सहारा लेकर नेतृत्व नहीं किया; बल्कि अपने आदर्श आचरण से उत्कृष्टता की प्रेरणा दी।

जे.आर.डी. टाटा से जुड़ी अनगिनत कहानियाँ हैं। उनमें से कई कभी किताबों में दर्ज नहीं हो सकीं, लेकिन जिन लोगों के जीवन को उन्होंने स्पर्श किया, उनकी यादों में वे आज भी जीवंत हैं।

मुंबई के स्टील हाउस में रहने वाले लोग आज भी बताते हैं कि जे.आर.डी. टाटा कई बार स्वयं कार चलाकर किसी को उसके घर छोड़ने चले जाते थे। कई बार वे परिवार के साथ एक प्याली चाय पर आत्मीयता से बातचीत करते कुछ पल भी बिताते थे और अक्सर शाम का समापन बच्चों के साथ नीचे खेलते हुए होता था। उस समय वे भारत के सबसे बड़े औद्योगिक समूहों में से एक के अध्यक्ष नहीं, बल्कि सबके प्रिय मित्र बन जाते थे।

बॉम्बे हाउस की एक और घटना जे.आर.डी. टाटा के व्यक्तित्व की गहराई को बखूबी दर्शाती है। एक दिन वे लिफ्ट के लिए धैर्यपूर्वक कतार में अपनी बारी का इंतजार कर रहे थे, तब भी लिफ्ट ऑपरेटर ने उन्हें कतार तोड़कर आगे जाने की अनुमति नहीं दी। उसके लिए नियम सबके लिए समान थे, यहाँ तक कि चेयरमैन के लिए भी। बाद में जब उस कर्मचारी का तबादला कर दिया गया, तो जे.आर.डी. ने तुरंत हस्तक्षेप किया। उन्होंने कहा, ह्लयह व्यक्ति सिद्धांतों और अनुशासन का पक्का है। इसे दंडित कैसे किया जा सकता है?ह्व जे.आर.डी. टाटा के लिए सम्मान कभी पद से नहीं मिलता था, बल्कि वह व्यक्ति के चरित्र, सिद्धांतों और आचरण से अर्जित होता था।

उनकी विनम्रता उनके व्यक्तित्व की सबसे विशेषताओं में से एक थी। अपने असाधारण जीवन की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए उन्होंने एक बार कहा था, ह्लमुझे नहीं लगता कि मैं उस सम्मान का पूरी तरह हकदार हूँ, जो मुझे मिला है... मेरे साथ हमेशा एक उत्कृष्ट टीम रही।ह्व यही उनके नेतृत्व का सार था। वे स्वयं श्रेय लेने के बजाय अपनी टीम को आगे बढ़ाते थे और हर व्यक्ति को बड़े सपने देखने, निर्भीक होकर नवाचार करने तथा सामूहिक रूप से उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए प्रेरित करते थे।

1938 से 1984 तक टाटा स्टील के चेयरमैन के रूप में जे.आर.डी. टाटा ने तकनीकी आधुनिकीकरण को नई दिशा दी, लेकिन यह भी सुनिश्चित किया कि किसी भी प्रगति का वास्तविक केंद्र उसके लोग होते हैं। उन्होंने कर्मचारियों के कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी, प्रगतिशील मानव संसाधन नीतियों को बढ़ावा दिया, प्रबंधन और कर्मचारियों के बीच संयुक्त परामर्श की संस्कृति को प्रोत्साहित किया तथा ऐसी अनेक पहलों की नींव रखी, जो आज भी टाटा स्टील की ह्यपीपल-फर्स्टह्व संस्कृति को सशक्त बनाती हैं।

उनका विश्वास सरल, किन्तु अत्यंत गहरा था: कोई भी संस्थान तभी सफल होता है, जब उससे जुड़े लोग समृद्ध और प्रगतिशील हों।

जिम्मेदार व्यवसाय के वैश्विक प्राथमिकता बनने से बहुत पहले, जे.आर.डी. ने नैतिकता, कर्मचारियों के कल्याण और राष्ट्र-निर्माण को व्यवसाय की सफलता से अलग नहीं, बल्कि उसका अभिन्न हिस्सा माना। परिवार कल्याण, स्वास्थ्य सेवा और सामाजिक विकास के प्रति उनकी प्रतिबद्धता ने जमशेदपुर को एक आदर्श औद्योगिक नगर में बदल दिया, जबकि नैतिक नेतृत्व के प्रति उनकी हिमायत आज भी उनकी जयंती के आसपास मनाए जाने वाले टाटा स्टील के वार्षिक एथिक्स मंथ के लिए प्रेरणा बनी हुई है।

इनोवेशन भी जेआरडी की दूरदर्शी सोच का एक प्रमुख आधार था। चाहे टाटा स्टील का आधुनिकीकरण हो, भारत के विमानन उद्योग की नींव रखने की पहल हो या युवा नेतृत्व को परंपरागत सोच से आगे बढ़कर नए रास्ते अपनाने के लिए प्रेरित करना—जेआरडी ने हमेशा लोगों को वर्तमान से आगे सोचने और भविष्य के निर्माण के लिए कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया।

उनके निधन के तीन दशक से अधिक समय बाद भी उनकी विरासत टाटा स्टील की कार्यसंस्कृति और मूल्यों को सार्थक रूप से दिशा दे रही है। यह हमारी नैतिकता और सत्यनिष्ठा के प्रति अटूट प्रतिबद्धता में रची बसी है। यह कर्मचारियों के समग्र कल्याण—शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य—पर हमारे विशेष ध्यान में भी स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। साथ ही, सस्टेनेबल मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा देने, वर्ष 2045 तक नेट-जीरो कार्बन उत्सर्जन का लक्ष्य प्राप्त करने तथा नवाचार, स्वच्छ प्रौद्योगिकियों और उत्तरदायी व्यावसायिक कार्यप्रणालियों में निरंतर निवेश की हमारी प्रतिबद्धता में भी उनकी दूरदृष्टि साफ दिखाई देती है।

सबसे बढ़कर, उनकी विरासत हमारे इस विश्वास में जीवित है कि वास्तविक प्रगति वही है, जो लोगों के जीवन को बेहतर बनाए।

वन टाटा स्टील के रूप में हम जमशेदजी टाटा और जेआरडी टाटा के आदर्शों को आगे बढ़ाते हुए केवल एक संगठन ही नहीं, बल्कि जिम्मेदारी, संवेदनशीलता और उद्देश्यपूर्ण सोच के साथ समाज, उद्योग और राष्ट्र को भी सशक्त बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रहे हैं।

कुछ लीडर्स अपने बनाए हुए व्यवसायों के कारण इतिहास में अमर हो जाते हैं। जेआरडी टाटा उन अनगिनत जीवनों के कारण हमेशा याद किए जाएंगे, जिन्हें उन्होंने अपने नेतृत्व, मानवीय दृष्टिकोण और मूल्यों से समृद्ध किया।

सीएस ने किया विशेष मासिक समीक्षा बैठक, मातृ-शिशु स्वास्थ्य व मलेरिया जांच पर दिया जोर

बिभा संवाददाता

तालझारी। तालझारी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में मंगलवार को प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. रंजन कुमार की अध्यक्षता में विशेष मासिक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में सीएचसी के सभी सीएचओ, एएनएम, एमपीडब्ल्यू, सहिया, सहिया साथी एवं बीटीटी ने भाग लिया। वहीं बैठक में मुख्य रूप से सिविल सर्जन डॉ. रामदेव पासवान शामिल हुए। वहीं सीएस डॉ. रामदेव पासवान ने स्वास्थ्य विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने सभी स्वास्थ्यकर्मियों को निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप कार्य करने का निर्देश दिया, ताकि अधिक से अधिक लाभुकों को योजनाओं का लाभ मिल सके तथा सहियाओं को प्रोत्साहन राशि प्राप्त हो। वहीं यूनिसेफ के रीजनल कोऑर्डिनेटर अजय कुमार ने गर्भवती महिलाओं एवं नवजात शिशुओं की देखभाल पर विशेष चर्चा करते हुए एएनएम एवं सहियाओं को उच्च जोखिम वाली गर्भावस्थाओं (हाई रिस्क प्रेग्नेंसी) की नियमित निगरानी करने और समय पर आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। साथ ही बैठक में बीबीडी (वेक्टर जनित रोग नियंत्रण) कार्यक्रम के तहत सभी स्वास्थ्यकर्मियों, विशेषकर सहिया एवं एमपीडब्ल्यू को निर्देशित किया गया कि बाहर से आने वाले प्रत्येक व्यक्ति तथा बुखार से पीड़ित सभी लोगों की आरडी किट से जांच सुनिश्चित करें। साथ ही जांच की सूचना संबंधित एमपीडब्ल्यू, एएनएम एवं सीएचओ को तत्काल उपलब्ध कराने को कहा गया, ताकि समय पर उपचार एवं आवश्यक कार्रवाई की जा सके। इसके उपरांत जिला डाटा मैनेजर तौसीफ कुमार एवं जिला कार्यक्रम प्रबंधक अमित कश्यप ने विभिन्न स्वास्थ्य कार्यक्रमों के डाटा की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मौके पर चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. रवि कुमार, डॉ. पिंकू चौधरी, प्रखंड कार्यक्रम प्रबंधक विजय राम, प्रखंड लेखापाल देवनारायण रविदास, ब्लॉक डाटा मैनेजर मैन्युअल टुडू, सीएचओ एस्टर हेंब्रम, एनी मरांडी, एएनएम संगीता कुमारी, किशोरी सिन्हा, एमपीडब्ल्यू वीरेंद्र कुमार, विनय कुमार, सहिया साथी सजोनी मुर्मू, कंचन कुमारी, मित्र स्टीफन मरांडी, अवधेश कुमार सहित अन्य स्वास्थ्यकर्मी उपस्थित थे।

एनटीपीसी ने न्यू फरक्का रेलवे स्टेशन को सौंपी दो व्हीलचेयर

बिभा संवाददाता

बरहरवा। एनटीपीसी फरक्का ने अपनी कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) पहल के तहत न्यू फरक्का रेलवे स्टेशन को दो व्हीलचेयर प्रदान की हैं। इस पहल का उद्देश्य बुजुर्ग, दिव्यांग, अस्वस्थ तथा चिकित्सकीय रूप से संवेदनशील यात्रियों के लिए स्टेशन परिसर में सुरक्षित और सुगम आवागमन सुनिश्चित करना है। वहीं व्हीलचेयर का हस्तांतरण एनटीपीसी फरक्का की मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. श्राबनी बनर्जी ने मानव संसाधन-सीएसआर विभाग के अधिकारियों तथा न्यू फरक्का रेलवे स्टेशन के स्टेशन मास्टर की उपस्थिति में किया। न्यू फरक्का रेलवे स्टेशन पर प्रतिदिन बड़ी संख्या में यात्रियों का आवागमन होता है। ऐसे में प्लेटफॉर्म, प्रतीक्षालय और प्रवेश-निकास द्वारों के बीच आने-जाने में असमर्थ यात्रियों को अब तत्काल सहायता उपलब्ध हो सकेगी। इस अवसर पर डॉ. श्राबनी बनर्जी ने कहा कि एनटीपीसी फरक्का स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप अपनी सीएसआर पहलों के माध्यम से लगातार उपयोगी सुविधाएं उपलब्ध कराता रहा है। उन्होंने बताया कि इससे पहले भी स्टेशन को दो बैटरी चालित वाहन उपलब्ध कराए गए थे, जिनका नियमित उपयोग किया जा रहा है। अब व्हीलचेयर की सुविधा मिलने से जरूरतमंद यात्रियों को और अधिक सहूलियत मिलेगी। वहीं रेलवे स्टेशन सार्वजनिक परिवहन का महत्वपूर्ण केंद्र है, जहां समावेशी सुविधाओं की उपलब्धता यात्रियों के सफर को अधिक सुरक्षित और सुविधाजनक बनाती है। वरिष्ठ नागरिकों, गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे यात्रियों तथा अस्थायी रूप से चलने-फिरने में असमर्थ लोगों के लिए यह पहल विशेष रूप से लाभकारी साबित होगी। एनटीपीसी फरक्का की यह पहल स्थानीय समुदाय और सार्वजनिक संस्थानों के प्रति उसकी सामाजिक प्रतिबद्धता को दर्शाती है। इससे न्यू फरक्का रेलवे स्टेशन पर यात्री सुविधाएं और मजबूत होंगी तथा जरूरतमंद लोगों के लिए अधिक सुलभ और संवेदनशील वातावरण विकसित करने में मदद मिलेगी।

संक्षिप्त खबरें

उधवा : छात्र-छात्राओं को मिला स्कूल किट

उधवा(बिभा)। उधवा प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत उत्तर पलाशगाछी पंचायत स्थित उत्क्रमित प्राथमिक विद्यालय सुरेन मंडल टोला में मंगलवार को विद्यालय की प्रधानाध्यापिका रेहाना बानो ने दर्जनों छात्र-छात्राओं के बीच स्कूल किट का वितरण किया। जानकारी के अनुसार मंगलवार को विद्यालय की प्रधानाध्यापिका रेहाना बानो एवं सहायक अध्यापक मोहम्मद तजामुल हक ने संयुक्त रूप से बारी-बारी से स्कूली बच्चों के बीच स्कूल किट का वितरण किया। मौके पर छात्र-छात्राएं मौजूद थे।

किशोरियों के अधिकार, सुरक्षा और सशक्तिकरण पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

साहेबगंज(बिभा)। जिला समाज कल्याण पदाधिकारी के मार्गदर्शन में मंगलवार को उधवा प्रखंड के प्लस टू उच्च विद्यालय, राधानगर में किशोरियों के अधिकार, सुरक्षा और सशक्तिकरण को लेकर व्यापक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में छात्राओं को विभिन्न सरकारी योजनाओं, कानूनी अधिकारों और सामाजिक कुरीतियों से बचाव के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई। इस दौरान छात्राओं को सावित्री बाई फुले किशोरी समृद्धि योजना, पॉक्सो अधिनियम, गुड टच-बैड टच, डिजिटल साक्षरता, बाल संरक्षण, मासिक धर्म स्वच्छता प्रबंधन, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, बाल विवाह मुक्त भारत अभियान, डायन प्रथा उन्मूलन तथा सखी वन स्टॉप सेंटर की सेवाओं की जानकारी दी गई। साथ ही बाल विवाह, बाल श्रम, बाल तस्करी की रोकथाम, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, पोषण और स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया गया। वहीं कार्यक्रम में प्रायोजन योजना, आफ्टर केयर, फोस्टर केयर और चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 सहित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी साझा करते हुए छात्राओं को इनके लाभ लेने और सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ सजग रहने का आह्वान किया गया। वहीं पर्यावरण संरक्षण के तहत ᳲएक पेड़ माँ के नामᳲ अभियान के अंतर्गत विद्यालय परिसर में छात्राओं ने पौधारोपण किया। वहीं मासिक धर्म स्वच्छता को बढ़ावा देने के लिए छात्राओं के बीच सेनेटरी पैड का भी वितरण किया गया। कार्यक्रम में जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी पुनम कुमारी, संरक्षण पदाधिकारी (गैर संस्थागत देखरेख) चंदा कुमारी, चाइल्ड हेल्पलाइन के परियोजना समन्वयक मो. इकबाल, कार्यक्रम अधिकारी सी-3 खालिद हाशमी, विद्यालय के प्रभारी प्राचार्य, शिक्षकगण एवं अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने छात्राओं से शिक्षा, सुरक्षा, स्वास्थ्य और आत्मनिर्भरता को जीवन का आधार बनाने तथा अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहकर सशक्त और सुरक्षित समाज के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता रामसिंगार ओझा का निधन, जिला कांग्रेस में शोक की लहर

साहेबगंज(बिभा)। जिला कांग्रेस कमिटी के वरिष्ठ नेता एवं जिला महासचिव रामसिंगार ओझा के निधन पर पूरे कांग्रेस परिवार में शोक की लहर दौड़ गई। कांग्रेस नेताओं ने उनके निधन को संगठन और समाज के लिए अपूरणीय क्षति बताते हुए गहरा दुख व्यक्त किया। वहीं कांग्रेस नेताओं ने कहा कि रामसिंगार ओझा जीवनभर पार्टी की विचारधारा के प्रति समर्पित रहे। वे संगठन के हर कार्यक्रम में सक्रिय भागीदारी निभाते थे और कांग्रेस को मजबूत बनाने के लिए लगातार कार्य करते रहे। अपनी सादगी, ईमानदारी, मिलनसार व्यक्तित्व और सेवा-भाव के कारण वे सभी के बीच सम्मानित थे। वहीं जिला अध्यक्ष बरकतुल्लाह खान ने कहा कि ओझा का निधन संगठन के लिए अपूरणीय क्षति है। उन्होंने पूरी निष्ठा के साथ कांग्रेस की सेवा की और उनके योगदान को हमेशा याद रखा जाएगा। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कोऑर्डिनेशन कमिटी के सदस्य अनुकूल मिश्रा ने उन्हें कांग्रेस की विचारधारा का सच्चा प्रहरी बताते हुए कहा कि उन्होंने कभी पद या प्रतिष्ठा की चिंता नहीं की, बल्कि संगठन को मजबूत बनाने को ही अपना कर्तव्य माना। वहीं जिला कांग्रेस कमिटी के महासचिव सरफराज आलम ने इसे अपनी व्यक्तिगत क्षति बताते हुए कहा कि उन्हें हमेशा रामसिंगार ओझा का स्नेह, मार्गदर्शन और आशीर्वाद मिलता रहा। उन्होंने बताया कि चुनाव के दौरान भी ओझा ने सक्रिय रूप से उनके पक्ष में प्रचार किया था। जिला कांग्रेस कमिटी ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना करते हुए शोक संतप्त परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की। शोक व्यक्त करने वालों में पूर्व ग्रामीण विकास मंत्री आलमगीर आलम, पाकुड़ विधायक निसात आलम, प्रदेश कांग्रेस महासचिव तनवीर आलम, प्रदेश प्रतिनिधि मुर्शाद अली, मो. कलीमुद्दीन, बासुकीनाथ यादव, अनिल पांडे, सुनील पासवान, नित्यानंद गुप्ता, जामुन दास सहित जिला कांग्रेस के कई पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता शामिल रहे।

अवैध हथियार के साथ पश्चिम बंगाल का युवक गिरफ्तार, लोडेड देशी पिस्टल व संदिग्ध पदार्थ बरामद

बिभा संवाददाता

बरहरवा। बरहरवा थाना पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए अवैध हथियार के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया है। वहीं गिरफ्तार युवक के पास से एक लोडेड देशी पिस्टल तथा दो प्रकार के संदिग्ध पदार्थ बरामद किए गए हैं। जिसकी जानकारी बरहरवा इंस्पेक्टर संतोष कुमार राणा ने देते हुए बताया कि मंगलवार को सूचना मिली थी कि ग्राम सिरासिन की ओर एक लाल रंग के टेम्पो से एक व्यक्ति अवैध हथियार एवं अन्य अवैध पदार्थ लेकर जा रहा है। सूचना मिलते ही वरीय अधिकारियों को अवगत कराया गया तथा गश्ती दल एवं फुटानी मोड़ स्थित पुलिस चेकनाका पर तैनात जवानों को वाहन की तलाशी लेने का निर्देश दिया गया। वहीं तलाशी के दौरान पुलिस ने संदिग्ध टेम्पो को रोककर जांच की। इस दौरान पांच जिंदा कारतूस के साथ एक लोडेड देशी पिस्टल, सफेद रंग का एक संदिग्ध पदार्थ तथा गुलाबी रंग का एक अन्य संदिग्ध पदार्थ बरामद किया गया। साथ ही इंस्पेक्टर ने बताया कि बरामद हथियार एवं अन्य सामान से संबंधित वैध दस्तावेज मांगे, लेकिन आरोपी कोई कागजात प्रस्तुत नहीं कर सका और न ही संतोषजनक जवाब दे पाया। कहा पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम एकराम मोमिन, पिता गियासुद्दीन मोमिन, निवासी धरमडांगा, पोस्ट-बेवा, थाना फरक्का, जिला मुर्शिदाबाद पश्चिम बंगाल बताया। जिसके बाद बरामद सामान को विधिवत जब्त कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। कहा इस संबंध में बरहरवा थाना कांड संख्या 194/26 के तहत आर्म्स एक्ट की धारा 25(1-बी)(ए), 26 एवं 35 में मामला दर्ज किया गया है। साथ ही पुलिस के अनुसार प्रारंभिक पूछताछ में आरोपी ने अपराध में संलिप्तता स्वीकार की है। हालांकि बरामद सफेद एवं गुलाबी रंग के पदार्थ की प्रकृति तथा मामले के अन्य पहलुओं की जांच जारी है।वहीं छापेमारी में बरहरवा थाना प्रभारी सुमित कुमार सिंह, सअनि जलेन्दर रजक सहित पुलिस बल शामिल थे।

फूड प्वाइजनिंग से पांच की तबीयत बिगड़ी

बिभा संवाददाता

राधानगर/उधवा। उधवा प्रखंड क्षेत्र के राधानगर अरुण मंडल टोला गांव में मंगलवार को फूड पॉइजनिंग के कारण एक ही परिवार के दो बच्चों सहित पांच लोगों की तबीयत अचानक बिगड़ गई। जिसे परिजनों ने आनन-फानन में नजदीकी क्लीनिक में भर्ती कराया। प्राप्त जानकारी के अनुसार गांव के प्रदीप मंडल (57) वर्ष,प्रिया कुमारी (32) वर्ष, लक्ष्मी कुमारी (26) वर्ष सहित दो बच्चों की तबीयत अचानक बिगड़ गई। परिजनों ने बताया कि सुबह खाना खाने के कई घंटे के बाद अचानक एक-एक करके परिवार के पांचो सदस्यों की तबीयत बिगड़ने लगी। इसके बाद परिजनों ने स्थानीय एक निजी क्लीनिक में इलाज के लिए भर्ती कराया। खबर लिखें जाने तक सभी का इलाज चल रहा था।

75वें स्थापना वर्ष में प्रवेश पर अनन्त कुमार सरस्वती सदन का प्लैटिनम जुबिली समारोह

बिभा संवाददाता

साहेबगंज। शहर की प्रतिष्ठित सांस्कृतिक एवं शैक्षणिक संस्था अनन्त कुमार सरस्वती सदन अपने स्थापना के 75 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में प्लैटिनम जुबिली समारोह का आयोजन करने जा रही है। वर्ष 1951 में स्थापित इस संस्था ने ज्ञान, साहित्य, संस्कृति और सामाजिक जागरूकता के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिया है। समारोह का मुख्य विषय ᳲएक अमर स्मृति, एक गौरवशाली विरासतᳲ रखा गया है।

आयोजकों ने बताया कि समारोह में संस्था के संस्थापक श्रद्धेय धन्नालाल लोहिया के प्रेरणादायी व्यक्तित्व एवं कृतित्व को याद किया जाएगा। शिक्षा, समाजसेवा और सांस्कृतिक उत्थान के क्षेत्र में उनके योगदान को रेखांकित करते हुए नई पीढ़ी को उनके आदर्शों से प्रेरणा लेने का संदेश दिया जाएगा। वहीं संस्था का मानना है कि भारतीय संस्कृति में ज्ञान को सर्वोच्च स्थान प्राप्त है और पुस्तकालय केवल पुस्तकों का संग्रह नहीं, बल्कि समाज की चेतना, संस्कृति और बौद्धिक विरासत के सशक्त केंद्र होते हैं। इसी सोच के साथ स्थापित अनन्त कुमार सरस्वती सदन पिछले 75 वर्षों से साहिबगंज में ज्ञान की अलख जगाते हुए साहित्यिक एवं सामाजिक गतिविधियों का प्रमुख केंद्र बना हुआ है। वहीं श्रद्धेय धन्नालाल लोहिया का जन्म उत्तर प्रदेश के हाथरस के एक प्रतिष्ठित मारवाड़ी परिवार में हुआ था। बचपन में वे अपने पिता मटरूमल लोहिया के साथ साहिबगंज आए, जहां उनकी शिक्षा-दीक्षा हुई। बाद में उन्होंने शहर के शैक्षणिक और सांस्कृतिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान देकर अपनी विशिष्ट पहचान बनाई। प्लैटिनम जुबिली समारोह के मुख्य अतिथि उपायुक्त दीपक कुमार दुबे होंगे। कार्यक्रम में शहर के गणमान्य नागरिक, शिक्षाविद, साहित्यकार, समाजसेवी तथा विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े लोग बड़ी संख्या में शामिल होंगे। इस अवसर पर संस्था की 75 वर्षों की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला जाएगा तथा संस्थापक श्रद्धेय धन्नालाल लोहिया को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की जाएगी।

जसीडीह रेलवे स्टेशन पर सुरक्षा का मॉक ड्रिल

देवघर। राजकीय श्रावणी मेला के सफल, सुरक्षित और सुगम संचालन को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। उपायुक्त सौरभ कुमार भुवानिया के निर्देश पर मंगलवार को जसीडीह रेलवे स्टेशन पर विशेष सुरक्षा और जागरूकता अभियान चलाया गया। अभियान के तहत रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) और अन्य सुरक्षा जवानों को फायर सेफ्टी (अग्निशमन सुरक्षा) से संबंधित विस्तृत प्रशिक्षण दिया गया। जिला अग्निशमन पदाधिकारी सहित अन्य अधिकारियों ने जवानों को आग लगने के संभावित कारणों, आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित कार्रवाई और भीड़भाड़ वाले संवेदनशील क्षेत्रों में प्रभावी ढंग से राहत एवं बचाव कार्य करने के तरीकों की जानकारी दी। प्रशिक्षण के बाद जसीडीह रेलवे स्टेशन परिसर में मॉक ड्रिल आयोजित की गई। इस दौरान जवानों ने अग्निशमन यंत्रों के सही उपयोग, आग पर शीघ्र नियंत्रण पाने और आपात स्थिति में यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकालने (इवेक्यूएशन) का व्यावहारिक अभ्यास किया।

विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस पर नवोदय विद्यालय में पर्यावरण संरक्षण का संदेश

बिभा संवाददाता

साहेबगंज। विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस के अवसर पर पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय साहेबगंज में नमामि गंगे कार्यक्रम के तहत पर्यावरण संरक्षण एवं नदी संवर्धन विषय पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में प्रकृति संरक्षण, जल संसाधनों के सतत उपयोग तथा नदियों के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करना था। वहीं कार्यक्रम के मुख्य वक्ता जिला परियोजना पदाधिकारी नमामि गंगे अमित मिश्रा ने झारखंड में गंगा नदी के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि साहिबगंज गंगा डॉल्फिन का प्रमुख प्राकृतिक आवास है और यहां की जैव विविधता पर्यावरणीय दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने विद्यार्थियों से जल संरक्षण, प्लास्टिक प्रदूषण कम करने, स्वच्छता बनाए रखने तथा प्रकृति के प्रति जिम्मेदार व्यवहार अपनाने की अपील की। वहीं प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी तरुण कुमार ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल सरकारी योजनाओं का विषय नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रकृति संरक्षण को अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने का संदेश दिया। इस अवसर पर 'प्रकृति संरक्षण' एवं 'नदी' विषय पर चित्रकला और निबंध लेखन प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। विद्यार्थियों ने अपनी रचनात्मक प्रस्तुतियों के माध्यम से स्वच्छ नदियों, हरित पर्यावरण, जैव विविधता संरक्षण और सतत विकास का प्रभावशाली संदेश दिया। वहीं कार्यक्रम में विद्यालय के प्रवीण कुमार, राजकुमार राम, राजू कुमार गोंड, बी. झा, रवि कुमार, मोहम्मद अशरफ, प्रिया भारती, उन्नति भारती सहित सभी शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित रहे। अंत में विद्यार्थियों ने प्रकृति, पर्यावरण एवं जल संसाधनों के संरक्षण में सक्रिय भूमिका निभाने तथा स्वच्छ एवं हरित भविष्य के निर्माण का संकल्प लिया।

सदर प्रखंड में 90 दिवसीय विधिक जागरूकता अभियान, नि:शुल्क कानूनी सहायता व सरकारी योजनाओं की दी जानकारी

बिभा संवाददाता

साहेबगंज। झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार के निर्देश पर जिला विधिक सेवा प्राधिकार साहेबगंज द्वारा मंगलवार को सदर प्रखंड परिसर में 90 दिवसीय सघन विधिक जागरूकता एवं आउटरीच अभियान के तहत कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन डीएलएसए के सचिव विश्वनाथ भगत एवं अंचल अधिकारी बासुकीनाथ टुडू ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। वहीं डीएलएसए के सचिव विश्वनाथ भगत ने कहा कि अभियान का उद्देश्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक न्याय, नि:शुल्क विधिक सहायता और सरकारी कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाना है। उन्होंने बताया कि आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग, महिलाएं, बच्चे, अनुसूचित जाति-जनजाति, दिव्यांगजन, वरिष्ठ नागरिक, श्रमिक सहित पात्र लोगों को नि:शुल्क विधिक सहायता उपलब्ध कराई जाती है। साथ ही उन्होंने लोक अदालत, मध्यस्थता, पीड़ित प्रतिकर योजना, महिला एवं बाल अधिकार, घरेलू हिंसा से संरक्षण, साइबर अपराध से बचाव, नशामुक्ति, वरिष्ठ नागरिकों के अधिकार तथा टोल फ्री विधिक सहायता हेल्पलाइन 15100 की जानकारी भी दी। वहीं अंचल अधिकारी बासुकीनाथ टुडू ने सामाजिक सुरक्षा पेंशन, अबुआ आवास योजना, राशन कार्ड, आय, जाति एवं आवासीय प्रमाण-पत्र तथा मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना समेत विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए लोगों से उनका लाभ उठाने की अपील की। वहीं कार्यक्रम के दौरान विभिन्न सरकारी योजनाओं के पात्र लाभुकों के बीच परिसंपत्तियों का वितरण किया गया। अधिकारियों ने लाभुकों को योजनाओं का समुचित लाभ लेने के लिए प्रेरित किया। साथ ही ग्रामीणों की समस्याएं सुनकर उन्हें विधिक एवं प्रशासनिक परामर्श दिया गया तथा पारा विधिक स्वयंसेवकों ने जागरूकता संबंधी पंपलेट वितरित किए। इस अवसर पर असिस्टेंट लीगल एड डिफेंस काउंसिल अमरेन्द्र कुमार श्रीवास्तव, प्रखंड एवं अंचल कार्यालय के पदाधिकारी-कर्मचारी, पारा विधिक स्वयंसेवक, जनप्रतिनिधि, आंगनबाड़ी सेविकाएं, सहियाएं तथा बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे। कार्यक्रम का समापन इस संकल्प के साथ हुआ कि अभियान के माध्यम से जिले के प्रत्येक जरूरतमंद व्यक्ति तक विधिक सहायता, न्याय और सरकारी योजनाओं की पहुंच सुनिश्चित की जाएगी।

पूर्व मध्य रेल

निविदा सूचना

विद्युत (परिचालन) विभाग, धनबाद से सम्बंधित कार्य हेतु खुले ई–निविदा के लिए निविदा सूचना

मंडल रेल प्रबन्धक (विद्युत/परिचालन), पूर्व मध्य रेल, धनबाद द्वारा भारत के राष्ट्रपति की तरफ से निम्नलिखित कार्य के निष्पादन हेतु सक्षम संविदाकारों से ई–निविदा आमंत्रित की जाती हैं : **ई–निविदा संख्या–GEM/2026/B/7834853, dated 27/07/2026 क्र.सं. (1) कार्य का नाम, स्थान एवं समापन की अवधि :** धनबाद मंडल के अंतर्गत बरकाकाना रनिंग रूप की संपूर्ण प्रबंधन, जिसमें रनिंग रूम की देखभाल, साफ–सफाई और बागवानी, समाचार पत्र और पत्रिका की आपूर्ति, लिनेन की धुलाई एवं क्रू के लिए रियायती भोजन/भोजन बनाने का प्रावधान तीन वर्षों (1096 दिनों) की अवधि का कार्य आउटसोर्सिंग के द्वारा कराने हेतु। **(2) कार्य के लिए प्राक्कलित राशि :** रू० 2,00,15,941.00 **(3) अग्रधन राशि :** रू० 2,50,100.00 **(4) ई–निविदा बंद होने और खुलने की तिथि एवं समय : ई–निविदा का बंद होना :** 17.08.2026 को 17:00 बजे। **ई निविदा का खुलना :** 17.08.2026 को 17:30 बजे। **(6) वेबसाईट का विवरण :** वेबसाईट **http://gem.gov.in** विशेष : ई–निविदा के तहत किसी भी प्रकार के मैन्युअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किये जाएंगे।

मंडल रेल प्रबंधक (विद्युत/परि.), धनबाद
पीआर/0627/डीएचएन/ईएलईसीटी/टी/26-27/36

स्वैच्छिक रक्तदान को जनआंदोलन बनाने के लिए लगाएं नियमित शिविर : उपायुक्त

बिभा संवाददाता

खूँटी । उपायुक्त मो. जावेद हुसैन की अध्यक्षता में बुधवार को समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में जिला स्तरीय ब्लड डोनेशन अवेयरनेस एंड मॉनिटरिंग कमेटी (बीडीएएमसी) की बैठक आयोजित हुई। बैठक में स्वैच्छिक रक्तदान को संस्थागत स्वरूप देने तथा जिले में सुरक्षित रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित करने को लेकर विस्तृत समीक्षा की गई।

बैठक के दौरान उपायुक्त ने सदर अस्पताल स्थित ब्लड बैंक की वर्तमान स्थिति, उसकी क्षमता, उपलब्ध रक्त यूनिटों की संख्या तथा भंडारण व्यवस्था की जानकारी ली। इसके साथ ही ब्लड सेपरेशन यूनिट की कार्यप्रणाली एवं उपलब्ध सुविधाओं की भी समीक्षा की।

उपायुक्त ने स्वास्थ्य विभाग और रेड क्रॉस सोसाइटी को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए स्वैच्छिक रक्तदान को जनआंदोलन का स्वरूप देने के निर्देश दिए। उन्होंने रेड क्रॉस सोसाइटी के साथ समन्वय बैठक कर सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने तथा विभिन्न प्रखंडों, पंचायतों, पुलिस लाइन और अन्य संस्थानों में नियमित रूप से रक्तदान शिविर आयोजित करने को कहा।

उन्होंने कहा कि आम लोगों को रक्तदान के महत्व और इससे होने वाले स्वास्थ्य लाभों के प्रति व्यापक रूप से जागरूक किया जाए तथा अधिक से अधिक लोगों को स्वैच्छिक रक्तदान के लिए प्रेरित किया जाए, ताकि जरूरतमंद मरीजों को समय पर सुरक्षित रक्त उपलब्ध कराया जा सके।

बैठक में उप विकास आयुक्त, सिविल सर्जन, डीएसपी मुख्यालय, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी सहित ब्लड डोनेशन अवेयरनेस एंड मॉनिटरिंग कमेटी के अन्य सदस्य उपस्थित थे।

राशन वितरण व्यवस्था में लापरवाही बर्दाश्त नहीं, ई-केवाईसी और आधार सीडिंग में तेजी लाने के निर्देश

खूँटी। उपायुक्त मो. जावेद हुसैन की अध्यक्षता में बुधवार को समाहरणालय सभागार में जिला स्तरीय टास्क फोर्स (आपूर्ति) की बैठक आयोजित हुई। बैठक में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (एनएफएसए) एवं झारखंड राज्य खाद्य सुरक्षा योजना के तहत राशन वितरण, आधार एवं मोबाइल नंबर सीडिंग, ई-केवाईसी, राशन कार्ड, सोना-सोबरन धोती, साड़ी एवं लुंगी योजना तथा एमडीएम खाद्यान्न वितरण की समीक्षा की गई। उपायुक्त ने सभी जन वितरण प्रणाली (पीडीएस) दुकानदारों को समय पर खाद्यान्न उठाव कर निर्धारित मात्रा में लाभुकों के बीच वितरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को नियमित रूप से पीडीएस दुकानों का निरीक्षण कर व्यवस्था की निगरानी करने को कहा। साथ ही प्रत्येक माह चावल दिवस आयोजित कर अधिक से अधिक लाभुकों तक खाद्यान्न पहुंचाने के निर्देश दिए। बैठक में राशन कार्डधारियों के आधार और मोबाइल नंबर सीडिंग तथा शत-प्रतिशत ई-केवाईसी कार्य में तेजी लाने पर विशेष जोर दिया गया। उपायुक्त ने सभी प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारियों को राशन दुकानों, गोदामों एवं लैम्प्स केंद्रों का निरीक्षण कर खाद्यान्न भंडारण और भवनों की स्थिति की रिपोर्ट उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। उन्होंने एमडीएम के लिए खाद्यान्न का समय पर उठाव सुनिश्चित करने को भी कहा। बैठक में जिला आपूर्ति पदाधिकारी, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, जिला शिक्षा अधीक्षक, प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी एवं अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

प्रेम प्रसंग में पति की हत्या का खुलासा, पत्नी और प्रेमी गिरफ्तार

बिभा संवाददाता

खूँटी । नगर पंचायत क्षेत्र के डहुगुटू मुहल्ले के सरना टाँड़ की झाड़ियों से शुक्रवार को मिली 40 वर्षीय युवक सागर मुण्डा के शव मामले का पुलिस ने खुलासा कर लिया है। जिसमें सागर की हत्या और कोई नहीं बल्कि उसकी पत्नी ने ही साजिश रची और प्रेमी के साथ घटना को अंजाम दी थी। जिसका उद्भेदन करते हुए मृतक की पत्नी और उसके प्रेमी को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। पुलिस के अनुसार दोनों ने मिलकर युवक की हत्या की और साक्ष्य छिपाने के उद्देश्य से शव को झाड़ियों में फेंक दिया था।

पुलिस के अनुसार 24 जुलाई 2026 को डहुगुटू गांव के सरना टांड़ की झाड़ियों से ठुरहू पाहन उर्फ सागर मुंडा (30), पिता चड़ा मुंडा, निवासी डहुगुटू का शव बरामद हुआ था। इस संबंध में मृतक की पत्नी मुक्ता कुमारी के फर्दबयान के आधार पर खूँटी थाना कांड संख्या 100/26 के तहत भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस)-2023 की संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई।

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के नेतृत्व में विशेष छापामारी टीम का गठन किया गया। तकनीकी साक्ष्यों एवं अन्य उपलब्ध तथ्यों के आधार पर पुलिस ने जोटो तिर्की उर्फ सेलाय (19), निवासी काडेथुबिल, थाना मारंगहादा (वर्तमान पता- कुबडू कुम्बाटोली, हटिया, थाना तुपुदाना) को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पूछताछ के दौरान उसने हत्या में अपनी संलिप्तता स्वीकार करते हुए मृतक की पत्नी मुक्ता कुमारी की भूमिका का भी खुलासा किया।

इसके बाद पुलिस ने मुक्ता कुमारी से पूछताछ की, जिसमें अनुसंधान के दौरान यह तथ्य सामने आया कि मुक्ता कुमारी और उसके प्रेमी जोटो तिर्की ने मिलकर सागर मुंडा की हत्या की थी। हत्या के बाद दोनों ने शव को सरना टांड़ की झाड़ियों में छिपाकर साक्ष्य मिटाने का प्रयास किया। पुलिस ने अभियुक्तों की निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त लोहे की दौली, गमछा, घटना के समय पहने गए कपड़े तथा दो मोबाइल फोन बरामद किए हैं। दोनों आरोपितों को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। पुलिस मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई कर रही है।

संक्षिप्त खबरें

'नशा मुक्त युवा-विकसित भारत' अभियान के तहत जिला स्तरीय प्रतियोगिताएं आज, युवाओं से भागीदारी की अपील

खूँटी(बिभा)। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के तहत संचालित माई भारत, खूँटी द्वारा नशा मुक्त युवा-विकसित भारत अभियान के अंतर्गत 15 से 29 वर्ष आयु वर्ग के युवाओं के लिए जिला स्तरीय प्रतियोगिताओं का आयोजन 29 जुलाई को किया जाएगा। प्रतियोगिताएं सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस गर्ल्स, खूँटी (खूँटी थाना के निकट) में आयोजित होंगी। प्रतियोगिता में लोकगीत (समूह), समूह नृत्य, नुक्कड़ नाटक/माइम (समूह), चित्रकला, वाद-विवाद/भाषण तथा स्लैम पोएट्री जैसी विधाओं में प्रतिभागी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर सकेंगे। इसके अलावा शॉर्ट फिल्म/रील प्रतियोगिता तथा नारा लेखन प्रतियोगिता का आयोजन ऑनलाइन माध्यम से किया जाएगा। आयोजकों के अनुसार प्रत्येक प्रतियोगिता के जिला स्तरीय विजेता राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेने के पात्र होंगे। सभी प्रतियोगिताओं में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को ट्रॉफी एवं प्रमाण-पत्र प्रदान किए जाएंगे। प्रतियोगिता में वही युवा भाग ले सकेंगे जिनकी आयु 20 जुलाई 2026 तक 15 से 29 वर्ष के बीच हो। प्रत्येक प्रतिभागी केवल एक प्रतियोगिता में हिस्सा ले सकेगा। माई भारत, खूँटी के उप निदेशक ने जिले के अधिक से अधिक युवाओं से इस अभियान में भाग लेकर नशा मुक्ति का संदेश फैलाने और अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करने की अपील की है।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने ईवीएम वेयर हाउस का किया मासिक निरीक्षण

खूँटी(बिभा) । जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त मो० जावेद हुसैन द्वारा ईवीएम वेयर हाउस का मासिक निरीक्षण किया गया। उपायुक्त ने ईवीएम के रख रखाव एवं ईवीएम वेयर हाउस की विधि-व्यवस्था से संबंधित आवश्यक पहलुओं की समीक्षा की। ईवीएम वेयर हाउस की सुरक्षा व्यवस्था की जानकारी संबंधित अधिकारियों से ली एवं कई आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। ईवीएम वेयर हाउस निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त ने सीसीटीवी कैमरे एवं अन्य उपकरणों की स्थिति तथा रख-रखाव का जायजा लिया। सीसीटीवी कंट्रोल रूम का भी निरीक्षण किया। ईवीएम वेयर हाउस में तैनात सुरक्षा बलों के लॉग बुक, अग्निशमन यंत्र आदि का निरीक्षण किया। इस दौरान तैनात सशस्त्र सुरक्षा बलों को अपने कार्य एवं दायित्वों के प्रति सचेत व सक्रिय रहने का निर्देश दिया गया। इस दौरान उप निर्वाचन पदाधिकारी ललन कुमार उपस्थित थे।

गुरु रविदास जयंती वर्ष पर भाजपा 'समरसता संकल्प अभियान' खूंटी में दीप महोत्सव से करेगी शुरूआत

खूँटी(बिभा) । संत शिरोमणि श्री गुरु रविदास महाराज की 650वीं जयंती वर्ष के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी ने सामाजिक समरसता, समानता और सद्भाव को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से 29 जुलाई 2026 से 20 फरवरी 2027 तक देशव्यापी 'समरसता संकल्प अभियान' चलाने की घोषणा की है। अभियान की शुरूआत गुरु पूर्णिमा के अवसर पर 'श्री गुरु रविदास महाराज समरसता दीप महोत्सव' से होगी। इसकी जानकारी मंगलवार को भाजपा जिला कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में जिला प्रभारी सुनीता सिंह ने दी। उन्होंने बताया कि 29 जुलाई को खूंटी जिले के विभिन्न धार्मिक स्थलों पर दीप प्रज्ज्वलन, भजन-कीर्तन, सांस्कृतिक कार्यक्रम, प्रवचन तथा प्रसाद वितरण का आयोजन किया जाएगा। आम्रेश्वरधाम में पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा, कर्रा के सोनमेर मंदिर में पूर्व मंत्री नीलकंठ सिंह मुंडा तथा तोरपा के बजरंगबली मंदिर में पूर्व विधायक कोचे मुंडा दीपोत्सव कार्यक्रम में शामिल होंगे। सुनीता सिंह ने बताया कि 29 जुलाई से 10 सितंबर तक कलश वंदन अभियान चलाया जाएगा, जिसके तहत वाराणसी के सीर गोवर्धनपुर स्थित संत रविदास महाराज की जन्मस्थली की पवित्र मिट्टी से भरे कलश राज्यों और जिलों तक पहुंचाए जाएंगे। इसके अलावा संत संपर्क अभियान, छात्रावास संपर्क अभियान और समरसता संवाद जैसे कार्यक्रम भी आयोजित होंगे। 5 अक्टूबर से 5 नवंबर 2026 तक जालंधर से वाराणसी तक समरसता यात्रा निकाली जाएगी। अभियान के सफल संचालन के लिए खूँटी में जिला महामंत्री निखिल कंडूलना के नेतृत्व में पांच सदस्यीय संयोजक मंडल का गठन किया गया है। प्रेस वार्ता में जिला महामंत्री रुपेश जायसवाल, निखिल कण्डुलना और कंचन सिंह भी उपस्थित थे।

हिरणी जलप्रपात उफान पर, पर्यटकों की एंट्री पर रोक

चक्रधरपुर/पश्चिमी सिंहभूम(बिभा): पिछले चार दिनों से लगातार हो रही बारिश के कारण पश्चिमी सिंहभूम जिले के बंदगांव प्रखंड स्थित प्रसिद्ध हिरणी जलप्रपात उफान पर है। जलप्रपात में पानी खतरे के निशान से करीब चार मीटर ऊपर बह रहा है, जिससे प्रशासन पूरी तरह सतर्क हो गया है। जलप्रपात पर तैनात सुरक्षाकर्मी और संबंधित विभाग के कर्मचारी लगातार जलस्तर पर नजर बनाए हुए हैं। बढ़ते जलस्तर और सुरक्षा को देखते हुए पर्यटकों के जलप्रपात के समीप जाने पर फिलहाल रोक लगा दी गई है। वहीं, जलप्रपात के आसपास की बस्तियों में रहने वाले लोगों को भी सतर्क रहने और अनावश्यक रूप से नदी-नालों के पास नहीं जाने की सलाह दी गई है। लगातार बारिश के कारण जिले की रोरो, खरकई, संजय-विंजय, कोयल और कारो सहित कई नदियों एवं नालों का जलस्तर भी तेजी से बढ़ रहा है। विशेष रूप से चक्रधरपुर, सोनुआ, गोईलकेरा और मनोहरपुर क्षेत्र के लोगों में बढ़ते जलस्तर को लेकर चिंता बढ़ गई है।

कार खेत में पलटा और बाल बाल बचे सेवानिवृत्त सिविल सर्जन डॉ. नागेश्वर मांझी

बिभा संवाददाता

खूँटी । जिले के तोरपा थाना क्षेत्र अंतर्गत डोड़मा के पास खूँटी-सिमडेगा मुख्य मार्ग पर मंगलवार दोपहर लगभग 1:30 बजे के आसपास एक ही स्थान पर कुछ ही समय अंतराल में दो सड़क दुर्घटना हो गयी। एक तो खूँटी के सेवानिवृत्त सिविल सर्जन डॉ. नागेश्वर मांझी और दूसरी घटना में सेवानिवृत्त सैनिक जयसिंह होरो घायल हो गए। दोनों की हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है।

डॉ मांझी के अनुसार, वो अपनी कार से तोरपा से बिरसा हॉस्पिटल, जियरप्पा लौट रहे थे। इसी दौरान रास्ते में अचानक आँख झपकने से उनकी कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खेत में उतर गई। कार वे स्वयं चला रहे थे और वाहन में अकेले थे।

दुर्घटना के बाद आसपास उपस्थित लोगों ने देखा कि कार खेत में पलट रहा है तो तभी लोग तत्परता दिखाते हुए उन्हें सुरक्षित बाहर निकाला। डॉ नागेश्वर मांझी मिट्टी से लथपथ हो गये थे। जिस प्रकार उनकी कार दुर्घटना ग्रस्त हो गया जिससे वो बड़ी घटना से बाल बाल बच गये। घटना के पश्चात स्थानीय लोगों ने राहत कार्य में काफी सहयोग किया। उपप्रमुख संतोष कर ने तत्काल एंबुलेंस की व्यवस्था कर डॉ. मांझी को उनकी इच्छा के अनुसार बिरसा हॉस्पिटल, जियरप्पा भेजा, जहाँ वे सेवानिवृत्ति के बाद उप निदेशक के रूप में अपनी सेवाएँ दे रहे हैं।

मोटरसाइकिल सवार युवक ने राहगीर को मारा टक्कर, घायल पूर्व सैनिक जयसिंह होरो अस्पताल में भर्ती

डॉ. मांझी को अस्पताल भेजने के बाद स्थानीय लोग उनकी कार को खेत से बाहर निकालने में जुटे थे। इसी दौरान घटनास्थल पर काफी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे। तभी एक तेज रफ्तार बाइक ने वहाँ खड़े सेवानिवृत्त सैनिक जयसिंह होरो को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर में जयसिंह होरो गंभीर रूप से घायल हो गए और उनका एक पैर टूट गया। स्थानीय लोगों ने तत्काल दूसरी एंबुलेंस बुलाकर उन्हें खूंटी सदर अस्पताल पहुँचाया, जहां उनका इलाज जारी है। जयसिंह होरो मुरहू प्रखंड के कोड़ाकेल पंचायत की मुखिया मरियम होरो के पिता हैं। उनके दामाद सुशील सोय ने बताया कि जयसिंह होरो की स्थिति फिलहाल स्थिर है और चिकित्सकों की निगरानी में उनका उपचार चल रहा है।

बकरी चोरी मामले में एक की हत्या के विरुद्ध सात लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार कर भेजा जेल

बिभा संवाददाता

खूँटी । जिले के मुरहू थाना क्षेत्र अंतर्गत बिंदादिरी गाँव में रविवार की रात बकरी चोरी मामले में भीड़ के आक्रोश के कारण एक व्यक्ति की जान चली गयी जबकि एक व्यक्ति का उपचार चल रहा है। जिसमें गुमला जिले के सिसई थाना क्षेत्र अंतर्गत बगनी गाँव के चार लोगों दिलदार अंसारी, निजाम अंसारी, फिरोज अंसारी और गुड्डू अंसारी की बकरी चोरी मामले में पकड़ लिया गया था। जिसमें ग्रामीणों की मार से दिलदार अंसारी की मौत हो गयी और निजाम अंसारी घायल हो गया है। जिसपर मॉब लिंचिंग की घटना को देखते हुए पुलिस ने मंगलवार को सात लोगों को गिरफ्तार किया और न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

एसपी ऋषभ गर्ग ने कहा कि कानून को अपने हाथ में लेना किसी का अधिकार नहीं है। अगर कोई गुनाह किया है तो कानून उसे सजा देगी। हत्या करना किसी का समाधान नहीं होता है। जो घटना हुई है उसमें पड़ताल किया गया और अनुसंधान में नाम आया जिन्हें जेल भेज दिया गया । अब कानून ही न्याय करेगा। एसपी ने कहा कि ऐसे कार्य व हो इसलिए जनजागरण की भी आवश्यकता है। सभी को इन बातों को समझना होगा कि कोई भी घटना हो तो पुलिस को इसकी त्वरित जानकारी दें। ताकि उन्हें न्यायिक हिरासत में लेकर कानूनी तरीके से कार्रवाई किया जा सके।

बाजार टांड़ में शिबू सोरेन की प्रतिमा स्थापना का आदिवासी समन्वय समिति ने किया विरोध, उपायुक्त को सौंपा आवेदन

बिभा संवाददाता

खूँटी। बाजार टाँड़, खूँटी में दिशूम गुरु शिबू सोरेन की प्रस्तावित प्रतिमा स्थापना का आदिवासी समन्वय समिति एवं विभिन्न आदिवासी सामाजिक संगठनों ने विरोध जताते हुए उपायुक्त को आवेदन सौंपा है। समिति ने प्रतिमा स्थापना कार्यक्रम को तत्काल स्थगित करने की मांग की है। समिति का कहना है कि सोशल मीडिया और प्रिंट मीडिया के माध्यम से उन्हें जानकारी मिली है कि कुछ राजनीतिक नेताओं द्वारा बाजार टांड़ में दिशूम गुरु शिबू सोरेन की प्रतिमा स्थापित करने की मांग की जा रही है। आवेदन में कहा गया है कि खूँटी आदिवासी मुंडा बहुल जिला है और आजादी से लेकर अब तक यहाँ के मुंडा समाज ने देश के लिए अनेक महत्वपूर्ण योगदान और बलिदान दिए हैं। समिति ने एन.ई. होरो, डॉ. रामदयाल मुंडा, सुशीला केरकेट्टा, टी. मुचीराय मुंडा, शहीद जवरा मुंडा सहित कई स्वतंत्रता सेनानियों का उल्लेख करते हुए कहा कि स्थानीय समाज की सहमति के बिना बाजार टांड़ में प्रतिमा स्थापित करना उचित नहीं है।

आवेदन में आरोप लगाया गया है कि यह मांग कुछ नेताओं के राजनीतिक स्वार्थ और व्यक्तिगत निर्णय का परिणाम है, जिससे स्थानीय मुंडा समाज में नाराजगी है। समिति ने स्पष्ट किया कि वह इस प्रस्ताव का विरोध करती है और प्रशासन से प्रतिमा स्थापना की प्रस्तावित प्रक्रिया को तत्काल रोकने की मांग करती है।

चंद्रप्रभात मुण्डा ने कहा कि चापलूसी का हद है कि इस प्रकार का निर्णय एक दो तथाकथित लोगों के द्वारा लिया जाता है। जो कि इस मुंडा खुटकटी क्षेत्र में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा ।

आदिवासी समन्वय समिति एवं अन्य सामाजिक संगठनों ने उपायुक्त से आग्रह किया है कि सामाजिक सौहार्द और स्थानीय जनभावनाओं को ध्यान में रखते हुए प्रस्तावित प्रतिमा स्थापना कार्यक्रम को अविलंब स्थगित किया जाए। इस दौरान , चंद्र प्रभात मुंडा, मार्बल बारला, जोनसन होरो, बा सिंह मुण्डा, डेविड हमसोय, चार्ल्स पाहन वगैरह उपस्थित थे । ये जानकारी प्रेस विज्ञप्ति जारी कर चंद्रप्रभात मुण्डा ने

आरएसएस के पूर्व जिला संघचालक व लाह उद्योग में खूँटी को अंतर्राष्ट्रीय पहचान दिलाने वाले रोशन लाल शर्मा का निधन

बिभा संवाददाता

खूँटी। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर लाह कारोबार को नई पहचान दिलाने वाले और लाह उद्योग के भीष्म पितामह के रूप में विख्यात वरिष्ठ उद्योगपति और राष्ट्रीय स्वयं संघ के पूर्व जिला संघचालक रोशन लाल शर्मा का मंगलवार को निधन हो गया। वे 91 वर्ष के थे। दो दिन पूर्व ही 26 जुलाई को उन्होंने परिवार के साथ अपना 91वाँ जन्मदिन मनाया था। अचानक तबीयत बिगड़ने पर उन्हें खूँटी के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया गया था, जहाँ मंगलवार दोपहर करीब दो बजे उन्होंने अंतिम साँस ली। उनका अंतिम संस्कार बुधवार सुबह 11 बजे किया जाएगा।

रोशन लाल शर्मा अपने पीछे भरा-पूरा परिवार छोड़ गए हैं। वे लाह उद्योगपति होने के साथ सामाजिक कार्यकर्ता तथा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पूर्व जिला संघ चालक भी रहे। समाज के दुख दर्द के साथी रहे जिन्होंने समय समय पर समाज के बीच जाकर उन्हें मदद पहुंचाने का कार्य किया। जिनके लाह औद्योगिक विकास कराने के साथ उनकी मेहनत और कार्य की गति के कारण किसी संख्या में रोजगार उपलब्ध कराया । जहाँ काम करके अनेक परिवारों का भरण पोषण का सहयोग मिला।

रौशन लाल शर्मा अपने व्यावसायिक जीवन की शुरूआत मुरहू स्थित अच्छू राम लाह फैक्ट्री में नौकरी से की थी। बाद में अपनी मेहनत और दूरदर्शिता के बल पर तजना लाह फैक्ट्री की स्थापना की और लाह कारोबार को अंतर्राष्ट्रीय स्तर तक पहुँचाया। उनके उत्पादों का निर्यात दुनिया के कई देशों में होता था, जिससे खूंटी को वैश्विक लाह बाजार में विशेष पहचान मिली।

उद्योग के साथ-साथ वे समाजसेवा में भी सक्रिय रहे। गरीबों की सहायता, किसानों को आर्थिक सहयोग, ग्रामीणों को स्वरोजगार के लिए प्रेरित करना तथा प्राकृतिक वन उत्पादों के माध्यम से आत्मनिर्भर बनने का संदेश देना उनके जीवन का उद्देश्य रहा। कोरोना काल में जब तरबूज की फसल की बिक्री नहीं हो रही थी तो वो स्वयं सारा तरबूज खरीदकर लोगों के बीच बंटवारा और अपने मवेशियों का चारा के रुप में भी उपयोग कराया। गरीबों के बीच कम्बल वितरण से लेकर मेहनत और कार्य के प्रति लोगों को जनजागरण भी किया । वर्ष 2021 में बिरबांकी में उन्होंने ग्रामीणों को कटहल चिप्स, मैंगो जूस, लाह, इमली, लेमनग्रास, महुआ, चिरौंजी और करंज जैसे उत्पादों के व्यापारिक महत्व की जानकारी देकर स्थानीय संसाधनों से रोजगार सृजन का मार्ग दिखाया था।

बिरहोर समुदाय के कुपोषण की जानकारी मिलने पर वे स्वयं तेलंगाडीह बिरहोर कॉलोनी पहुँचे और काजू, किशमिश, अखरोट सहित दो माह का पोषण आहार उपलब्ध कराया था। उनके इस प्रयास से बिरहोर परिवारों के स्वास्थ्य में सकारात्मक सुधार देखा गया।

रोशन लाल शर्मा खूँटी के विकास को लेकर हमेशा चिंतित रहते थे। लगभग 11 वर्ष पूर्व उन्होंने योग गुरु बाबा रामदेव को खूँटी आमंत्रित कर यहाँ आचार्यकुलम की स्थापना का आग्रह भी किया था। उन्होंने अपने जीवन में करीब 100 देशों की यात्रा की, लेकिन हमेशा कहा करते थे कि ₹खूँटी की वादियाँ स्वीट्जरलैंड से कम नहीं हैं।₹ उनके निधन की जानकारी मिलते ही पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा ने शोक व्यक्त किया। उन्होंने संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि रौशनलाल शर्मा का निधन अपूर्णीय जाति है। मौके पर, राँची विभाग के सह विभाग कार्यवाह आरएसएस के शशि कुमार पांडेय, भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष नीलकंठ सिंह मुंडा, पूर्व विधायक कोचे मुंडा, उपप्रमुख अरुण साबू, भाजपा के जिलाध्यक्ष आनंद कुमार, समाजसेवी महेश प्रसाद चौधरी, पूर्व जिलाध्यक्ष काशीनाथ महतो, निखिल कण्डुलना, सहित कई लोगों ने गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि उनके निधन से खूँटी ही नहीं, बल्कि देश-विदेश के लाह उद्योग और व्यापार जगत में शोक की लहर है।

समय से पहले पूरा हुआ एसआईआर-2026 का डिजिटाइजेशन, खूंटी और तोरपा विधानसभा ने हासिल की 100 फीसदी उपलब्धि

बिभा संवाददाता

खूँटी। भारत निर्वाचन आयोग के निदेशानुसार चल रहे झारखंड विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर)-2026 के तहत खूँटी जिले ने महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त मो. जावेद हुसैन के नेतृत्व में अंतिम तिथि से एक दिन पहले ही 60-खूँटी एवं 59-तोरपा विधानसभा क्षेत्रों में गणना प्रपत्रों का 100 प्रतिशत डिजिटाइजेशन कार्य पूरा कर लिया गया।

उपायुक्त ने इस उपलब्धि का श्रेय निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी (ईआरओ), सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी (एईआरओ), बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ), बूथ लेवल एजेंट (बीएलए) सहित सभी संबंधित अधिकारियों और कर्मियों को देते हुए उनके समर्पण, टीमवर्क और सतत प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि बेहतर समन्वय, नियमित मॉनिटरिंग और समयबद्ध कार्य निष्पादन के कारण जिले ने निर्धारित समय से पहले लक्ष्य हासिल किया।

उन्होंने बताया कि एसआईआर-2026 के अगले चरण के तहत 5 अगस्त 2026 को प्रारूप मतदाता सूची प्रकाशित की जाएगी। इसके बाद 5 अगस्त से 4 सितंबर तक दावे एवं आपत्तियां प्राप्त की जाएंगी, जबकि उनका निष्पादन 3 अक्टूबर तक किया जाएगा। सभी प्रक्रियाएं पूरी होने के बाद 7 अक्टूबर 2026 को अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन होगा।

उपायुक्त ने सभी संबंधित अधिकारियों और कर्मियों को आगामी चरणों में भी पूरी जिम्मेदारी और तत्परता के साथ कार्य करते हुए निर्वाचन आयोग के निर्धारित कार्यक्रम का शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण : गणना प्रपत्र जमा करने का अंतिम मौका आज

खूँटी । झारखंड में चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर)-2026 के तहत गणना प्रपत्र (एन्यूमरेशन फॉर्म) जमा करने की अंतिम तिथि 29 जुलाई 2026 निर्धारित की गई है। निर्वाचन विभाग ने मतदाताओं से अपील की है कि जिन लोगों ने अभी तक अपना गणना प्रपत्र जमा नहीं किया है, वे आज ही यह प्रक्रिया पूरी कर लें। विभाग ने कहा है कि गणना प्रपत्र सही एवं पूर्ण जानकारी के साथ जमा करना आवश्यक है। समय सीमा के भीतर फॉर्म जमा नहीं करने वाले मतदाताओं का नाम 5 अगस्त 2026 को प्रकाशित होने वाली प्रारूप (ड्राफ्ट) मतदाता सूची में शामिल नहीं किया जा सकेगा। निर्वाचन विभाग ने सभी पात्र मतदाताओं से निर्धारित समय के भीतर गणना प्रपत्र जमा कर मतदाता सूची में अपना नाम सुनिश्चित करने की अपील की है।

बुण्डू में ग्राम पंचायतों को सशक्त बनाने के लिए दो दिवसीय प्रशिक्षण

बिभा संवाददाता

बुण्डू । पंचायती राज विभाग, झारखंड सरकार के तत्वावधान में ग्राम पंचायत विकास योजना (जीपीडीपी) 2026-27 एवं सबकी योजना, सबका विकास अभियान के तहत प्रखंड कार्यालय सभागार, बुंडू में 27 एवं 28 जुलाई को ग्राम पंचायत सहजकर्ता दल का दो दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित किया गया।

प्रशिक्षण में मुख्य मास्टर ट्रेनर अंजना देवी एवं सतीश जायसवाल ने प्रतिभागियों को ग्राम पंचायत विकास योजना तैयार करने की प्रक्रिया, जनभागीदारी, ग्राम सभा की भूमिका, स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप विकास योजनाओं के निर्माण तथा प्रभावी क्रियान्वयन से संबंधित विभिन्न विषयों की विस्तृत जानकारी दी। इस प्रशिक्षण में प्रखंड अंतर्गत तैमारा, गभड़ेया, हुमता, एदेलहातु, ताऊ एवं रेलाडीह पंचायत से कुल 36 प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को ग्राम पंचायत स्तर पर विकास योजनाओं के सफल संचालन एवं जनसहभागिता सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक तकनीकी एवं व्यवहारिक जानकारी प्रदान की गई। मौके पर प्रखंड समन्वयक वाजिद अली ने विधि व्यवस्था संभाला।

किसान के बेटे

सर्वेश ने रचा इतिहास

भारत को हाई जंप में पहला रजत पदक

ग्लास्गो (एजेंसी)। भारत के राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी सर्वेश कुशारे ने कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में इतिहास रच दिया। 31 वर्षीय एथलीट ने पुरुष हाई जंप स्पर्धा में 2.25 मीटर की छलांग लगाकर रजत पदक अपने नाम किया। वह कॉमनवेल्थ गेम्स के इतिहास में इस स्पर्धा में रजत पदक जीतने वाले पहले भारतीय बन गए। इससे पहले तेजस्विन शंकर ने 2022 बर्मिंघम खेलों में कांस्य पदक जीतकर इतिहास रचा था।

काउंटबैक में स्वर्ण से चूके

सर्वेश और जमैका के रोमेन बेकफोर्ड दोनों ने 2.25 मीटर की ऊंचाई सफलतापूर्वक पार की, लेकिन 2.28 मीटर की ऊंचाई पर दोनों असफल रहे। इसके बाद काउंटबैक नियम के आधार पर फैसला हुआ। बेकफोर्ड ने कम असफल प्रयास किए थे, इसलिए उन्हें स्वर्ण पदक मिला, जबकि सर्वेश को रजत से संतोष करना पड़ा। इंग्लैंड के जैक किमानी ने 2.20 मीटर के साथ कांस्य पदक जीता। भारत के आदर्श राम 2.15 मीटर की छलांग के साथ पांचवें स्थान पर रहे।

खेत से कॉमनवेल्थ पोडियम तक का सफर

महाराष्ट्र के नासिक जिले के देवगांव निवासी सर्वेश कुशारे का सफर संघर्षों से भरा रहा है। उनके पिता प्याज की खेती करते हैं। बचपन में सुविधाओं की कमी के कारण उनके पिता और पहले कोच ने मकई के छिलकों, कपास और खेतों के अन्य अवशेषों से अस्थायी लैंडिंग पिट तैयार की, ताकि सर्वेश हाई जंप का अभ्यास कर सकें।

बढ़ा आत्मविश्वास

सर्वेश हाल के महीनों में शानदार फॉर्म में रहे हैं। इसी महीने उन्होंने मोनाको डायमंड लीग में 2.26 मीटर की छलांग लगाकर तीसरा स्थान हासिल किया था और डायमंड लीग में पोडियम पर पहुंचने वाले भारत के चौथे एथलीट बने थे। इससे पहले उन्होंने भुवनेश्वर में राष्ट्रीय अंतरराज्यीय चैंपियनशिप में 2.31 मीटर की छलांग लगाकर नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड भी बनाया था।

पीएम मोदी ने दी बधाई

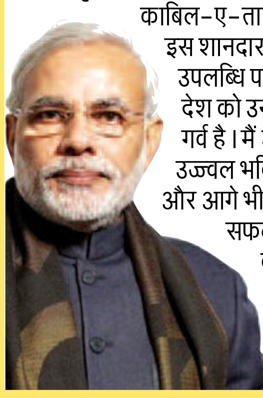

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया पर सर्वेश कुशारे को बधाई देते हुए लिखा, 'कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में पुरुष हाई जंप में रजत पदक जीतने पर सर्वेश कुशारे को हार्दिक बधाई। उनका दृढ़ संकल्प और निरंतरता काबिल-ए-तारीफ है। इस शानदार उपलब्धि पर पूरे देश को उन पर गर्व है। मैं उनके उज्ज्वल भविष्य और आगे भी अनेक सफलताओं की कामना करता हूं।'

एशियाई खेलों में स्वर्ण जीतना चाहता हूं

अपने पहले कॉमनवेल्थ गेम्स में पदक जीतने के बाद सर्वेश ने कहा, 'यह मेरा पहला पदक है और किसी बड़े अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में भी पहला पदक है। एशियाई खेल और कॉमनवेल्थ गेम्स ओलंपिक की तैयारी के लिए अहम प्रतियोगिताएं हैं। मेरा लक्ष्य ओलंपिक में पदक जीतना है। मैं अपनी पूरी कोशिश करूंगा। इसके साथ ही मैं एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतना चाहता हूं।' मुकाबले के आखिरी प्रयासों के बारे में उन्होंने कहा, 'मैं हर ऊंचाई को पहले ही प्रयास में पार करना चाहता था। यह मेरे लिए शानदार अनुभव रहा।'

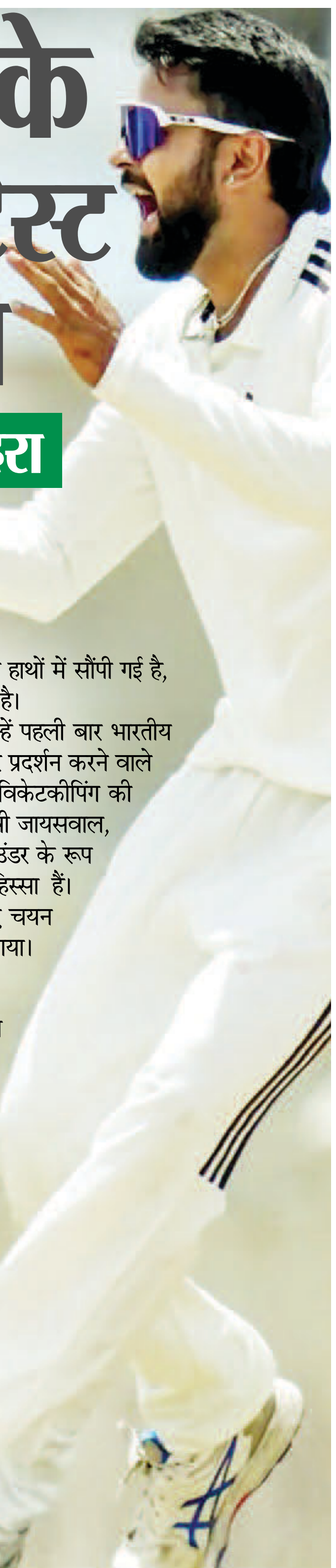

श्रीलंका दौरे के लिए भारतीय टेस्ट टीम का एलान

सारांश जैन टीम में नया चेहरा

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने मंगलवार को श्रीलंका के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए 15 सदस्यीय भारतीय टीम की घोषणा कर दी। दोनों देशों के बीच टेस्ट सीरीज की शुरुआत 15 अगस्त से होगी। टीम की कमान एक बार फिर शुभमन गिल के हाथों में सौंपी गई है, जबकि अनुभवी बल्लेबाज केएल राहुल को उपकप्तान बनाया गया है।

इस टीम में सबसे चौंकाने वाला चयन सारांश जैन का है, जिन्हें पहली बार भारतीय टेस्ट टीम में शामिल किया गया है। घरेलू क्रिकेट में लगातार शानदार प्रदर्शन करने वाले इस ऑलराउंडर को पहली बार सीनियर टीम से बुलावा मिला है। विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी ऋषभ पंत और ध्रुव जुरेल संभालेंगे। बल्लेबाजी में यशस्वी जायसवाल, साई सुदर्शन और देवदत्त पडिक्कल को भी जगह मिली है। ऑलराउंडर के रूप में रवींद्र जडेजा, कुलदीप यादव और मानव सुथार टीम का हिस्सा हैं। बीसीसीआई ने स्पष्ट किया कि वॉशिंगटन सुंदर पहले टेस्ट के लिए चयन के लिए उपलब्ध नहीं थे, इसलिए उन्हें टीम में शामिल नहीं किया गया।

इन खिलाड़ियों की हुई टेस्ट टीम में वापसी

भारत ने पिछला टेस्ट अफगानिस्तान के खिलाफ खेला था। उस टीम से तुलना करें तो नीतीश रेड्डी, हर्ष दुबे, वॉशिंगटन सुंदर मौजूदा टीम का हिस्सा नहीं हैं। वहीं, रवींद्र जडेजा और बुमराह की टेस्ट टीम में वापसी हुई है। हालांकि, बुमराह का खेलना अभी तय नहीं है। इसके अलावा सारांश नया चेहरा हैं। जडेजा ने पिछला टेस्ट पिछले साल नवंबर में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ बरसापारा स्टेडियम में खेला था। वह काफी लंबे समय बाद वापसी कर रहे हैं। उनका पिछला अंतरराष्ट्रीय मैच इस साल जनवरी में आया था।

श्रीलंका दौरे के लिए भारतीय टेस्ट टीम

कप्तान: शुभमन गिल, **उपकप्तान:** केएल राहुल, यशस्वी जायसवाल, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), साई सुदर्शन*, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), रवींद्र जडेजा, कुलदीप यादव, मानव सुथार, जसप्रीत बुमराह*, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, गुरनूर बराड़, देवदत्त पडिक्कल, सारांश जैन।साई सुदर्शन और जसप्रीत बुमराह का चयन सब्जेक्ट टू फिटनेस है, यानी बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस से फिटनेस मंजूरी मिलने के बाद ही खेल सकेंगे।

तेजस्विन शंकर ने जीता दिल: चोटिल होकर नहीं खेल पाए तो रो पड़े!

फिर भारत को रजत पदक दिलाने में इस तरह की मदद

कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में भारतीय एथलीट तेजस्विन शंकर के लिए सोमवार का दिन बेहद भावुक रहा। घुटने की पुरानी चोट उभर आने के कारण उन्हें पुरुष हाई जंप स्पर्धा से बीच में ही हटना पड़ा, लेकिन अपने पदक का सपना टूटने के बावजूद उन्होंने मैदान नहीं छोड़ा। वह पूरे मुकाबले के दौरान साथी खिलाड़ी सर्वेश कुशारे के साथ खड़े रहे और उन्हें तकनीकी सलाह देते रहे। तेजस्विन की यही सलाह सर्वेश के लिए निर्णायक साबित हुई और उन्होंने भारत को हाई जंप में ऐतिहासिक रजत पदक दिला दिया।

बर्मिंघम 2022 कॉमनवेल्थ गेम्स के कांस्य पदक विजेता तेजस्विन ने वार्म-अप के दौरान घुटने में तेज दर्द महसूस किया। उन्होंने पहली ऊंचाई पार करने की कोशिश की, लेकिन दर्द बढ़ने पर मुकाबले से हटने का फैसला किया। इसके बावजूद वह स्टेडियम में मौजूद रहे और सर्वेश कुशारे के हर प्रयास पर नजर बनाए रखी।

सर्वेश ने बताया कि 2.25 मीटर की ऊंचाई पर उनकी लय बिगड़ गई थी और रन-अप छोटा पड़ने लगा था। ऐसे समय में तेजस्विन ने उन्हें रन-अप थोड़ा आगे से शुरू करने की सलाह दी, जिससे वह अपनी लय वापस हासिल कर सके और रजत पदक जीतने में सफल रहे।

बस एक दिन दर्द नहीं चाहिए था, लेकिन वही दिन आ गया

मुकाबले के बाद भावुक नजर आए तेजस्विन ने कहा, 'वार्म-अप के दौरान मेरे घुटने में अचानक तेज दर्द हुआ। यह कोई नई समस्या नहीं है। मुझे लंबे समय से टेंडोनाइटिस की दिक्कत है। लगभग हर हाई जंपर इस परेशानी से जूझता है, लेकिन आज यह दर्द ऐसे दिन बढ़ गया, जब मुझे खुद पर पूरा भरोसा था। मुझे यकीन था कि मैं पदक जीत सकता हूं, लेकिन पहली ही ऊंचाई पार नहीं कर सका। यह बहुत तकलीफ देता है।' उन्होंने आगे कहा, 'यह पैटेलर टेंडन के ज्यादा इस्तेमाल की वजह से हुआ। कुछ असाधारण नहीं है, लेकिन आज यह अचानक बढ़ गया और मेरा पूरा मुकाबला खराब हो गया।' तेजस्विन ने बताया कि उन्होंने आगे जोखिम नहीं लिया क्योंकि दो दिन बाद डेकाथलॉन स्पर्धा शुरू होनी है। उन्होंने कहा, 'मेरे पास अभी दो दिन हैं। मैं इन दो दिनों में पूरी कोशिश करूंगा कि चोट से उबर सकूं। मैं यहां छुट्टियां मनाने नहीं आया हूं। मैं डेकाथलॉन में जरूर उतरूंगा। अगर किसी तरह हाई जंप और लंबी कूद में दर्द को संभाल लिया, तो बाकी स्पर्धाओं में अच्छा प्रदर्शन करने का भरोसा है।'

बुमराह-सुदर्शन का चयन सब्जेक्ट टू फिटनेस

तेज गेंदबाजी आक्रमण की अगुआई जसप्रीत बुमराह करेंगे। उनके साथ मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा और गुरनूर बराड़ को भी टीम में शामिल किया गया है। हालांकि, बीसीसीआई ने स्पष्ट किया है कि साई सुदर्शन और जसप्रीत बुमराह की उपलब्धता बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस से फिटनेस मंजूरी मिलने पर निर्भर करेगी।

इंडिया बनाम श्रीलंका: टेस्ट सीरीज का शेड्यूल

इसके साथ ही बात की जाए शेड्यूल की तो पहला मैच 15 से 19 अगस्त के बीच गाले में खेला जाएगा। फिर कोलंबो में होने वाले दूसरे टेस्ट का आगाज 23 अगस्त से हो जाएगा। ये सभी मुकाबले भारतीय समय के अनुसार 10 बजे शुरू होंगे।

फॉर्मेट भी बदलेगा

एशियाई खेलों में जलवा दिखाते नजर आएंगे वैभव!

नई दिल्ली। भारतीय टीम ने जिम्बाब्वे दौरे पर टी20 सीरीज 3-0 से अपने नाम की। कप्तान श्रेयस अय्यर की कप्तानी में लगातार दो टी20 सीरीज गंवाने के बाद अब भारत ने अय्यर की कप्तानी में खाता खोला है। वैभव सूर्यवंशी इस सीरीज में हीरो रहे और 3 पारियों में 151 रन बनाकर टॉप स्कोरर भी बने। उन्हें अंतिम मुकाबले में प्लेयर ऑफ द मैच और प्लेयर ऑफ द सीरीज भी चुना गया। अब नजरें होंगी कि कब वैभव फिर से टीम इंडिया की जर्सी में नजर आएंगे।

दरअसल अब टीम इंडिया को श्रीलंका का दौरा करना है जहां दो टेस्ट मैच खेले जाएंगे। उसके बाद अफगानिस्तान की मेजबानी में दिल्ली में तीन मैचों की टी20 सीरीज 13, 15 और 17 सितंबर को आयोजित हो सकती है। मगर उससे पहले टीम इंडिया तीन वनडे और तीन टी20 बांग्लादेश के साथ भी खेल सकती है जिसकी पुष्टि नहीं हुई है।

अगर बांग्लादेश सीरीज हुई तो अफगानिस्तान के खिलाफ मैचों की तारीखें आगे खिसक सकती हैं।

अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज का आधिकारिक ऐलान नहीं हुआ है। मगर सितंबर के अंत में जापान में होने वाले एशियाई खेलों में वैभव सूर्यवंशी भारतीय स्क्वाड का हिस्सा हैं। यानी अगर अफगानिस्तान-बांग्लादेश सीरीज नहीं हुई तो वैभव सीधे एशियाई खेलों में जलवा दिखाते नजर आएंगे। वरना उससे पहले भी दिल्ली में उनका जलवा देखने को मिल सकता है।

बिंदियारानी का कमाल, ब्रॉन्ज किया अपने नाम

नई दिल्ली। ग्लास्गो कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में भारत के नाम छठा पदक हो गया है। भारत को वेटलिफ्टिंग में पांचवां मेडल मिला है। 58 किलोग्राम वर्ग में बिंदियारानी देवी ने ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया है। उन्होंने स्नैच और क्लीन एंड जर्क मिलाकर 199 किलोग्राम का कुल वजन उठाया और देश को मेडल दिलाया। इससे पहले बर्मिंघम कॉमनवेल्थ गेम्स में उन्होंने सिल्वर मेडल अपने नाम किया था।

58 किलोग्राम की प्रतियोगिता में बिंदियारानी देवी ने स्नैच में अपना बेस्ट अटेम्प्ट 86 किलोग्राम वजन उठाकर दिया था। इसके बाद क्लीन एंड जर्क में उनका बेस्ट 113 किलोग्राम रहा। कुल मिलाकर 199 किलोग्राम के साथ उन्होंने ब्रॉन्ज जीता। वहीं 53 किलोग्राम के बाद 58 किलोग्राम में भी नाईजीरिया को गोल्ड मेडल मिला। राफियातू लावल ने स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

इससे पहले 27 जुलाई सोमवार को भारत को वेटलिफ्टिंग में ही 53 किलोग्राम वर्ग में ज्ञानेश्वरी यादव ने सिल्वर मेडल दिलाया था। भारत को अब तक मौजूदा राष्ट्रमंडल खेलों में एकमात्र गोल मीराबाई चानू ने दिलाया था। उनको जोड़कर दो पुरुष और तीन महिला वेटलिफ्टर अभी तक इन खेलों में मेडल अपने नाम कर चुके हैं। जबकि एकमात्र मेडल वेटलिफ्टिंग के अलावा पैरा पॉवरलिफ्टिंग में आया था। कॉमनवेल्थ खेलों में भारतीय वेटलिफ्टर्स का प्रदर्शन लगातार शानदार रहा है। भारत वेटलिफ्टिंग के मामले में ऑस्ट्रेलिया के बाद दूसरा सबसे सफल देश है जिसने राष्ट्रमंडल खेलों में अब तक 134 मेडल जीते हैं और 46 गोल्ड इसमें शामिल हैं। 2022 में बर्मिंघम कॉमनवेल्थ गेम्स में भारत को 10 मेडल (3 गोल्ड, 3 सिल्वर, 4 ब्रॉन्ज) वेटलिफ्टिंग में ही मिले थे।

भालाफेंक में नीरज से टक्कर लेने को तैयार हैं पाकिस्तान के अरशद खान

ग्लास्गो। भालाफेंक में राष्ट्रमंडल खेलों और ओलंपिक के मौजूदा चैंपियन अरशद नदीम स्विट्जरलैंड में खराब मौसम के कारण अच्छी तरह से अभ्यास नहीं कर पाए, लेकिन लंबे समय से उनके कोच रहे सलमान बट ने कहा कि वह पुरुषों की भाला फेंक प्रतियोगिता के क्वालिफाइंग राउंड के लिए पूरी तरह से तैयार हैं।

पाकिस्तान राष्ट्रमंडल खेलों में अभी तक एक भी पदक नहीं जीत पाया है और उसकी उम्मीद अरशद पर टिकी है। अरशद का हाल का प्रदर्शन हालांकि अच्छा नहीं रहा तथा वह इस महीने की शुरुआत में स्विट्जरलैंड में ल्यूसर्न सिल्वर मीट में नौवें स्थान पर रहे थे। वह परिस्थितियों से वाकिफ होने के लिए काफी पहले ग्लास्गो पहुंच गए थे और 30 जुलाई को होने वाले क्वालिफायर के लिए तैयार हैं।

बट ने न्यूज एजेंसी पीटीआई को बताया, 'बारिश के कारण अरशद को स्विट्जरलैंड में खेली गई प्रतियोगिता से पहले ठीक से तैयारी करने का मौका नहीं मिला और उसे गीली सतह की स्थितियों से सामंजस्य बिठाने में संघर्ष करना पड़ा।' उन्होंने कहा, 'लेकिन अब वह ग्लास्गो की परिस्थितियों के अनुकूल हो रहा है। वह क्वालीफायर के लिए पूरी तरह से तैयार है और इस प्रतियोगिता में फिर से अच्छा प्रदर्शन करना चाहता है।'

फॉर्मेट भी बदलेगा

टी20 वर्ल्ड कप में 20 नहीं 24 टीमें लेंगी हिस्सा!

नई दिल्ली। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल द्वारा हाल ही में 2028 और 2030 टी20 वर्ल्ड कप में टूर्नामेंट के फॉर्मेट बदलने की जानकारी दी गई थी। अब नई रिपोर्ट के मुताबिक यह जानकारी सामने आई है कि, आईसीसी ने अब टीमों की संख्या बढ़ाने का भी प्लान किया है। अभी तक 20 टीमें टी20 वर्ल्ड कप में हिस्सा लेती हैं। गौरतलब है कि 2024 में 16 से 20 तक संख्या बढ़ाई गई थी। अब यह संख्या 24 तक जा सकती है। द टेलीग्राफ की हालिया रिपोर्ट के मुताबिक आईसीसी ने अपना विजन टी20 वर्ल्ड कप को 32 टीमों का टूर्नामेंट बनाने का रखा है। ऐसे में 2032 के संस्करण में 20 से 24 टीमों तक यह टूर्नामेंट बढ़ सकता है। हालांकि, अगले दो संस्करण 2028 और 2030 में 20 टीमें ही हिस्सा लेंगी।

क्यों लिया जा सकता है यह फैसला?

रिपोर्ट में कहा गया कि 2026 टी20 वर्ल्ड कप की सफलता के बाद गवर्निंग काउंसिल द्वारा अन्य देशों के लिए मौके बढ़ाने और दुनियाभर में क्रिकेट के नए बाजार को तैयार करने के लिए यह फैसला लिया जा सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक आईसीसी का विजन है टी20 वर्ल्ड कप को 32 टीमों का टूर्नामेंट करवाने का। इसलिए आईसीसी धीरे-धीरे टीमों की संख्या बढ़ाकर इस टूर्नामेंट की सफलता को आंकना चाहता है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि आईसीसी के मुताबिक टी20 फॉर्मेट क्रिकेट को दुनियाभर में आगे बढ़ाने का सबसे असरदार जरिया है। 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक में भी क्रिकेट की वापसी हो रही है।

भारत की पहली सीधी कमर्शियल कंटेनर मालगाड़ी नेपाल पहुंचीः सीमा-पार व्यापार और कनेक्टिविटी के एक नए अध्याय की शुरूआत

कोलकाता पोर्ट से विराटनगर तक 40-वैगन वाली मालगाड़ी, संशोधित भारत-नेपाल रेल ट्रांज़िट प्रोटोकॉल के तहत चलाई गई

सीधी रेल माल ढुलाई सेवा से यात्रा का समय, लॉजिस्टिक्स की लागत और कार्गो हैंडलिंग में कमी आई है, जिससे भारत-नेपाल व्यापारिक संबंध मजबूत हुए हैं

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे ने कोलकाता पोर्ट से नेपाल के विराटनगर कस्टम्स यार्ड तक पहली सीधी कमर्शियल कंटेनर फ्रेट ट्रेन चलाकर भारत-नेपाल के बीच माल ढुलाई कनेक्टिविटी को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। कैनोला का कंसाइनमेंट ले जा रही 40 वैगन वाली इस ट्रेन ने संशोधित भारत-नेपाल रेल ट्रांज़िट प्रोटोकॉल के तहत अपनी यात्रा पूरी की, जो रेल-आधारित सीमा-पार माल ढुलाई के क्षेत्र में एक नए अध्याय की शुरूआत है। इस सफल ऑपरेशन से कोलकाता पोर्ट से विराटनगर तक कंटेनर वाले कार्गो को बिना बॉर्डर पर सामान बदले (ट्रांसशिपमेंट) सीधे रेल से ले जाना संभव हो गया है। उम्मीद है कि इस नई व्यवस्था से सामान ले जाने में लगने वाले समय, लॉजिस्टिक्स की लागत और कार्गो हैंडलिंग में काफी कमी आएगी, साथ ही दोनों पड़ोसी देशों के बीच सीमा-पार व्यापार की दक्षता, विश्वसनीयता और प्रतिस्पर्धात्मकता भी बेहतर होगी।

यह उपलब्धि संशोधित भारत-नेपाल रेल ट्रांजिट प्रोटोकॉल को लागू करने से संभव हुई है, जो दोनों देशों के बीच माल के निर्बाध एंड-टू-एंड रेल परिवहन को आसान बनाता है।

यह उपलब्धि जोगबनी (भारत) और विराटनगर (नेपाल) के बीच ब्रॉड-गेज रेल लिंक पर आधारित है, जिसका उद्घाटन जून 2023 में भारत के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और नेपाल के तत्कालीन प्रधानमंत्री ने किया था। नवंबर 2025 में संशोधित ह्यलेटर ऑफ एक्सचेंजह्व (छङ्कए) पर हस्ताक्षर के बाद, अब विराटनगर के लिए सीधी कमर्शियल रेल सेवा शुरू हो गई है, जिससे द्विपक्षीय व्यापार और आर्थिक सहयोग के नए अवसर खुल गए हैं।

इस सीधी माल ढुलाई सेवा से आयात-निर्यात वाले सामान की आवाजाही को काफी बढ़ावा मिलने की उम्मीद है, क्योंकि यह परिवहन का एक तेज, सस्ता और पर्यावरण के अनुकूल तरीका है। कई हैंडलिंग पॉइंट्स को कम कर-के और सप्लाई चेन की क्षमता को बेहतर बनाकर, यह पहल निर्यातकों, आयातकों, लॉजिस्टिक्स ऑपरेटरों और सीमा-पार व्यापार में शामिल उद्योगों को फायदा पहुंचाएगी।

यह उपलब्धि भारतीय रेलवे के अंतरराष्ट्रीय रेल कनेक्टिविटी को बढ़ाने, माल ढुलाई लॉजिस्टिक्स को मजबूत करने और आधुनिक परिवहन बुनियादी ढांचे के माध्यम से ह्यईज ऑफ डूइंग बिजनेसह्व (व्यापार करने में आसानी) को बेहतर बनाने के सरकार के विजन का समर्थन करने पर लगातार ध्यान केंद्रित करने को भी दशार्ती है। रेल-आधारित माल ढुलाई में वृद्धि से लॉजिस्टिक्स लागत कम होगी, कार्गो की विश्वसनीयता बढ़ेगी और परिवहन अधिक पर्यावरण-अनुकूल होगा, साथ ही पड़ोसी देशों के साथ मजबूत आर्थिक साझेदारी को भी बढ़ावा मिलेगा। नेपाल के लिए पहली सीधी कमर्शियल कंटेनर मालगाड़ी का सफल संचालन भारतीय रेलवे के एक ऐसे एकीकृत, कुशल और भविष्य के लिए तैयार माल ढुलाई नेटवर्क के निर्माण के प्रयासों में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि है, जो क्षेत्रीय व्यापार, आर्थिक विकास और निर्बाध अंतरराष्ट्रीय कनेक्टिविटी का समर्थन करता है।

बासुकीनाथ में मुख्य सचिव का डीसी ने किया स्वागत

बिभा संवाददाता

दुमकाः डीसी अभिजीत सिन्हा और एसपी पीतांबर सिंह खेरवार ने राजकीय श्रावणी मेला के अवसर पर बासुकीनाथ धाम पहुंचे मुख्य सचिव अविनाश कुमार का पुष्पगुच्छ भेंट कर आत्मीय स्वागत किया।

इस अवसर पर डीसी ने मुख्य सचिव को सम्मान स्वरूप स्मृति चिन्ह भेंट कर उनका अभिनंदन किया। मुख्य सचिव के आगमन पर जिला प्रशासन के वरीय पदाधिकारी भी उपस्थित थे।

उच्च न्यायालय ने सड़क हादसे में मृत चालक के परिजनों का मुआवजा तीन गुना से अधिक बढ़ाया

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड उच्च न्यायालय ने सड़क दुर्घटना में जान गंवाने वाले चालक के परिजनों को बड़ी राहत देते हुए मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण (एमएसीटी), तेनुघाट द्वारा निर्धारित मुआवजा राशि में करीब तीन गुना वृद्धि की है। उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश एम.एस. सोनक की अदालत ने दावा स्वीकार करते हुए मुआवजा 1.87 लाख रुपये से बढ़ाकर 5.85 लाख रुपये कर दिया।

मामले को लेकर मृतक चालक बिजली रविदास की पत्नी वीणा देवी और उनके बच्चों ने मुआवजा बढ़ाने की मांग की थी। अपीलकर्ता की ओर से हर्ष चंद्र एवं अधिवक्ता अभिजीत कुमार सिंह ने पक्ष रखा। अदालत ने पाया कि अधिकरण ने मृतक की वार्षिक आय केवल 15,000 रुपये मानी थी, जबकि दावा किया गया था कि वह चालक के रूप में 4,000 रुपये प्रतिमाह कमाता था। हालांकि इस आय का कोई दस्तावेजी प्रमाण या नियोक्ता की गवाही उपलब्ध नहीं थी, फिर भी हाईकोर्ट ने कहा कि केवल दस्तावेजों के अभाव में दावा पूरी तरह खारिज नहीं किया जा सकता। कोर्ट ने यह मानते हुए कि मृतक पेशे से चालक था, उसकी आय 2,000 रुपये प्रतिमाह (24,000 रुपये वार्षिक) निर्धारित की। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट के तय सिद्धांतों के अनुसार 40 प्रतिशत भविष्यगत आय जोड़ी गई और व्यक्तिगत खर्च की कटौती और 17 के मल्टीप्लायर को लागू करते हुए आश्रितों की आय हानि 4,35,200 रुपये आंकी गई। इसके अतिरिक्त अदालत ने 15,000 रुपये संपत्ति हानि 15,000 रुपये अंतिम संस्कार खर्च और तीनों दावेदारों के लिए 40-40 हजार रुपये (कुल 1.20 लाख रुपये) कंसोर्टियम के रूप में प्रदान किए। इस प्रकार कुल मुआवजा 5,85,200 रुपये निर्धारित किया गया।

उच्च न्यायालय ने आदेश दिया कि इस राशि पर दावा याचिका दायर करने की तिथि से वास्तविक भुगतान तक छह प्रतिशत वार्षिक ब्याज भी दिया जाएगा। अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि दुर्घटनाग्रस्त ट्रक बीमित था और बीमा कंपनी ने अधिकरण द्वारा उस पर डाली गई देयता को चुनौती नहीं दी है। इसलिए नेशनल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड को निर्देश दिया गया कि वह बढ़ी हुई मुआवजा राशि, पहले से किए गए भुगतान को समायोजित करते हुए, छह सप्ताह के भीतर उच्च न्यायालय में जमा करे। इसके बाद यह राशि दावेदारों के बैंक खातों में सीधे स्थानांतरित की जाए। उक्त दिशा-निर्देश देते हुए कोर्ट ने अपील निष्पादित कर दिया।

संक्षिप्त खबरें

बाबा मंदिर व शिवगंगा क्षेत्र में ड्रोन और पैराग्लाइडिंग पर बैन, नो फ्लाई जोन घोषित

देवघर(बिभा) : राजकीय श्रावणी मेला में देश-विदेश से लाखों कॉवरियाँ बड़ी श्रद्धा से बाबा बैद्यनाथधाम मंदिर में जलार्पण और पूजा अर्चना करने आते है। श्रद्धालुओं की सुरक्षा, विधि-व्यवस्था एवं सुचारू मेला संचालन को दृष्टिगण रखते हुए बाबा बैद्यनाथ मंदिर व शिवगंगा क्षेत्र में अनाधिकृत ड्रोन का संचालन सुरक्षा की दृष्टि से जोखिमपूर्ण होने से इनकार नहीं किया जा सकता हैं, जिससे विधि-व्यवस्था एवं शांति व्यवस्था भंग होने की प्रबल संभावना है। ऐसे में उपरोक्त के आलोक में मैं अनुमंडल पदाधिकारी-सह-अनुमंडल दण्डाधिकारी श्री रवि कुमार द्वारा दिनांक 30.07.2026 से 28.08.2026 तक देवघर अनुमंडल अन्तर्गत बाबा बैद्यनाथ मंदिर व शिवगंगा क्षेत्र के आस-पास के क्षेत्रों में ड्रोन, पारा गईडिंग एवं हॉट बलून को पूर्णतः वर्जित करते हुए उक्त क्षेत्र को नो फलाई जोन घोषित किया गया है।

श्रावणी मेला के मद्देनजर देवघर के मेला क्षेत्र में खुदरा उत्पाद दुकानों, बार एवं रेस्तरां को बंद रखने का आदेश

देवघर(बिभा) : उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी श्री सौरभ कुमार भुवानिया द्वारा आगामी श्रावणी मेला 2026 के सफल एवं शांतिपूर्ण संचालन को लेकर एक महत्वपूर्ण आदेश जारी किया गया है, जिसके तहत मेला क्षेत्र में स्थित सभी खुदरा उत्पाद दुकानों (शराब दुकानों), बार एवं रेस्तरां को मेले की पूरी अवधि के लिए बंद रखने का आदेश जारी किया है। यह आदेश दिनांक 30.07.2026 (मेला शुभारम्भ) से दिनांक 28.08.2026 (मेला समापन) तक प्रभावी रहेगा। इसके अलावा सभी शराब दुकानदारों, बार और रेस्तरां संचालकों को निर्देश दिया है कि वे इस आदेश का अक्षरशः पालन करें। मेला अवधि के दौरान यदि कोई भी दुकान खुली पाई जाती है या अवैध रूप से शराब की बिक्री/परोसने का मामला सामने आता है, तो संबंधित संचालक के खिलाफ उत्पाद अधिनियम के तहत कड़ी दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी और उनका लाइसेंस रद्द करने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। जिला प्रशासन ने सभी नागरिकों और व्यवसायियों से देवघर की पावन छवि को बनाए रखने और श्रावणी मेले को शांतिपूर्ण व सुरक्षित संपन्न कराने में सहयोग की अपील की है।

धनबाद मंडल में चलाया गया मेगा टिकट चेकिंग अभियान

धनबाद(बिभा): धनबाद मंडल में बड़े पैमाना पर टिकट चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है इसी क्रम में मंगलवार को धनबाद मंडल में मेगा टिकट चेकिंग अभियान चलाया गया। यह टिकट चेकिंग अभियान सुनियोजित कार्यक्रम के तहत दिन-रात चलाया गया इस जांच अभियान के परिणामस्वरूप 601 यात्रियों को पकड़ा गया जिसमें बिना टिकट यात्रा कर रहे यात्री, बिना उचित प्राधिकार के यात्रा करने वाले यात्री, बिना बुक किये गए सामान के साथ यात्रा कर रहे यात्रीगण शामिल थें इस दौरान उनसे 5,66,665 रूपए जुमार्ने के रूप में राशि प्राप्त की गई तथा पकड़ें गए यात्रियों को उचित टिकट के साथ यात्रा करने की कड़ी हिदायत दी गई चेकिंग टीमों द्वारा स्टेशनों एवं विभिन्न मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों में भी चेकिंग किया गया धनबाद मंडल द्वारा निरंतर टिकट जांच किया जा रहा है तथा भविष्य में भी यह जारी रहेगा टिकट जांच अभियान के दौरान स्टेशनों के अनारक्षित टिकट काउंटर पर यात्रियों की काफी भीड़ देखी गई धनबाद मंडल, पूर्व मध्य रेल यात्रियों को उचित टिकट के साथ प्लेटफार्म में प्रवेश करने की सलाह देता है तथा यात्रियों के पास जिस श्रेणी का टिकट है उसी श्रेणी में यात्रा करने का अनुरोध करता है।

श्रावणी मेला के दौरान गया-कामाख्या एक्सप्रेस का सुलतानगंज स्टेशन पर ठहराव

हाजीपुर(बिभा): श्रावणी मेला के अवसर पर श्रद्धालुओं की सुविधा के मद्देनजर रेलवे द्वारा गया और कामाख्या के मध्य चलायी जा रही गाड़ी सं. 15619/15620 गया-कामाख्या-गया एक्सप्रेस का सुलतानगंज स्टेशन पर दो मिनट का ठहराव प्रदान करने का निर्णय लिया गया है। गाड़ी सं. 15620 कामाख्या-गया साप्ताहिक एक्सप्रेस दिनांक 03.08.2026 से 24.08.2026 के मध्य नामित दिन को 00.11 बजे सुलतानगंज स्टेशन पहुंचेगी तथा यहां से 00.13 बजे आगे के लिए प्रस्थान करेगी। इसी तरह गाड़ी सं. 15619 गया-कामाख्या साप्ताहिक एक्सप्रेस दिनांक 04.08.2026 से 25.08.2026 के मध्य नामित दिन को 17.45 बजे सुलतानगंज स्टेशन पहुंचेगी तथा 17.47 बजे आगे के लिए प्रस्थान करेगी ।

एएसडीडी सूची में मतदाताओं की संख्या वृद्धि को लेकर मुख्य निर्वाचन अधिकारी से मिली कांग्रेस

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड में चल रहे मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण -एसआईआर 2026 के तहत तैयार की जा रही एएसडीडी सूची में 27 जुलाई तक मतदाताओं की संख्या 40,04,817 पहुंचने पर झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने गहरी चिंता व्यक्त की है।

इस मुद्दे को लेकर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश, महासचिव सूर्यकांत शुक्ला और लाल किशोर नाथ शाहदेव ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी के रवि कुमार से मुलाकात कर उन्हें ज्ञापन सौंपा। कांग्रेस नेताओं को मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने भरोसा दिलाया कि पांच अगस्त के बाद चुनाव आयोग से 15 दिन का समय और बढ़ाने की सिफारिश की जाएगी।

कांग्रेस का कहना है कि एएसडीडी सूची में लगातार बढ़ोतरी हो रही है, जिनमें से लापता श्रेणी के मतदाताओं की संख्या सबसे अधिक चिंताजनक है। रांची, हटिया, कांके, धनबाद, बोकारो और जमशेदपुर पश्चिम जैसे प्रमुख विधानसभा क्षेत्रों में ऐसे मतदाताओं की संख्या 75 हजार से 1.15 लाख तक है।

पार्टी का कहना है कि जब राज्य में डिजिटाइजेशन का काम संतोषजनक स्थिति में है, तब अनुपस्थित श्रेणी में इतनी बड़ी संख्या होना सवाल खड़े करता है। देवघर और दुमका सहित आसपास के जिलों में बाबाधाम सावन मेले की शुरूआत हो रही है, जिससे आम जनता और प्रशासनिक व्यवस्था प्रभावित होती है।

उन्होंने कहा कि कई जगहों से शिकायतें मिल रही हैं कि बीएलओ फॉर्म लेने के बाद हस्ताक्षर करके पावती रसीद नहीं दे रहे हैं।

कांग्रेस नेताओं ने कहा कि एएसडीडी सूची का दायरा इतना बड़ा होने और अभी तक अनमैपिंग सूची का प्रकाशन न होने के कारण आम मतदाताओं पर अनावश्यक दबाव बढ़ रहा है।

कांग्रेस नेताओं ने कहा कि इन सभी परिस्थितियों को देखते हुए इन्यूमरेशन फेज के साथ-साथ नोटिस और सुनवाई प्रक्रिया की समय-सीमा आगे बढ़ाई जाए। मुख्य निर्वाचक पदाधिकारी के रवि कुमार ने प्रतिनिधिमंडल को भरोसा दिया है कि 5 अगस्त 2026 तक 15 दिन समय बढ़ाने का प्रस्ताव केंद्रीय निर्वाचन पदाधिकारी को भेजा जाएगा।

प्रतिनिधिमंडल में महासचिव सूर्यकांत शुक्ला, लाल किशोर नाथ शाहदेव, लाल प्रेम प्रकाश नाथ शाहदेव, सुनील सिंह, राजेश चंद्र राजू शामिल थे।

पूर्व मध्य रेलवे के डुमरी हॉल्ट और अथमल गोला स्टेशनों पर दो श्रावणी मेला स्पेशल ट्रेन का अतिरिक्त ठहराव

बिहान भारत

आसनसोलः श्रावणी मेले के दौरान यात्रियों की सुविधा के लिए रेलवे ने तत्काल प्रभाव से 03511/03512 आसनसोल झ पटना झ आसनसोल श्रावणी मेला स्पेशल का डुमरी हॉल्ट और अथमल गोला स्टेशनों पर तथा 03527/03528 आसनसोल झ गोरखपुर झ आसनसोल श्रावणी मेला स्पेशल का डुमरी हॉल्ट स्टेशन पर अतिरिक्त ठहराव (स्टॉपेज) प्रदान करने का निर्णय लिया है। 03511 आसनसोल झ पटना श्रावणी मेला स्पेशल डुमरी हॉल्ट और अथमल गोला स्टेशनों पर क्रमशः 23:03 बजे और 00:38 बजे पहुंचेगी तथा 03512 पटना झ आसनसोल श्रावणी मेला स्पेशल अथमल गोला और डुमरी हॉल्ट स्टेशनों पर क्रमशः 04:43 बजे और 05:57 बजे पहुंचेगी। 03527 आसनसोल झ गोरखपुर श्रावणी मेला स्पेशल डुमरी हॉल्ट स्टेशन पर 01:32 बजे पहुंचेगी और 03528 गोरखपुर झ आसनसोल श्रावणी मेला स्पेशल डुमरी हॉल्ट स्टेशन पर 01:26 बजे पहुंचेगी।

जनता दरबार में सुनी गई आमलोगों की समस्याएं, कई मामलों का ऑन-द-स्पॉट समाधान

बिभा संवाददाता

देवघर। जिलावासियों की समस्याओं के त्वरित समाधान के उद्देश्य से उपायुक्त सौरभ कुमार भुवानिया के निर्देश पर मंगलवार को जिला आपूर्ति पदाधिकारी (डीएसओ) प्रीतिलता किस्कू की अध्यक्षता में जनता दरबार का आयोजन किया गया।

जनता दरबार में जिले के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों से पहुंचे लोगों ने बिजली बिल माफी, मईया सम्मान योजना, भू-राजस्व, पेंशन, आवास, अंचल और कृषि से जुड़े मामलों को अधिकारियों के समक्ष रखा। इस दौरान कई मामलों का मौके पर ही समाधान किया गया। इसके अलावा विभिन्न विभागों से संबंधित कई शिकायतें औरआवेदन भी प्राप्त हुए। मौके पर जिला आपूर्ति पदाधिकारी ने सभी शिकायतकताओं की समस्याएं सुनने के बाद संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिया कि प्रत्येक आवेदन की भौतिक जांच कर जल्द से जल्द उसका निष्पादन सुनिश्चित किया जाए। जनता दरबार के दौरान संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी भी उपस्थित रहे और प्राप्त आवेदनों के निष्पादन की प्रक्रिया में आवश्यक कार्रवाई की गई।

पूर्व रेलवे के महाप्रबंधक ने तकनीकी पुस्तकों का लोकार्पण किया तथा साप्ताहिक समीक्षा बैठक में श्रावणी मेला एवं परीक्षा तैयारियों की समीक्षा की

बिहान भारत

कोलकाताः पूर्व रेलवे के महाप्रबंधक श्री मिलिंद देऊस्कर के गतिशील नेतृत्व में आज पूर्व रेलवे मुख्यालय में साप्ताहिक समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसमें यात्री सुविधाओं एवं सुरक्षा से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में सभी प्रधान विभागाध्यक्ष व्यक्तिगत रूप से उपस्थित रहे, जबकि मंडल रेल प्रबंधकों ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से भाग लिया।

बैठक के दौरान महाप्रबंधक ने हावड़ा मंडल के वरिष्ठ मंडल बिजली इंजीनियर (कर्षण वितरण) श्री एस. के. श्रीवास्तव द्वारा संकलित दो तकनीकी सुरक्षा पुस्तकों के हिंदी एवं बंगाली अनुवादित संस्करणों का लोकार्पण किया, ताकि फील्ड स्टाफ सुरक्षा संबंधी दिशानिर्देशों को सरलता से समझ सके। पहली पुस्तक टीआरडी विफलताओं के मूल कारण विश्लेषण हेतु निर्देशों का संकलन शीर्षक से प्रकाशित की गई है। यह पुस्तक अनुसूचित अनुरक्षण निर्देश, निर्देश टिप्पणियाँ, अनुसंधान अभिकल्प एवं मानक संगठन तथा भारतीय रेलवे उन्नत अनुरक्षण प्रौद्योगिकी केंद्र के दिशा-निर्देशों पर आधारित है और इसका उद्देश्य टीआरडी प्रणाली में शून्य विफलता सुनिश्चित करना है। दूसरी पुस्तक भारतीय रेलवे में एसएमआई एवं आईएन का संकलन शीर्षक से प्रकाशित की गई है, जिसमें अनुसंधान अभिकल्प एवं मानक संगठन द्वारा जारी अनुसूचित अनुरक्षण निर्देशों एवं निर्देश टिप्पणियों का सरल एवं संक्षिप्त संकलन प्रस्तुत किया गया है। यह पुस्तक कर्षण वितरण विभाग के लिए विश्वसनीय, मानकीकृत, सुरक्षित एवं दक्ष परिचालन सुनिश्चित करने में सहायक होगी।

बैठक के दूसरे चरण में श्रावणी मेला के दौरान यात्रियों की सुविधा एवं व्यवस्थाओं पर विस्तृत चर्चा की गई। वर्तमान में बैद्यनाथ धाम, जसीडीह, देवघर एवं बासुकीनाथ जैसे स्टेशनों पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ रही है। इस चुनौतीपूर्ण स्थिति के प्रभावी प्रबंधन हेतु पूर्व रेलवे ने व्यापक भीड़ नियंत्रण व्यवस्था, श्रद्धालु सहायता केंद्र, चिकित्सा सुविधाएँ तथा अतिरिक्त टिकट बुकिंग काउंटर स्थापित किए हैं। साथ ही, मेले की अवधि में कुल 1,132 रेल सेवाओं (ट्रेन ट्रिप्स) का संचालन किया जा रहा है। इसी प्रकार, हावड़ा मंडल के महत्वपूर्ण पारगमन केंद्रों जैसे शेयोराफुली जंक्शन एवं तारकेश्वर में भी पूरे पवित्र श्रावण माह के दौरान भारी भीड़ की संभावना को देखते हुए 246 रेल सेवाओं का संचालन निर्धारित किया गया है। इसके अतिरिक्त, पूर्व रेलवे ने अस्थायी रूप से कुछ ट्रेनों के ठहराव समय में वृद्धि, अतिरिक्त स्टॉपेज, हावड़ा, सियालदह एवं मालदा मंडलों से प्रारंभ होने वाली 6 जोड़ी मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों में एक-एक अतिरिक्त लाइट स्लीपर/सामान्य द्वितीय श्रेणी कोच जोड़ने, यात्रियों की अचानक बढ़ने वाली भीड़ से निपटने हेतु स्टैंडबाय रेक की व्यवस्था, तारकेश्वर में अतिरिक्त टिकट बुकिंग सुविधाएँ तथा श्रद्धालुओं की बेहतर सेवा के लिए अतिरिक्त कर्मचारियों की तैनाती की है।

इसके अलावा, पूर्व रेलवे ने 3 अगस्त, 2026 से 21 अगस्त, 2026 तक आयोजित होने वाली रेलवे भर्ती बोर्ड (आरआरबी) लेवल-1 कंप्यूटर आधारित परीक्षा के सफल संचालन हेतु विशेष तैयारियों की भी समीक्षा की। इन व्यवस्थाओं के अंतर्गत बिजली विभाग के पर्यवेक्षक निर्बाध बिजली आपूर्ति, बैकअप व्यवस्था एवं बिजली सुरक्षा की जांच करेंगे, जबकि सिग्नल एवं दूरसंचार विभाग के पर्यवेक्षक परीक्षा प्रारंभ होने से पूर्व इंटरनेट कनेक्टिविटी, सर्वर रूम की तैयारी तथा संचार अवसंरचना का सत्यापन करेंगे।सुरक्षा विभाग स्थानीय पुलिस के साथ अग्रिम समन्वय स्थापित करेगा, परीक्षा केंद्रों का कार्यक्रम साझा करेगा, प्रत्येक केंद्र के लिए भीड़ प्रबंधन एवं आपातकालीन प्रतिक्रिया योजना तैयार करेगा तथा कानून-व्यवस्था अथवा एफआईआर से संबंधित मामलों के समाधान हेतु रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) के अधिकारी स्तर के अधिकारियों को नामित करेगा।परिचालन विभाग आवश्यकता पड़ने पर विशेष ट्रेनें अथवा अतिरिक्त कोच उपलब्ध कराएगा तथा अभ्यर्थियों की आवाजाही को प्रभावित करने वाले अनुरक्षण अथवा यातायात अवरोधों से बचने के लिए आवश्यक कदम उठाएगा। परीक्षा अवधि के दौरान मुख्यालय एवं मंडल स्तर पर कार्मिक एवं सुरक्षा विभागों द्वारा संचालित 247 नियंत्रण कक्ष भी कार्यरत रहेंगे।

इन पहलों के संबंध में पूर्व रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री शिबराम माझि ने कहा हमारे महाप्रबंधक की दूरदर्शी सोच के अनुरूप पूर्व रेलवे श्रावणी मेला के दौरान सभी श्रद्धालुओं को निर्बाध यात्रा, सुरक्षित परिवहन तथा बेहतर यात्री सुविधाएँ उपलब्ध कराने के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है। साथ ही, आगामी रेलवे भर्ती बोर्ड परीक्षाओं में सम्मिलित होने वाले सभी अभ्यर्थियों के लिए सुरक्षित, निष्पक्ष एवं सुगम आवागमन सुनिश्चित करने हेतु सभी विभागों के समन्वय से मजबूत एवं व्यापक व्यवस्थाएँ की गई हैं।

बिहान भारत की ओर से स्वात्वाधिकारी प्रकाशक एवं मुद्रक **संजय कुमार** के लिए वाटिका अपार्टमेंट, भोसले गली, हरिहर सिंह रोड, बरियातु, रांची-834009 (झारखंड) दूरभाषः 7761060594, 7004767601 से प्रकाशित तथा शिवा साई पब्लिकेशन प्रा.लि. (एसएच प्रिंटर प्रा.लि.), काठीटांड रातु, नियर टेंडर बगीचा, एचपी पेट्रोल पंप, रातु, रांची - 835222 झारखंड से मुद्रित। समस्त दीवानी विवाद, न्यायोचित कार्रवाई एवं दंडित परिवादो के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। **संपादक : कविता साहू**(*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)। **प्रबंध संपादक : बीरेन्द्र महली** ।
Email-bihanbharat@gmail.com, bihanbharatranchinews@gmail.com